● वर्ष-3
● अंक-79
रायपुर, गुरुवार
09 नवंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6›› धनतेरस पर धन वृद्धि के लिए...

## जनता समझ चुकी है कि भूपेश मतलब 508 : रविकिशन

### कांग्रेस सरकार के संरक्षण में महादेव एप ने जन्म लिया और फला-फूला है, जनता में भूपेश सरकार के प्रति बेहद आक्रोश है

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के सांसद रवि किशन ने कहा है कि आज आप गूगल में टाइप कीजिए 508, जवाब आएगा- भूपेश बघेल। जनता समझ चुकी है कि भूपेश बघेल मतलब 508। महादेव एप के सूत्रधार ने खुलासा कर दिया है कि उसने भूपेश बघेल को 508 करोड़ रुपए दिए। महादेव एप के सूत्रधार शुभम सोनी के सनसनीखेज खुलासे की चर्चा करते हुए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर हमला बोलते हुए भाजपा सांसद रविकिशन ने कहा कि महादेव एप के तार सीधे मुख्यमंत्री और उनके नजदीकियों से जुड़े हैं।



भाजपा सांसद रविकिशन ने बुधवार को एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में प्रदेश की भूपेश सरकार के शराब, कोयला समेत तमाम घोटालों की चर्चा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के इन घोटालों की बदनामी तो बॉलीवुड में भी पहुँच गई है। रेल से रायपुर आते समय फिल्म निर्माता ने फोन पर उनसे (श्री रविकिशन से) कहा कि हमें अब लंबे समय तक कहानियों की जरूरत नहीं पड़ेगी क्यों छत्तीसगढ़ की सरकार ने घपलों-घोटालों की ढेरों कहानियाँ हमारे पास पहुँच गई है। %लबरा राजा% शीर्षक से बनी एक वेब सीरीज के कुछ अंशों का प्रदर्शन कर भाजपा सांसद ने कहा कि एक फिल्म निर्माता ने इस पर सीरीज बनाई है जो छत्तीसगढ़ में काफी देखी जा रही है। श्री रविकिशन ने कहा कि अब हमारा स्पष्ट कहना है कि यह जो शुरुआती 5,000 करोड़ रुपए का महादेव एप घोटाला है जिसके जरिये छत्तीसगढ़ की जनता को लूटा गया है और इतना ही नहीं शुभम को दुबई भेजकर सट्टे का कारोबार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। यह स्पष्ट हो चुका है कि सत्ता के संरक्षण में महादेव एप ने जन्म लिया और फला-फूला है। भाजपा सांसद ने कहा, %मैं बाबा की नगरी गोरखपुर से बाबा का स्पष्ट संदेश लेकर आया हूँ कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदेश के पैसा लूटने वालों के खिलाफ भाजपा का बुलडोजर चलेगा।

भाजपा सांसद श्री रविकिशन ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने पाँच साल के शासनकाल में छत्तीसगढ़ को लूटकर बर्बाद कर दिया, नोच डाला। छत्तीसगढ़िया के भोलेपन के साथ विश्वासघात किया है। भाजपा के 15 वर्षों के शासनकाल में छत्तीसगढ़ जिस ऊँचाई पर पहुँचा था, कांग्रेस की सरकार ने पाँच साल में उससे कहीं ज्यादा नीचे गिरा दिया। श्री रविकिशन ने भाजपा के घोषणा पत्र %मोदी की गारंटी% की चर्चा करते हुए कहा कि इस गारंटी को लेकर हमने संकल्प लिया है कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही पहले कैबिनेट बैठक में 18 लाख घरों का निर्माण पूरा करने के लिए राशि आवंटित करेंगे। यहां के मुख्यमंत्री ने उसे प्रधानमंत्री आवास योजना को आम गरीब लोगों तक इसलिए नहीं पहुंचने दिया क्योंकि उसमें प्रधानमंत्री शब्द जुड़ा था यह वही मुख्यमंत्री है जो गांधी परिवार की वंदना में करोड़ों रुपए प्रदेश का फूंक चूका है। 2 साल के अंदर छत्तीसगढ़ के घर में नल से सीधे पीने पानी की उपलब्धता करवाएंगे। इसी तरह हम छत्तीसगढ़ में महतारी को नारी को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रत्येक महिला को ?1000 महीना मतलब साल का 12000 यानी 5 साल में ?60000 सीधा उनके खाते में वित्तीय सहायता देंगे। अगर घर में तीन महिला भी होंगी चार महिला भी होंगी तो प्रत्येक महिला को 1000 रुपया मोदी सरकार की गारंटी है। ?500 में गरीब परिवोर की महिलाओं को सिलेंडर दिया जाएगा, भले उसकी कीमत चाहे जो हो।

भाजपा सांसद श्री रविकिशन ने कहा कि देश की आदिशक्ति को सशक्त करने के लिए हमने राज्यसभा और लोकसभा में बिल लाकर महिलाओं को 33त्न आरक्षण सुनिश्चित किया ।शीघ्र विधानसभा में और लोकसभा में महिलाएं अपने निर्णय लेकर देश का नेतृत्व करती दिखेंगी। यह भाजपा की विकासवादी सोच का परिचायक है और मोदी जी की गारंटी है। श्री रविकिशन ने दावा किया कि 3 दिसंबर को छत्तीसगढ़ में चहुँओर कमल खिलेगा, भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। छत्तीसगढ़ के प्रथम चरण के मतदान के प्रतिशत का हवाला देते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि कल की वोटिंग बता दे रही है कि जनता में भूपेश सरकार के प्रति कितना आक्रोश है! अब अपनी हार होते देखकर मुख्यमंत्री बघेल समेत तमाम कांग्रेस नेता ऊलजलूल बयान देकर राजनीतिक मर्यादा लांघ रहे हैं, प्रदेश की जनता, मातृशक्ति, युवाओं, गरीब, आदिवासी और किसान समेत सभी वर्ग का खुला अपमान करने पर उतर आई है।

## यूपी एटीएस ने संदिग्ध आतंकी को भिलाई से किया गिरफ्तार

**दुर्ग/नईदिल्ली।** एक बड़े घटनाक्रम में उत्तर प्रदेश एटीएस की टीम ने भिलाई से संदिग्ध आतंकी को पकड़ने में कामयाबी पाई है. संदिग्ध वजाहिद्दीन इदरीस बीते एक साल से स्मृति नगर क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहा था. इदरीस के आईएसआईएस से तार जुड़े होने की बात कही जा रही है. उत्तर प्रदेश एटीएस ने सुपेला थाना पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई को अंजाम दिया. जानकारी के अनुसार, वजाहिद्दीन इदरीस उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ़ के फिरदौस नगर का रहने वाला है, जिसके खिलाफ धारा 121(A), 122, 13, 18, 18, (B), 38 विधि विरुद्ध क्रिया कलाप निवारण अधिनियम 1967 एटीएस थाना लखनऊ में मामला दर्ज है. आईएसआईएस संगठन से जुड़ा आरोपी स्मृति नगर में छुपकर रह रहा था. आरोपी ने पकड़े जाने के बाद बताया कि वह स्टूडेंट ऑफ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में संविदा पढ़ाता था, और अभी कुछ समय से छत्तीसगढ़ आना-जाना करता था. फिलहाल, वह परिवार में ही एक बहन की शादी के सिलसिले में भिलाई आया हुआ था.



### झारखंड में भी आतंकी गिरफ्तार

झारखंड के आतंकवाद निरोधी दस्ते ने बुधवार को राज्य के गोड्डा और हजारीबाग जिलों से दो कथित आईएसआईएस आतंकियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान आरिज हसनैन और मोहम्मद नसीम के रूप में हुई है। एटीएस ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली थी कि गोड्डा के रहमत नगर का रहने वाला हसनैन अन्य लोगों को कट्टरपंथी बनाने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से आतंकवादी समूह आईएसआईएस की विचारधारा फैला रहा था। एटीएस ने उसे पकड़कर पूछताछ की। झारखंड एटीएस ने कहा, उसने कथित तौर पर आईएसआईएस के साथ अपने संबंध का खुलासा किया। उन्होंने मोहम्मद नसीम नाम के एक अन्य व्यक्ति के नाम का खुलासा किया, जो आतंकी समूह से जुड़ा था। नसीम ने आरिज को जिहाद और कुफरा विद टैगूट नाम से दो किताबें भी भेजी थीं, जो आईएसआईएस की विचारधारा का समर्थन करती थीं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव की दूसरे चरण मतदान के लिए तैयारी शुरू हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर प्रदेश में बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान के लिए घर पहुंच सुविधा दी जा रही है। रायपुर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे ने खुद तात्यापारा निवासी 83 वर्ष की बुजुर्ग मतदाता सुमन के घर पहुंचकर उनसे गुप्त मतदान कराया है। विधानसभा निर्वाचन-2023 से भारत निर्वाचन आयोग ने 80 वर्ष से अधिक बुजुर्ग मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान की घर पहुंच सुविधा शुरू की है।

## मोदी ने 'शर्मनाक' टिप्पणी पर नीतीश की आलोचना की

### महिलाओं का सम्मान सुनिश्चित करने पर जोर



**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की %जनसंख्या नियंत्रण% संबंधी टिप्पणी को लेकर उन पर तीखा हमला बोला और कहा कि इंडिया गुट के नेता ने दुनिया के सामने भारत का अपमान किया है। कुमार का नाम लिए बिना मोदी ने कहा कि किसी भी इंडिया गठबंधन के नेता ने उनकी अपमानजनक टिप्पणियों पर आपत्ति नहीं जताई। मध्य प्रदेश के गुना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 卐उन्हें कोई शर्म नहीं है...क्या वे इतने नीचे गिरेंगे।卐 मोदी ने कहा कि ढ्ढ.ह्.ष्ठ.ढ्ढ ,द्यद्यढ्डठ्ठष्द्ध के एक बहुत बड़े नेता, जो इनका झंडा लेकर घूम रहे हैं, उस नेता ने विधानसभा में माताओं-बहनों की उपस्थिति में ऐसी भद्दी भाषा में बातें की जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। शर्म भी नहीं आई उनको। ढ्ढ.ह्.ष्ठ.ढ्ढ,द्यद्यढ्डठ्ठष्द्ध के एक भी नेता ने माताओं-बहनों के इतने भयंकर अपमान पर एक शब्द भी नहीं बोला।

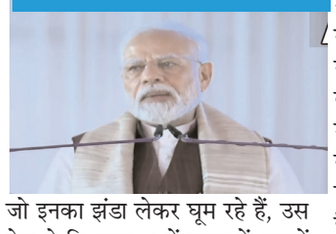

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि माताओं-बहनों, आपका सम्मान सुनिश्चित करने के लिए मैं जो भी कर सकूंगा, करूंगा। नीतीश कुमार ने राज्य में जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए महिलाओं के बीच शिक्षा के महत्व पर बात करते हुए विस्तार से बताया कि कैसे एक महिला अपने पति को संभोग के दौरान रोक सकती है। कुमार ने मंगलवार को बिहार विधानसभा के अंदर कहा, 卐पति के कृत्यों के कारण अधिक बच्चे पैदा हुए। हालांकि, शिक्षा के साथ, एक महिला जानती है कि उसे कैसे रोकना है... यही कारण है कि (जन्मों की) संख्या में कमी आ रही है।卐 इस टिप्पणी से बड़े पैमाने पर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया और भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

नीतीश कुमार ने आज विधानसभा के अंदर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी और कहा कि वह अपने शब्द वापस ले रहे हैं। हालाँकि, विपक्षी सदस्यों ने सदन के अंदर अपना विरोध जारी रखा और उनके इस्तीफे के लिए दबाव डाला। भाजपा जबरदस्त तरीके से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर है। बीजेपी नेता सुशील मोदी ने कहा कि भले ही उन्होंने माफी मांग ली है लेकिन पूरा बिहार शर्मसार हुआ है। उन्हें इस तरह का बयान देने की हिम्मत कैसे हुई?...केवल माफी मांगने से काम नहीं चलेगा उन्हें सभी महिलाओं के सामने हाथ जोड़कर ये कहना चाहिए कि उन्होंने बहुत बड़ी गलती की है और आगे ऐसी कभी भी गलती नहीं करेंगे। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हमें शर्म आती है कि वह हमारे राज्य के सीएम हैं...मुझे लगता है कि बिहार के सभी व्यक्ति को शर्म आ रही होगी क्योंकि उनका सीएम ऐसी अश्लील भाषा का इस्तेमाल कर रहा है...यह तीसरे दर्जे का बयान है। भाजपा के सहयोगी से विरोधी बने कुमार पर सबसे तीखा हमला निशिकांत दुबे ने किया, जिन्होंने कुमार की टिप्पणियों को अश्लील कहानी कहने की संज्ञा दी।

## प्रमुख समाचार

### राम मंदिर का विरोध करती रही ग्रैंड ओल्ड पार्टी: योगी

**नईदिल्ली।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कांग्रेस पर अतीत में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध करने का आरोप लगाया और कहा कि अगर पार्टी चाहती तो 1947 में ही मंदिर बना सकती थी। योगी आदित्यनाथ ने अलग-अलग जगहों पर भाजपा के लिए मध्य प्रदेश में प्रचार किया। योगी आदित्यनाथ ने मध्य प्रदेश के खातेगांव में एक चुनावी रैली में कहा कि कांग्रेस 1947 में ही अयोध्या में राम मंदिर बना सकती थी। सरदार वल्लभभाई पटेल ऐसा चाहते थे, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अयोध्या के राम मंदिर का विरोध करती रही और जब आंदोलन शुरू हुआ तो उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि भगवान राम का अस्तित्व ही नहीं था। योगी ने अपना एक पार्टी जो सबसे पुरानी होने का दावा करती है, अगर वह नायकों और प्रेरणा के प्रतीक को खारिज करती है, तो उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए रहना। उन्होंने कहा कि 6 साल पहले यूपी के लोग अपनी पहचान छिपाते थे कोई नहीं बताता था कि वो उत्तर प्रदेश से है क्योंकि उस समय यूपी का मतलब ऐसा राज्य था।



### पत्नी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं केजरीवाल: सिरसा

**नईदिल्ली।** भाजपा के वरिष्ठ नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को दावा किया कि अरविंद केजरीवाल अब समाप्त हो चुकी दिल्ली की उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश नहीं हुए क्योंकि वह अपने विधायकों को मनाना चाहते हैं ताकि उनकी पत्नी को सीएम चुना जाए है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने मुझे बताया कि सभी विधायकों ने यह कहते हुए प्रस्ताव खारिज कर दिया था कि अगर केजरीवाल की पत्नी को मुख्यमंत्री चुना गया तो वंशवाद की राजनीति के आरोपों पर पार्टी बर्बाद हो जाएगी।भाजपा नेता ने आगे दावा किया कि आप विधायकों ने पार्टी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और शीश महल के निर्माण से संबंधित मुद्दों पर केजरीवाल का सामना किया था। यह आरोप भाजपा दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के नवीनीकरण के लिए लगभग? 40 करोड़ के कथित खर्च को लेकर उठा रही है। सुनीता केजरीवाल तब सुर्खियों में आईं जब दिल्ली की एक शहर अदालत ने दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के सचिव हरीश खुराना की शिकायत पर समन जारी किया।



### भाजपा नहीं चाहती, आदिवासी बड़े सपने देखें: राहुल

**नईदिल्ली।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों को वनवासी कहती है और उन्हें अंग्रेजी सीखने से मना करती है क्योंकि वह नहीं चाहती कि वे 'बड़े सपने' देखें। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले यहां एक रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधा और कहा कि वह आदिवासियों से अंग्रेजी नहीं सीखने के लिए कहते हैं, लेकिन वे (भाजपा नेता) अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भेजते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, भाजपा ने आदिवासियों के लिए वनवासी शब्द का इस्तेमाल किया। वनवासी और आदिवासी के बीच बहुत बड़ा अंतर है। गांधी ने मध्य प्रदेश की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा, आपने वह वीडियो देखा होगा जहां एक भाजपा नेता ने एक आदिवासी व्यक्ति पर पेशाब किया था। वह घटना भाजपा की मानसिकता को दर्शाती है।उन्होंने कहा, आदिवासी शब्द का गहरा अर्थ है। यह जल, जंगल, ज़मीन पर आपके अधिकार को व्यक्त करता है।

वनवासी का अर्थ है वे लोग जो जंगल में रहते



### कैश फॉर क्वेरी केस में बढ़ती जा रही है महुआ की मुश्किलें

**नईदिल्ली।** भाजपा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने बुधवार को दावा किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालकर कथित भ्रष्टाचार को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक विभाग द्वारा केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच का आदेश दिया गया है। इससे कुछ दिन पहले भाजपा सांसद ने मोइत्रा पर उपहार के बदले व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी के इशारे पर अडानी समूह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने के लिए लोकसभा में सवाल पूछने का आरोप लगाया था। इस मामले को लोकसभा की एथिक्स कमेटी देख रही है। मोइत्रा कथित तौर पर पैसे लेने और संसद में सवाल पूछने के लिए कैश-फॉर-क्वेरी मामले में जांच के दायरे में हैं। टीएमसी सांसद, 2 नवंबर को एथिक्स कमेटी के सामने पेश हुईं और कैश-फॉर-क्वेरी मामले में उनकी कथित संलिप्तता पर पूछताछ की गई। हालाँकि, टीएमसी नेता यह शिकायत करने के बाद पूछताछ से बाहर चली गईं कि उनसे अनुचित सवाल पूछे जा रहे हैं। मोइत्रा ने किसी भी तरह का आर्थिक लाभ लेने के आरोप से इनकार किया है।



### चुनावी नतीजों के ठीक बाद शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र

**नईदिल्ली।** संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के दूसरे सप्ताह में शुरू हो सकता है और क्रिसमस से पहले इसके समापन की सभावना है। सूत्रों ने बुधवार को कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होने की संभावना है और क्रिसमस से पहले समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि सत्र तीन दिसंबर को पांच राज्यों में वोटों की गिनती के कुछ दिनों बाद शुरू हो सकता है। आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम को प्रतिस्थापित करने वाले तीन प्रमुख विधेयकों पर सत्र के दौरान विचार किए जाने की संभावना है क्योंकि गृह मामलों की स्थायी समिति ने हाल ही में तीन रिपोर्टों को अपनाया है। शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है और 25 दिसंबर से पहले समाप्त हो जाता है।संसद में लंबित एक अन्य प्रमुख विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित है। मानसून सत्र में पेश किए गए इस प्रस्ताव को सरकार ने विपक्ष और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के विरोध के बीच संसद के विशेष सत्र में पारित करने पर जोर नहीं दिया क्योंकि वह सीईसी और ईसी की स्थिति को कैबिनेट सचिव के बराबर लाना चाहती है। वर्तमान में उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश का दर्जा प्राप्त है।

## कहां गई वह जनाधार और सरोकारों वाली पीढ़ी

**राजेश बादल**

भारतीय लोकतंत्र अब परिपक्व हो रहा है। संसार में थोड़ी-थोड़ी धाक भी जमने लगी है। नई पीढ़ी ने अपनी प्रतिभा के बूते कमोबेश सभी देशों में अपने हुनर, कौशल और ज्ञान से अलग पहचान बनाई है तो दूसरी तरफ बढ़ती आबादी के कारण भी हिंदुस्तान को बड़े तथा ताकतवर मुल्कों की श्रेणी में रखा जाने लगा है। एक औसत भारतीय निश्चित रूप से इस पर गर्व कर सकता है। सदियों तक गुलामी की जंजीरों में जकड़े रहने के बाद जो खुशी आजादी की मिली थी, अब वैसी ही प्रसन्नता आम भारतीय महसूस कर सकता है। मौजूदा हालात उसे इस बात की इजाजत देते हैं कि बिखरते समाज और चटकते रिश्तों के इस दौर में कुछ तो है, जिसे हमने बचा रखा है। परदेस में मिलने वाली इज्जत हमें कंधे चौड़े रखने का अवसर देती है लेकिन बहुत कुछ ऐसा भी है, जो बीते दशकों में हमने खोया है। इसका अहसास कोई विदेशी नहीं कर सकता और एकदम नई नस्ल का कोई नुमाइंदा भी नहीं कर सकता। इसकी वजह यह कि उसने उस दौर को नहीं जिया है, जिस भारतीय समाज की साख समूची दुनिया में रही है।

स्वतंत्रता के बाद भारत के अस्तित्व को लेकर बड़ी शंकाएं जताई गई थीं। अंतरराष्ट्रीय लेखकों, इतिहासकारों, कूटनीति के जानकारों और राजनयिकों तक ने भारत में लोकतंत्र के भविष्य पर अनेक सवाल उठाए थे। गोरे विद्वान कहते थे कि आजाद होने के बाद भारत धीरे-धीरे बिखर जाएगा। वे मानते थे कि सदियों तक गुलामी की जंजीरों से जकड़ा रहा देश अब अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत खो चुका है। थोड़े ही समय बाद लोकतंत्र का भाव कहीं खो जाएगा और यह देश बिखर जाएगा। ऐसी सोच रखने वालों में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल भी थे। वे कहते थे कि भारत के राजनेताओं को सत्ता सौंपते हुए हम यह स्पष्ट जानते हैं कि यह तिनकों के पुतले हैं। कुछ वर्षों में ही इनका नामोनिशान तक नहीं रहेगा। जाने-माने अमेरिकी पत्रकार सेलिग हैरिसन के एक चर्चित लेख में कहा गया था कि देखने वाली बात ये है कि आजाद भारत जिंदा भी रह पाएगा या नहीं? मैक्सवेल ने कहा था कि भारत को एक लोकतांत्रिक ढांचे के रूप में विकसित करने का प्रयोग नाकाम हो गया है। अंग्रेज विद्वान जॉन स्ट्रेच ने लिखा था कि न तो भारत नाम का कोई देश पहले था और न कभी भविष्य में होगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

भारत इन सारी धारणाओं को धता बताते हुए शनैः शनैः आगे बढ़ता गया है। चुनाव दर चुनाव यह धारणा और पुख्ता होती गई है कि हमारी मजबूत संवैधानिक लोकतांत्रिक नींव के बिना यह संभव नहीं था। कितने लोगों को याद होगा कि स्वतंत्रता के पांच साल बाद इस देश में चुनाव हुए थे। लेकिन उन पांच सालों में हिंदुस्तान की एक ऐसी सरकार काम कर रही थी, जो सिर्फ कांग्रेसी नहीं थी। उसी सरकार ने दरअसल आज के भारत की नींव डाली थी। भले ही कांग्रेस के जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे लेकिन उनके बारह मंत्री मजहब और दलीय विचारधारा से ऊपर उठकर काम कर रहे थे। उसमें पांच प्रतिनिधि ऐसे थे, जिनका कांग्रेस और कांग्रेस की विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं था। वो सिर्फ हिंदुस्तान की तरक्की के लिए नेहरू के कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहते थे। ऐसी उदारता और सहिष्णुता बेमिसाल है। इनमें से एक थे संविधान के शिल्पी डॉक्टर बाबासाहब आंबेडकर। उनके अलावा हिंदू महासभा के श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पंथिक पार्टी के बलदेव सिंह भी नेहरू के पहले मंत्रिमंडल में शामिल थे। यह सभी प्रधानमंत्री के मुखर आलोचक थे लेकिन राष्ट्र निर्माण में उन्होंने तमाम मतभेदों को भूलकर काम किया था।उसी अवधि में देश की इस पहली राष्ट्रीय सरकार ने लोकतंत्र की प्रतीक संस्थाओं का विराट जाल बिछाने का महत्वपूर्ण काम किया था। यह देखकर वास्तव में आश्चर्य होता है कि आज भारत को महाशक्ति में बदलने वाली वही संस्थाएं हैं, जो आजादी के बाद बनाई गई थीं। प्रधानमंत्री नेहरू मानते थे कि भारत जैसे धार्मिक और परंपरावादी देश में सबसे बड़ी चुनौती उसे आधुनिक बनाने की है। इसके लिए प्रजातंत्र की जड़ों को नए सिरे से मजबूत करना जरूरी था। आज विश्व में भारतीय लोकतंत्र की साख है तो इसके पीछे उन्हीं संस्थाओं का योगदान है। फिर ऐसा क्या हुआ, जो हमारे तंत्र में कुछ पीछे छूटता रहा और हमें उसके चटकने का अहसास भी नहीं हुआ? हमने इन लोकतांत्रिक संस्थाओं के ढांचे को कमजोर किया और सरोकारों वाले स्वप्नदर्शी नेतृत्व को हाशिये पर पहुंचा दिया। आज ईमानदार, योग्य और साधनहीन नेताओं की हमारे तंत्र में कोई संभावना नहीं है इसलिए मजबूत जनाधार वाले नेता धीरे-धीरे समाप्त होते गए और राजनीतिक दल चुनाव आते ही सार्वजनिक रूप से कहने लगे कि वे केवल जीतने वाले उम्मीदवारों को ही टिकट देंगे।

# सुकमा में नक्सलियों के लगाए आईईडी ब्लास्ट में युवक घायल, जवानों के लिए किया था बम प्लांट

**सुकमा।** सुकमा में नक्सलियों के लगाए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से एक युवक घायल हो गया। डब्बामर्का से छोटे केड़वाल जाने वाले मार्ग पर आईईडी ब्लास्ट होने से युवक घायल हो गया है। घायल युवक को इलाज के लिए सुरक्षाबलों के कैंप लाया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है।

मंगलवार को छत्तीसगढ़ में पहले चरण के चुनाव के दौरान भी नक्सलियों ने सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर में कई नक्सली वारदातें की। सिर्फ सुकमा में ही नक्सलियों ने तीन घटनाओं को अंजाम दिया। जिसमें चार जवान घायल हो गए। घायलों को एयरलिफ्ट की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। कांकेर और नारायणपुर में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षाबलों ने दावा किया कि कई नक्सली इस मुठभेड़ में घायल हुए हैं। वहीं बीजापुर में भी चुनाव के लिए सुरक्षा में लगे जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ के बाद बीजापुर पुलिस ने एक वीडियो भी जारी किया। जिसमें काफी संख्या में नक्सली अपने मारे गए साथियों के शवों और घायल नक्सलियों को ले जाते दिखे। बुधवार को फिर से नक्सली वारदात में एक युवक घायल हो गया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 का बहिष्कार नक्सलियों ने किया है। इसे लेकर नक्सलियों ने जगह जगह बैनर पोस्टर भी लगाए और पर्चे भी जारी किए।

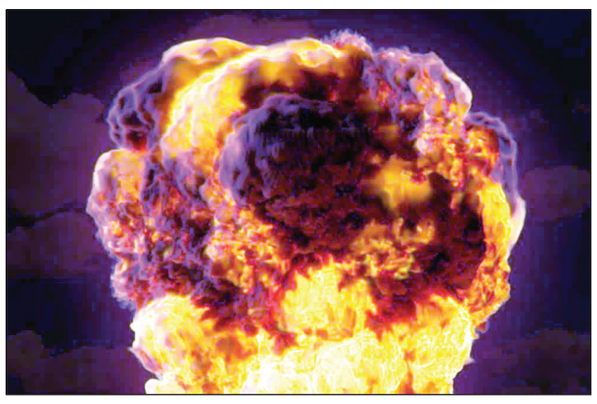

लेकिन नक्सलियों के चुनाव बहिष्कार का कुछ खास असर बस्तर संभाग में नहीं हुआ। वहां के लोगों ने बढ़चढ़ कर मतदान किया। हालांकि मतदान प्रतिशत साल 2018 के विधानसभा चुनाव से कम रहा लेकिन लोकतंत्र के त्योहार में ज्यादा से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया।

### ड्रोन कैमरों में कैद हुए माओवादी, साथियों के शवों को कंधे पर लादकर ले जाते दिखे

**बीजापुर।** पुलिस ने माओवादियों का एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में मुठभेड़ के बाद नक्सली अपने मारे गए साथियों के शव ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। खुद बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने वीडियो की पुष्टि करते हुए कहा कि पदेड़ा के जंगलों में हुई मुठभेड़ में माओवादियों को भारी नुकसान हुआ है। एसपी के मुताबिक मुठभेड़ में 2 से 3 माओवादी मारे गए जबकि कई नक्सलियों के जख्मी होने की खबर है।

बीजापुर मुठभेड़ के बाद माओवादियों के जंगल की ओर लौटने का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो की पुष्टि खुद एसपी ने की है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को मतदान के दौरान सर्चिंग पर निकले जवानों से माओवादियों की मुठभेड़ हुई थी। मुठभेड़ में जवानों की जवाबी कार्रवाई में 2 से 3 नक्सली मारे गए थे, जबकि कई नक्सलियों को गोली भी लगी थी। माओवादी मुठभेड़ के बाद अपने मृत साथियों को शवों और घायलों को ले जाते ड्रोन कैमरों से ली गई तस्वीरों में कैद हुए हैं।

मुठभेड़ में अक्सर जब माओवादी मारे जाते हैं तो उनके साथ शवों को अपने साथ ले जाते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। मुठभेड़ में मारे गए साथियों के शवों को कंधे पर लादकर नक्सली अपने कैंपों की ओर जाते दिखे। चुनाव के दौरान जवानों ने सुरक्षा के लिहाज से ड्रोन कैमरों से निगरानी शुरु की थी। घटना के बाद पुलिस उन्ही ड्रोन कैमरों में माओवादियों की ये तस्वीरें कैद हुई।

# मुंडागढ़ के ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं के लिए किया मतदान

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ के 20 विधानसभा सीटों पर मंगलवार को पहले चरण का मतदान सपन्न हुआ है। इस बार छत्तीसगढ़ में कई अंदरूनी क्षेत्रों के वोटर वोटिंग के लिए पोलिंग बूथ पहुंचे। इस बीच बस्तर के अंतिम छोर पर बसे कोलेंग, चांदामेटा, मुण्डागढ़, छिंदगुर, काचीररास इलाके के ग्रामीणों ने मतदान किया। कई मतदाता ऐसे थे, जिन्होंने पहली बार वोट डाला है। अधिकतर लोगों ने मूलभूत सुविधाओं को लेकर वोट डाला है।

बताया जा रहा है कि नक्सल प्रभावित इलाका होने के कारण या फिर पोलिंग बूथ दूर होने के कारण कई मतदाता वोट डाल भी नहीं पाते हैं। इस कारण इस बार चुनाव आयोग ने पोलिंग बूथों की संख्या बढ़ाने के साथ ही वोटरों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान की। ताकि वोटर लोकतंत्र के महापर्व का हिस्सा बन सकें।

एक युवा मतदाता ने बताया कि, मैं पहली बार मतदान केंद्र पहुंचा हूं। वोट को लेकर काफी उत्साहित हूं। अपने काम को छोड़कर मतदान केंद्र पहुंचा हूं। ताकि अपने लिए सही विधायक और सरकार चुन सकूं। वहीं एक अन्य वोटर ने कहा कि, हमारे गांव में मूलभूत सुविधाओं का आभाव है। बिजली, पानी, सड़क की समस्या से हम जूझ रहे हैं। यह क्षेत्र पिछड़ा हुआ न कहलाए। इसलिए हम ऐसे नेता के लिए वोट देने आए हैं, जो हमारी समस्याओं का समाधान करे। इस दौरान बुजुर्ग मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। 80 प्लस मतदाता भी मुंडागढ़ के मतदान केंद्र में पहुंचे हुए थे।

दरअसल छत्तीसगढ़ और ओडिशा के सीमावर्ती इलाके पर बसा दरभा विकासखंड का चांदामेटा, मुण्डागढ़, कोलेंग, छिंदगुर, काचीररास गांव संवेदनशील क्षेत्र में पड़ता है। नक्सलियों की मौजूदगी इन इलाको में हमेशा बनी रहती है। चांदामेटा गांव में नक्सलियों का ट्रेनिंग कैम्प भी हुआ करता था, जहां वे अपने लाल लड़ाकों को ट्रेनिंग दिया करते थे। नक्सलियों का ट्रेनिंग ग्राउंड चांदामेटा गांव में आज भी मौजूद है। साथ ही नक्सलियों का ध्वस्त स्मारक भी यहां है। इस इलाके में नक्सली अपनी दशहत फैलाने के लिए कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। कई स्थानीय जनप्रतिधिनिधियों की हत्या भी यहां हो चुकी है। हालांकि मौजूदा समय में यहां की तस्वीर बदल चुकी है। यही कारण है कि यहां के वोटर बढ़ चढ़ कर वोटिंग करते नजर आए।

# याचिकाकर्ता शिक्षकों को पुराने पदस्थ स्कूलों में ज्वाइन करने की छूट : हाईकोर्ट

**बिलासपुर।** सहायक शिक्षकों की शिक्षक के पद पर पदोन्नति और शिक्षक से प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति के मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। याचिकाकर्ता शिक्षकों को पुराने पदस्थ स्कूलों में ज्वाइन करने की छूट दी गई है। शिक्षकों को 15 दिनों के भीतर स्कूल शिक्षा विभाग में अपना अभ्यावेदन जमा करना होगा। इसमें याचिकाकर्ता को यह छूट होगी कि उसने संशोधन के लिए जो प्रमुख आधार बताएं हैं उसे संबंधित या अन्य दस्तावेज भी अभ्यावेदन के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उनके अभ्यावेदन के आधार पर सरकार द्वारा बनाई गई 7 सदस्यीय कमेटी 45 दिनों के भीतर मामले का निराकरण करेगी। वेतन का भुगतान भी संबंधित स्कूल से ही होगा।

शिक्षकों की याचिका पर जस्टिस अरविंद सिंह चंदेल के सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। जस्टिस श्री चंदेल ने अपने फैसले में कहा है कि याचिकाकर्ता शिक्षकों को समिति के समक्ष 15 दिनों के भीतर आवेदन पेश करना होगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता शिक्षकों को यह भी छूट दी है कि समिति के समक्ष अपने आवेदन के

समर्थन में कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता होगी। समिति प्रत्येक याचिकाकर्ता के मामले का निर्णय करेगी और उनके नए पदस्थापन आदेश समिति या सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किये जाएंगे। निर्णय लेते समय समिति या सक्षम प्राधिकारी याचिकाकर्ताओं के मामले और उनके नए पोस्टिंग आदेश जारी करने के लिए, राज्य की स्थानांतरण नीति 22 अगस्त 2022 के और 29 मार्च 2023 को जारी निर्देशों पर भी विचार करेगी।

हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कहा है कि एक समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें अध्यक्ष के रूप में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, एक सदस्य के रूप में लोक शिक्षण निदेशक और सदस्य के रूप में संबंधित पांच प्रभागों के सभी संयुक्त निदेशक शामिल होंगे। कोर्ट ने कहा है कि याचिकाकर्ताओं को पहले ही एक पक्षीय रूप से जो कार्यमुक्त कर दिया गया है और उनके स्थान पर कोई भी शामिल नहीं हुआ है और, इसलिए, छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए, न्याय के हित में यह फैसला दिया जाता है कि सभी याचिकाकर्ताओं को उनके पिछले पोस्टिंग स्थान पर शामिल होने की अनुमति दी जाए ताकि उनके वेतन के मुद्दे का समाधान किया जा सके।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में तकरीबन 2300 शिक्षकों ने अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से अलग-अलग याचिका दायर कर राज्य शासन द्वारा चार सितंबर 2023 को पारित आदेश को चुनौती दी है, जिसके तहत संबंधित संभागीय संयुक्त निदेशकों द्वारा जारी याचिकाकर्ताओं के संशोधित पोस्टिंग आदेश रद्द कर दिए गए हैं। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता सतीष चन्द्र वर्मा एवं उप महाधिवक्ता संदीप दुबे द्वारा बताया गया कि सभी याचिकाकर्ता जो 1900 के करीब है और 4 सितंबर के आदेश से कार्यमुक्त हो चुके थे, उनके वेतन भुगतान के लिए पूर्व पोस्टिंग स्थान पर ज्वाइन करना होगा। इसके बाद राज्य सरकार उनके वेतन भुगतान की व्यवस्था करेगी।

# विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के वादों पर राजनीति

■ **भाजपा बोली पार्षद चुनाव जैसे हो रहा प्रचार**

**मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर।** मनेंद्रगढ़ विधानसभा में दूसरे चरण में मतदान होना है ऐसे में कांग्रेस और बीजेपी के साथ दूसरे दल के नेता चुनाव मैदान में जोर शोर से प्रचार कर रहे हैं।इसी कड़ी में कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह के प्रचार प्रसार को लेकर विरोधी निशाना साध रहे हैं। रमेश सिंह के प्रचार में विधानसभा में नाली की साफ सफाई से लेकर सड़क निर्माण तक के वादे किए जा रहे हैं। विरोधियों की माने तो जो काम निगम का होता है वो सारे काम विधायक प्रत्याशी जीतने के बाद करेंगे ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनेंद्रगढ़ में किस तरह से विकास होगा।

रमेश सिंह के चुनाव प्रचार को लेकर बीजेपी प्रत्याशी श्याम बिहारी जायसवाल ने निशाना साधा है।श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि विधायक प्रत्याशी को जनता के बीच जाकर उनसे अपनी बात कहनी चाहिए।लेकिन विधायक प्रत्याशी एक पार्षद की तरह वादे कर रहे हैं। शायद उनकी सोच नाली और साफ सफाई तक ही सीमित रह गई है।

वहीं इस मामले में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि सारे मुद्दे एक समान होते हैं चाहे नाली की साफ सफाई हो या फिर नाली निर्माण हो विधायक हर काम को करता है करवाता है इसमें कोई गलत नहीं है।

कोई कुछ भी कहे लेकिन मनेंद्रगढ़ विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह के प्रचार वाहन पर जिस तरह के वादे जनता से किए जा रहे हैं,वो कहीं ना कहीं विधानसभा और नगरीय निकाय चुनाव के स्तर को दिखाता है।क्योंकि कहीं ना कहीं जनता को ये समझ में आने लगा है कि वो कौन से प्रत्याशी को चुनने जा रहे हैं।क्योंकि विधायक प्रत्याशी को ये सारी बातें पता होनी चाहिए कि विधानसभा में कौन से काम ज्यादा महत्वपूर्ण है,ना की शहर में।

## चुनाव करवाकर लौट रहे 3 मतदान कर्मियों की सड़क हादसे में मौत

**कोंडागांव।** मंगलवार को छत्तीसगढ़ की 20 सीटों पर कई नक्सली घटनाओं के बीच मतदान हुआ। देर शाम तक चुनाव का काम संपन्न हुआ। कोंडागांव में वोटिंग पूरा कर ईवीएम के साथ लौट रहे मतदानकर्मियों का एक दल सड़क हादसे का शिकार हो गया। इस सड़क हादसे में दो मतदानकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सीएम भूपेश बघेल ने सड़क हादसे में मतदानकर्मियों की मौत पर दुख जताया हैं। मिली जानकारी के अनुसार पहले चरण का मतदान कराने की जिम्मेदारी शिक्षकों को दी गई थी। शिक्षक शांतिपूर्ण तरीके से मतदान की प्रक्रिया को संपन्न करने के बाद वापस कोंडागांव जिला मुख्यालय के लिए लौट रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में बहिगांव नाम के एक गांव के पास सुबह 4.130 बजे कर्मचारियों की गाड़ी और ट्रक में जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में दो मतदानकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। एक मतदान कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया। किसी तरह पुलिस और दूसरे लोगों को हादसे की जानकारी दी गई। मौके पर पुलिस पहुंची। गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद मृतक कई घंटे तक गाड़ी में ही फंसे रहे। जिन्हें कई घंटों की मशक्कत के बाद गाड़ी से बाहर निकाला गया। मृत मतदानकर्मी शिव नेताम बेड़मा के शिक्षक थे। संतराम नेताम धनोरा के शिक्षक बताए जा रहे हैं। एक अन्य टीचर का नाम हरेन्द उइके है, जिसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। केशकाल पुलिस जांच कर रही है।

## छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

### अभ्यर्थियों के व्यय निरीक्षण एवं पंजी की जांच के लिए अलग अलग तिथि निर्धारित

**बेमेतरा।** व्यय प्रेक्षक श्री ब्रजेश कुमार सिंह ने विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय/निर्वाचन व्यय पंजी की जाँच एवं निरिक्षण हेतु तीनो विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थीयों के व्यय निरिक्षण के लिए अलग अलग तिथि निर्धारित की हैं। इसी क्रम में साजा विधानसभा क्षेत्र 68 के अभ्यर्थीयों के व्यय निरिक्षण के लिए 10 एवं 14 नवंबर, बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थीयों के लिए 10 एवं 14 नवंबर तथा नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के अभ्यर्थीयों के लिए 11 एवं 15 नवंबर की तिथि निर्धारित की गई हैं । तीनो वि.स. क्षेत्र के संबंधित अभ्यर्थी कार्यालय जिला पंचायत बेमेतरा के कक्ष क्रमांक 03 में निर्धारित तिथि पर प्रातः 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक कार्यालयीन समय उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। ज्ञात हों कि व्यय पंजी जांच एवं व्यय निरीक्षण निर्वाचन नियमों के अनुरूप व्यय लेखों का संधारण किया जायेगा। हर एक प्रत्याशी निर्वाचन गतिविधि अथवा प्रचार-प्रसार से जुड़े सभी व्यय का लेखा-जोखा अनिवार्य रूप से संधारित करेंगे।

### बूथों में मतदान कराकर सुरक्षित लौटी पोलिंग टीम

**राजनांदगांव।** राजनांदगांव सहित मोहला-मानपुर व खैरागढ़ जिले के सभी 6 सीटों पर मंगलवार को शांतिपूर्ण मतदान हुआ। कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। नक्सलियों ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी थी। इसके चलते चप्पे-चप्पे पर फोर्स की तैनाती थी। सभी पोलिंग टीम मतदान कराकर सुरक्षित जिला मुख्यालय पहुंच गए हैं। नक्सल प्रभावित मोहला-मानपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। यहां पर पैरामिलिट्री फोर्स की 50 कंपनी जिसमें लगभग 5 हजार जवानों की तैनाती की गई थी। वहीं जिला पुलिस बल के 250 जवानों को भी तैनात किया गया था। इसके अलावा अतिसंवेदनसील मतदान केन्द्रों में ड्रोन कैमरे और सेटेलाइट फोन से भी निगरानी की जा रही थी। पैरामिलिट्री फोर्स की चप्पे-चप्पे पर तैनाती से कहीं पर से भी किसी भी अप्रिय घटना की जानकारी सामने नहीं आई है। मोहला-मानपुर में मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बसे से दोपहर 3 बजे तक चली। पोलिंग पार्टियां शाम 5 बजे से जिला मुख्यालय के लिए रवाना होना शुरू हो गई थी।

### भिलाई से संदिग्ध आतंकवादी वजीहुद्दीन गिरफ्तार

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ के दुर्ग में उत्तर प्रदेश की एटीएस की बड़ी कार्रवाई हुई है। यहां के भिलाई से एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया है। शहर के स्मृति नगर से यूपी पुलिस की एटीएस ने कार्रवाई करते हुए आतंकी वजीहुद्दीन को अरेस्ट करने में सफलता हासिल की है। संदिग्ध आतंकी वजीहुद्दीन स्मृति नगर के एसबीआई कॉलोनी में गुपचुप तरीके से रह रहा था। दुर्ग में यूपी एटीएस ने यह कार्रवाई सात नवंबर को की है। यूपी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वजीहुद्दीन एएमयू का छात्र है। वह अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहा है। आतंकवादी बीते तीन महीने से दुर्ग में रह रहा था। वजीहुद्दीन को ट्रांजिड रिमांड पर लिया गया। यूपी एटीएस की टीम ने संदिग्ध आतंकी वजीहुद्दीन को ट्रांजिट रिमांड पर लिया है। उसके बाद उसे दुर्ग से लखनऊ लेकर यूपी एटीएस गई है। वजीहुद्दीन आस पास के लोगों से किसी तरह का संपर्क नहीं रखता था और न ही वो किसी से बातचीत करता था। इसलिए उसके बारे में कोई कुछ भी नहीं बता पा रहा है।

### नक्सली हमले में घायल जवान की इलाज के दौरान हुई मौत

**कांकेर।** रेंगावाही धान मंडी के पास आईईडी विस्फोट में घायल बीएसएफ जवान प्रकाशचंद्र शील की राजधानी रायपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई है। कांकेर एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि छोटेबेठिया थानांतर्गत रेंगावाही धान मंडी के पास 6 नवंबर को अज्ञात नक्सलियों ने पोलिंग पार्टी को जान से मारने की नीयत से आईईडी विस्फोट किया था। आइईडी की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उल्लेखनिय है कि सोमवार को बीएसएफ व जिला बल की संयुक्त पार्टी मतदानकर्मियों को लेकर कैम्प मरबेड़ा से रेंगाघाटी रेंगागोंदी मतदान केंद्र जा रही थी। रेंगावही धान खरीदी केंद्र के पास पहले से आइईडी प्लांट किए नक्सलियों ने मतदान कर्मियों के आते ही आईईडी विस्फोट कर दिया था। घटना में बीएसएफ के आरक्षक चंद्रप्रकाश सेवल व दो मतदान कर्मी घायल हो गए थे। एंबुलेंस के जरिए घायल जवान को छोटेबेठिया अस्पताल लाया गया था, जहां प्राथमिक उपचार बाद रायपुर रेफर किया गया था।

### शराब पीकर आने वाले 3 मतदान कर्मी निलंबित

**कोंडागांव।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक सोनी ने कार्य में मद्यपान कर उपस्थित होने वाले तीन मतदान कर्मियों को निलंबित कर दिया है। विधानसभा चुनाव के तहत मतदान कर्मी के रूप में दायित्वों के निर्वहन के लिए मतदान केंद्र के लिए रवानगी के दौरान प्रधान अध्यापक नारायण सिंह मंडावी, प्रधान पाठक देवेन्द्र कुमार नेताम व सहायक शिक्षक चरणनसिंह मरकाम मद्यपान कर उपस्थित थे। मतदान कर्मिकों की इस अनुशासनहीनता और निर्वाचन कार्य के प्रति उदासीनता दिखाए जाने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम के उलंघन के फलस्वरूप उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम, 1966 की धारा 9 (1) (क) के अंतर्गत दण्डनीय पाते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई।

# रामानुजगंज के लिए रामविचार नेताम ने जारी किया अपना घोषणा पत्र

**बलरामपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। भाजपा ने प्रदेश स्तर पर घोषणापत्र जारी किया है इसके बावजूद विधानसभा स्तर पर रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए बीजेपी प्रत्याशी रामविचार नेताम ने अलग से एक घोषणापत्र जारी किया है। बीजेपी प्रत्याशी नेताम ने स्थानीय मुद्दों के संबंध में लोगों से सुझाव लेकर यह घोषणा पत्र जारी किया है।

छत्तीसगढ़ की हाई प्रोफाइल और हमेशा सुर्खियों में रहने वाले रामानुजगंज विधानसभा सीट के लिए बीजेपी-कांग्रेस दोनों पार्टियों अपना जोर लगा रही हैं। बीजेपी अपने प्रत्याशी को पुराना और भरोसमंद बताते हुए कांग्रेस प्रत्याशी को पैराशूट बताकर जनता को अपने ओर खींचने की कोशिश कर रही है। बीजेपी उम्मीदवार रामविचार नेताम ने रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग से घोषणा पत्र जारी किया है जिसमें किसानों, छात्रों, खिलाड़ियों, हाथी प्रभावित ग्रामीण और स्थानीय लोगों के लिए 50 से

ज्यादा घोषणाएं की है। नेताम ने घोषणा पत्र जारी करते हुए कहा कि अगर वह आगामी विधानसभा चुनाव में रामानुजगंज से जीतकर विधायक बनते हैं तो इन घोषणाओं को लागू करेंगे।

### रामानुजगंज विधानसभा के लिए रामविचार नेताम के घोषणा पत्र के प्रमुख बिंदु

नगर पालिका बलरामपुर और नगर पंचायत रामानुजगंज में इनडोर स्टेडियम और ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जाएगा।

डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना किया जाएगा।

किसानों को लाभ दिलाने के लिए क्षेत्र में मक्का प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना किया जाएगा।

बलरामपुर रामानुजगंज में शासकीय नर्सिंग कॉलेज, बीएड कॉलेज के साथ ही लॉ कॉलेज की स्थापना किया जाएगा।

रामानुजगंज की जीवनदायिनी कन्हर नदी के सभी घाटों का पुनरुद्धार कराया जाएगा।

हाथी विचरण के कारण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को लगातार होने वाले जान-माल की हानि, मकान और फसलों के नुकसान को रोकने स्थाई समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

रामानुजगंज वन वाटिका में विशाल पार्टी हॉल, रिसॉर्ट कैंटीन बोटिंग और वाटर गेम की व्यवस्था किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग 343 निर्माण में आने वाले सभी समस्याओं को दूर कर अंबिकापुर से रामानुजगंज तक सड़क का जल्द निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

भारतीय रेलवे का टिकट काउंटर बलरामपुर रामानुजगंज में शुरू कराया जाएगा।

स्थानीय लोक कलाकारों को उचित मंच मिलेगा

छत्तीसगढ़ की हाई प्रोफाइल रामानुजगंज विधानसभा सीट पर भाजपा ने पूर्व गृहमंत्री रामविचार नेताम को टिकट देकर अपना उम्मीदवार बनाया है। जबकि कांग्रेस ने अपने सीटिंग विधायक बृहस्पति सिंह का टिकट काटकर अंबिकापुर के महापौर अजय तिर्की पर भरोसा जताया है। यह सीट अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित है। यहां बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है।

## पूर्व विधायक योगेश्वर राज को कांग्रेस ने किया छह साल के लिए निष्कासित

**कबीरधाम।** कांग्रेस के पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह को छह साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया है। मंगलवार को मतदान के बाद देर रात प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आदेश जारी किया है। दरअसल, विधानसभा चुनाव में कवर्धा के कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण कवर्धा के पूर्व विधायक योगेश्वर राज सिंह उर्फ योगीराज को कोंग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के आदेशानुसार ये कार्रवाई की गई हैं। योगेश्वर राज सिंह ने कवर्धा सीट पर चुनाव में आप पार्टी के प्रत्याशी खड्ग राज सिंह का खुलेआम प्रचार किया था। यहां पर कांग्रेस से मंत्री मोहम्मद अकबर प्रत्याशी है। गौरतलब है कि आदिवासी समाज से ताल्लुक रखने वाले सहसपुर लोहारा रियासत के राजा खड्गराज सिंह आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। उनकी आदिवासी समाज में अच्छी खासी पकड़ है। वे पूर्व में नगर पंचायत सहसपुर लोहारा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। हालांकि, तब वे भाजपा में थे। इसके अलावा कवर्धा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक रह चुके योगेश्वर राज सिंह भी आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी खड्गराज सिंह का समर्थन कर रहे थे। चार अक्टूबर को कवर्धा में अरविंद केजरीवाल व भगवत मान की रैली में भी योगेश्वर राज सिंह दिखाई दिए थे।

## संक्षिप्त समाचार

### पहले चरण के वोटिंग के बाद सीएम भूपेश ने जताया आभार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में पहले चरण की चुनाव पूरा हो चुका है। प्रदेश में 70.87% वोटिंग हुई है। फर्स्ट टाइम वोटर्स में काफी उमंग और उत्साह देखने को मिला है। नक्सल प्रभावित इलाका होने पर भी मतदाता मतदान के लिए पोलिंग बूथ पहुंच रहे थे। पहले चरण की चुनाव पूरा होने के बाद सीएम भूपेश बघेल ने एक ट्वीट लिखा है। उन्होंने सभी मतदाताओं को शुक्रिया अदा किया है। सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर लिखा कि मेरे पास आज शब्द नहीं हैं, आपका धन्यवाद कहने के लिए। प्रदेश भर से पहले चरण के मतदान के बाद जो सूचनाएं आ रही हैं, जनता का जो उत्साह दिख रहा है, वो अद्भुत है। आपने इस बार वो कसर भी पूरी कर दी है, जो 2018 में थोड़ी सी रह गई थी। उन्होंने लिखा कि आप सब मतदाताओं को प्रणाम करता हूं। इस दौरान बीजेपी पर तंज कसते हुए लिखा कि षड्यंत्र धरे रह गए, भरोसा फिर जीत गया।

### कांग्रेस ने मंत्रियों व विधायकों को दिया दूसरे चरण के लिए जिम्मेदारी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में दो चरणों में चुनाव हो रहा है जिसका पहला चरण मंगलवार को संपन्न हुआ और कांग्रेस ने पहले चरण के चुनाव से निवृत्त हुए मंत्रियों, विधायकों और अन्य पदाधिकारियों को दूसरे चरण के विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दे दी है। पार्टी ने जिला समन्वयक के साथ विधानसभा पर्यवेक्षक के रूप में उनकी नियुक्त की है। सभी अपने-अपने क्षेत्र में जाकर स्थानीय प्रत्याशी और कांग्रेस पदाधिकारियों से समन्वय कर प्रचार-प्रसार और चुनाव अभियान का संचालन करेंगे। **जिला समन्वयक**- दुर्ग - मोहम्मद अकबर, जशपुर एवं रायगढ़-कवासी लखमा, महासमुंद-मोहन मरकाम, बालोद-संतराम नेताम, धमतरी-लखेश्वर बघेल, गरियाबंद- विक्रम मंडावी, बलौदाबाजार- गिरीश देवांगन। **विधानसभा पर्यवेक्षक**- रायपुर दक्षिण-रेखचंद जैन, वैशाली नगर-दलेश्वर साहू व अवधेश गौतम, डौण्डीलोहारा-राजमन बेंजाम, सिहावा-शंकर ध्रुवा, भरतपुर सोनहट-वेदान्ती तिवारी, मनेन्द्रगढ़-योगेश शुक्ला, बैकुंठपुर-राजकुमार केशरवानी, भाटापारा-सुनील कुकरेजा।

### अमित शाह आज पांच विधानसभा में करेंगे चुनाव प्रचार

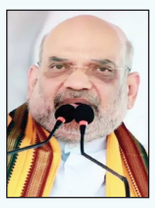

**रायपुर।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार को जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, रायगढ़ और चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान शाह दो विधानसभाओं में सभा लेंगे तथा 3 विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो करेंगे। 15 नवंबर को भी अमित शाह का दौरा संभावित है, वहीं 13 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महासमुन्द में सभा लेंगे।

### धर्म के आधार पर नहीं सबको साथ लेकर चलती है कांग्रेस : प्रियंका गांधी

**रायपुर।** धमतरी जिले के कुरूद विधानसभा के अटल बिहारी स्टेडियम में पहुंचीं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने जिले की तीनों विधानसभा कुरूद, सिहावा और धमतरी के प्रत्याशियों के पक्ष में वोट करने की अपील की। आमसभा में कांग्रेस की छत्तीसगढ़ प्रभारी भी उपस्थित रहीं। प्रियंका गांधी ने अपने भाषण में सर्वप्रथम कांग्रेस के घोषणा पत्र के बारे में बताया। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार को जमकर कोसा और कहा कि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है। प्रदेश में किसानों से जिस मूल्यों में धान खरीदी जा रही है उतना अन्य किसी प्रदेश में नही खरीदी जा रही। मोदी जी कहते है कि धान खरीदी का पैसा वो दे रहे हैं ये गलत है। उत्तरप्रदेश में जहा भाजपा की सरकार है वहां आज भी 1200 -1400 रुपये में धान खरीदी जा रहा है। ये जो धान खरीदी के पैसे मिल रहे हैं वो केंद सरकार नही प्रदेश सरकार दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस किसी धर्म जाति के आधार पार चुनाव नही लड़ती। कांग्रेस की विचारधारा सबको साथ लेकर चलने की है। धर्म को लेकर दंगा फसाद होने से किसी भी नेता को नुकसान नही होता है। नुकसान होता है तो बस आम लोगो को, किसानों को। नेता को कुछ नही होता।

# लोकतंत्र को मिला बुजुर्गों का आशीर्वाद

## 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गो ने की होम वोटिंग

**रायपुर।** चाहे किसी की उम्र 90-95 वर्ष की हो या कोई बिस्तर में हो किसी को चलने या अन्य किसी प्रकार की तकलीफ हो परन्तु उनमें लोकतंत्र की इस पर्व में हिस्सा लेने का जज्बा कायम है और और उन्होंने आज पूरे उत्साह के साथ अपना मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन आयोग द्वारा इस विधानसभा चुनाव में 80 वर्ष से अधिक एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा दी है। मतदान दल द्वारा उनके घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतपेटी में मतदान कराया गया। दक्षिण विधानसभा के अमीन पारा में मतदान दल 83 वर्षीय श्रीमती सवित्री बाई शुक्ला के घर पहुंचा। दल द्वारा श्रीमती शुक्ला और उनके परिजनों को मतदान की प्रक्रिया समझाई गई और उसके पश्चात सभी औपचारिकताएं पूर्ण की गई। श्रीमती शुक्ला ने पोस्टल वैलेट में अपने मनपसंद अभ्यर्थी को वोट किया, और उसे मतपत्र को मतपेटी में डाला। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक डॉ. जी. लक्ष्मीशा उपस्थित थे। उन्होंने पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया। श्रीमती शुक्ला और उसके परिजनों ने निर्वाचन आयोग को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार श्री अमन चतुर्वेदी उपस्थित थे। दक्षिण विधानसभा में ही गोल बाजार में बुजुर्ग मतदाता श्रीमती कमला साहू से भी उनके घर जाकर मतदान कराया गया। इस अवसर पर सहायक भू-अभिलेख अधिकारी श्रीमती वर्षा चन्द्रवंशी उपस्थित थी। उत्तर विधानसभा में श्रीमती रचना देवी आकुंडी, श्रीमती मुक्ता बेन रुपरेल, श्रीमती ईश्वरी गोदवानी के यहा भी प्रेक्षक श्रीमती आर. विमला और रिटर्निंग आफिसर श्री बी.बी.पंचभाई के साथ मतदान दल पहुंचा। इन मतदाताओं की उम्र 90 से अधिक थी और चलने-फिरने में भी तकलीफ है। उनके घर जाकर मतदान दल द्वारा मतदान की प्रक्रिया कराई गई। पश्चिम विधानसभा में आज सुबह विवेकानंद आश्रम के पास मंगल बाजार में रहने वाले 93 वर्षीय श्रीमती दुकाला अग्रवाल के घर मतदान दल की टीम पहुंची तो उनके परिजनों ने स्वागत किया। बीएलओ सहित दल के सदस्यों ने श्रीमती शुक्ला से जाकर मुलाकात की। फिर उन्हें मतदान प्रक्रिया के बारे में बताते हुए उनसे मतदान कराया। श्रीमती शुक्ला ने कहा कि विवाह के बाद से मैं हमेशा वोट देती आयी हूँ। मगर मेरी उम्र अधिक हो जाने के कारण चलने फिरने में काफी तकलीफ है। मतदान केंद्र जाने में दिक्कत हो रही थी। आज निर्वाचन आयोग द्वारा घर पर ही वोट देने की सुविधा काफी अच्छी पहल है। उनके परिजनों ने भी निर्वाचन आयोग को भी धन्यवाद दिया। पश्चिम विधानसभा के कृष्णा नगर डगनिया निवासी 94 वर्षीय मतदाता श्रीमती शांति देवी शुक्ला अधिक उम्र और बीमार होने के कारण बिस्तर से उठने में भी काफी समस्या होती है। उनके आग्रह पर आज मतदान दल उनके घर पहुंचा और एक सहायक की मदद से मतदान करावाया गया। इस मौके पर नायब तहसीलदार श्री घनश्याम जंघेल उपस्थित थे। ग्रामीण विधानसभा में महावीर नगर में 95 वर्षीय श्री खानचंद जादवानी के घर मतदान दल पहुंचे तो उनके परिजनों ने दल का स्वागत किया और बताया कि वे आज तक कभी मतदान देने से नहीं चुके है। अब चलने-फिरने और यहा तक बात करने की भी तकलीफ होने के कारण वे मतदान केंद्र तक जाने में असमर्थ थे। आज आयोग की इस सुविधा से वे अपना मतदान कर पाए है। श्री जादवानी से सारी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद मतदान कराया गया। इसी विधानसभा के 91 वर्षीय श्री सनद चक्रवर्ती से भी बसंत विहार स्थित उनके निवास में जाकर मतदान कराया गया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार श्री प्रवीण परमार उपस्थित थे।

## नक्सलियों से मुठभेड़ में घायल जवानों से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले और भारत निर्वाचन आयोग के विशेष सामान्य प्रेक्षक धर्मेन्द्र एस. गंगवार, विशेष पुलिस प्रेक्षक अनिल कुमार शर्मा, विशेष व्यय प्रेक्षक राजेश टूटेजा और सीएपीएफ के नोडल अधिकारी महानिरीक्षक साकेत कुमार ने आज रायपुर के रामकृष्ण केयर अस्पताल और नारायणा अस्पताल पहुंचकर नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में घायल सुरक्षा बलों के जवानों से मुलाकात की.

उन्होंने इस दौरान जवानों के स्वास्थ्य में सुधार के बारे में जानकारी ली. संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी निलेश महादेव क्षीरसागर भी मुलाकात के समय मौजूद थे.सुकमा और बीजापुर जिले में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में घायल सुरक्षा बलों के दो जवानों का रामकृष्ण केयर अस्पताल में और चार जवानों का नारायणा अस्पताल में इलाज चल रहा है. इन जवानों को 7 नवम्बर को जगदलपुर से एयर एम्बुलेंस द्वारा रायपुर लाकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

### कांग्रेस के पूर्व विधायक अरुण तिवारी ने जारी किया ऑडियो

# कांग्रेस के टिकट वितरण में करोड़ों रुपये के लेनदेन की बात

**बिलासपुर।** कांग्रेस के पूर्व विधायक अरुण तिवारी ने एक सनसनीखेज खुलासा किया है। पूर्व विधायक ने बिलासपुर महापौर रामशरण यादव का एक ऑडियो वायरल किया है। वायरल ऑडियो में टिकट वितरण में करोड़ों के लेनदेन की बात सामने आई है। बिलासपुर विधायक शैलेष पांडेय के संदर्भ में महापौर का सनसनीखेज ऑडियो सामने आया है। अरुण तिवारी ने प्रेसवार्ता कर पूरे मामले की खुलासा किया है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक अरुण तिवारी का सनसनीखेज खुलासा सामने आया है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए अरुण तिवारी ने उनके और बिलासपुर महापौर रामशरण यादव के बीच मोबाइल फोन पर हुई बातचीत के ऑडियो के हवाले से कहा कि कांग्रेस पार्टी में टिकट वितरण में करोड़ों का खेल हुआ है। अरुण तिवारी ने पत्रकारों के बीच ऑडियो जारी करते हुए बिलासपुर महापौर रामशरण यादव के पार्टी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सामने लाया है।

ऑडियो में स्पष्ट रूप से रामशरण यादव द्वारा टिकट को लेकर बड़ा लेनदेन का आरोप लगाया गया है। ऑडियो में बिलासपुर विधायक शैलेष पांडेय के कामकाज को लेकर भी टिप्पणी की गई है। अरुण तिवारी ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने इस बात की शिकायत बकायदा पार्टी फोरम में भी की है और कुमारी शैलजा से लेकर प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया, लेकिन उनकी बात को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया।

अरुण तिवारी ने बताया कि मीडिया के माध्यम से वो पार्टी की इन गतिविधियों को उजागर करना चाहते हैं ताकि ये बातें ऊपर तक जाएं और उनकी सुनवाई हो। जारी ऑडियो में टिकट ना मिलने से नाराज कांग्रेसी नेता रामशरण यादव ने रोष जाहिर करते हुए कहा है कि वो सबसे आगे थे लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। अरुण तिवारी ने मीडिया से कहा कि रामशरण फिलहाल डरे हुए हैं इसलिए वो खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं।

# छत्तीसगढ़ में बनेंगी भाजपा की सरकार पूरा करेंगे मोदी की गारंटी : रमन सिंह

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान पूरा हो चुका है। इसमें 20 सीटों पर मतदान हुआ है। इसे लेकर पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस ली। उन्होंने कहा कि पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है, जिसमें राजनांदगांव समेत 20 सीटों पर मतदान हुआ है। इस दौरान मैंने कई पोलिंग बूथों पर जा कर देखा। वहां लोगों में वोटिंग के लिए काफी उत्साह था। उन्होंने ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि लोगों में भाजपा के प्रति जितना विश्वास दिखाई दिया है उससे ज्यादा कांग्रेस के प्रति आक्रोश दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि इस बार राजनांदगांव में भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। नक्सलियों के पुरजोर विरोध के बाद भी बड़ी संख्या मतदान होना लोकतंत्र की विजय का प्रतीक है।

पूर्व सीएम रमन ने कांग्रेस पर आरोप लगते हुए कहा कि कांग्रेस के 5 सालों का भ्रष्टाचार जन-जन तक पहुंचेगा या नहीं, लेकिन इन 20 सीटों पर हुए मतदान ने स्पष्ट कर दिया है कि सुदूर अंचल के गांव-गांव तक कोयला घोटाला, शराब घोटाला, पीएससी घोटाला, चावल घोटाला को लेकर बहुत आक्रोश है। पूरे प्रदेश में इसके खिलाफ भारी मतदान हुआ है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस के 3 मंत्री और उनके प्रदेश अध्यक्ष भी इस चुनाव में अपनी सीट नहीं बचा पा रहे हैं और बुरी तरह चुनाव हार रहे हैं। दूसरे चरण के चुनाव में भी इसी तरह का उत्साह मतदाताओं में रहेगा। रमन सिंह ने दावा करते हुए कहा कि प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ बीजेपी की सरकार बनेगी। प्रदेश में सरकार बनते ही संकल्प पत्र के अनुसार मोदी की गारंटी को पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान डॉ. रमन अपनी सीट हार रहे हैं पर रमन ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भूपेश को डॉ. रमन की चिंता करने की जरूरत नहीं है। डॉ. रमन को प्रदेश की जनता ने 15 साल सेवा का अवसर दिया। इस बार फिर भाजपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव की जनता तो मेरा परिवार है। उनका हमेशा मुझे आशीर्वाद मिला है। उन्होंने सीएम भूपेश पर तंज कसते हुए कहा भूपेश बघेल को पाटन की चिंता करनी चाहिए। रमन सिंह ने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार की तो छत्तीसगढ़ से विदाई हो ही रही है, लेकिन पाटन में भी त्रिकोणीय मुकाबला हो गया है। उनको अपनी सीट बचाने में मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विजय बघेल ने जिस प्रकार भूपेश को हराया था वो हार उन्हें याद आ गई है।

# धिंगानी फायर वर्क्स के संचालक के ठिकानों पर ईडी

■ **सीएम भूपेश बघेल ने कहा- पहले चरण का एग्जिट पोल आ गया**

**दुर्ग/भिलाई।** छत्तीसगढ़ में एक बार फिर ईडी की रेड पड़ी है। दुर्ग के पदुमनगर स्थित धिंगानी फायर वर्क्स के संचालक सुरेश धिंगानी के घर ईडी के अफसर पहुंचे हैं। ईडी की 4 गाड़ियों में बड़ी संख्या में अधिकारी सुबह सुबह धिंगानी के घर पहुंचे। कुछ देर की पड़ताल और पूछताछ के बाद अफसर एक गाड़ी में कारोबारी के बेटे विवेक धिंगानी को लेकर रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि वे सभी वसुंधरानगर स्थित गोदाम गए हैं। भिलाई में ईडी की रेड पर सीएम भूपेश बघेल ने चुटकी ली है।

जानकारी मिली है कि भिलाई 3 में पुलिस पेट्रोल पंप के सामने स्थित दुकान और पदुम नगर स्थित घर पर कार्रवाई जारी है। इस परिवार का राजधानी के पंडरी रोड पर भी पटाखे की दुकान है। कुछ परिजन रायपुर में भी रहते हैं लेकिन अभी इनकी घेरेबंदी की कोई खबर नहीं हैं। धिंगानी के ठिकानों पर ईडी ने बीते महीने भर में दूसरी बार दबिश दी है।

दुर्ग में ईडी की रेड पर सीएम भूपेश ने ट्वीट कर कहा मुझे लगा था पहले चरण का एक्ज़िट पोल कुछ दिनों बाद पता चलेगा। लेकिन साहेब ने आज सुबह ही बता दिया, सुबह-सुबह ईडी को मेरे नामांकन के दौरान मेरे साथ उपस्थित और मेरी निर्वाचन प्रक्रिया में आधिकारिक व्यय लेखक की भूमिका निभा रहे सुरेश धिंगानी जी के यहां ईडी को भेज दिया है। पाटन विधानसभा की जनता को डराने की ये कोशिश को वैसी ही विफलता मिलेगी जैसी मंगलवार को 20 सीटों पर मतदान में भाजपा को मिली है।

वहीं आईटी की टीम ने भिलाई के लिंक रोड कैम्प-2 स्थित हुकुमचंद हिम्मतचंद थोक पटाखा स्टोर में छापा मारा है। सुबह लगभग सुबह 5 बजे से पटाखा व्यवसायी के घर, गोदाम और दुकानों पर ईडी जांच कर रही है। हुकुमचंद गहलोत जिले के बड़े पटाखा व्यवसायी हैं। दिवाली के पहले ही इनकी दुकानों में खरीददारों की लंबी कतार देखी जाती है।

मंगलवार को छत्तीसगढ़ में पहले चरण के चुनाव के दौरान बिलासपुर में आईटी ने छापा मारा था। बिलासपुर के सिरगिट्टी इंडस्ट्रियल एरिया के मेसर्स लीजेंड बॉटलिंग कंपनी में आईटी ने रेड डाली थी। कंपनी का मालिक मध्यप्रदेश का रहने वाला है। जिनका शराब से जुड़ा कारोबार है। आईटी की टीम ने कई घंटों तक कंपनी के दस्तावेजों की जांच पड़ताल की।

# व्यक्ति चाहे कितनी भी ऊंचाई पर चला जाए अपनों को याद रखना ही चाहिए : रामसुन्दर

**रायपुर।** किसी भी व्यक्ति का सम्मान यदि अपने घर में नहीं होता तो उसका सम्मान संसार में हो ही नहीं सकता! यह बातें रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में सत प्रतिशत सही साबित हो रही है, अग्रवाल समाज के द्वारा पुरानी बस्ती में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी लोगों ने एक स्वर से कहा कि -हम लोगों ने जिस व्यक्ति को 35 वर्षों तक अपना मत प्रदान करके बिजयी बनाया वह हमारे इस सांस्कृतिक विरासत को झांकने तक नहीं आया। चाहते तो वे मंत्री के पद पर रहते हुए गोपीनाथ मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, जैतुसाव मठ जैसे प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार करा सकते थे किंतु उन्होंने यहां के लिए कुछ भी नहीं किया! दाऊ महेंद्र अग्रवाल जी सहित अग्रवाल परिवार के सभी वरिष्ठ सदस्यों ने एक स्वर से कहा कि अबकी बार हमें पार्टी से ऊपर उठकर हमारे महन्त जी को बिजयी बनाना है। वे बहुत ही सरल, सौम्य एवं उदार व्यक्तित्व के धनी हैं। उनके नेतृत्व में दूधाधारी मठ, शिवरीनारायण मठ, राजीव लोचन मंदिर जैसे सभी स्थानों का विकास हुआ है। अब हमें हमारा घर का व्यक्ति कैबिनेट मंत्री के रूप में प्राप्त होगा। इस अवसर पर महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि- आज मुझे आप सभी के बीच में आकर बहुत ही अच्छा महसूस हो रहा है, मैं अपने परिवार के बीच में उपस्थित हुआ हूं और अपने मन की बातें आप लोगों के साथ साझा कर सकता हूं। मुझे आप सभी मिलकर सेवा का अवसर प्रदान करें, निश्चित रूप के आप लोगों के विश्वासों पर मैं खरा साबित होऊंगा। उल्लेखनीय है कि अग्रवाल समाज की बैठक पुरानी बस्ती में आयोजित की गई जिसमें समाज के सभी प्रबुद्धगढण उपस्थित थे। बड़े ही आशा एवं विश्वास के साथ उन्होंने जिसे उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाया था उसने ही अपने उन्नति के चरमोत्कर्ष काल में अपने इन परिजनों को याद नहीं किया। इसीलिए वे आज एक-एक करके चले जा रहे हैं, किसी शायर ने बिल्कुल सही लिखा है - वक्त इंसान पे ऐसा भी कभी आता है, राह में छोड़ के साया भी चला जाता है।। इसीलिए व्यक्ति चाहे कितनी भी ऊंचाई में चला जाए उन्हें अपनों को याद रखना ही चाहिए। कार्यक्रम में नगर निगम रायपुर के सभापति प्रमोद दुबे जी भी उपस्थित थे उन्होंने लोगों से अपील किया कि- कांग्रेस पार्टी ने एक बेहद अच्छी छवि वाले परम पूज्य महन्त जी महाराज को अपना प्रत्याशी बनाया है ऐसा अवसर बार-बार नहीं मिलता हम सब मिलकर उन्हें प्रचंड मतों से विजई बनाएंगे।

# आपका और मेरा रिश्ता तीन माह का नहीं है हमेशा का है : राहुल

■ **केंद्र में मोदी नहीं अदाणी चला रहे हैं सरकार**

**अंबिकापुर।** कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने ग्राम कतकालो के मिनी स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपका और मेरा रिश्ता तीन माह का नहीं है हमेशा का है मैं जो कहता हूं वह करता हूं। वो जो कहते हैं नहीं करते। आपके खाते में 15 लाख आया क्या..! इस दौरान जनता ने कहा नहीं..! राहुल ने कहा कि सरकार मोदी जी नहीं अदाणी चला रहे हैं। हम यहां सरकार आते ही जाति जनगणना शुरू कर देंगे। हमने घोषणा की है धान 3200 रुपये में धान खरीदेंगे और इसकी शुरुआत भी हो गई और धान खरीदी की राशि और भी बढ़ाया जाएगा। ढाई हजार रुपये तेंदूपत्ता बोरी का मिलता था, अब चार हजार मिल रहा है। 23 हजार करोड़ रुपये न्याय योजना में हमने दिया और यदि हम सत्ता में आते है तो किसानों का कर्जा माफ होगा। 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने एक व्यक्ति से पूछा कि नाम क्या है, उसने बताया गोवर्धन पाठक और उससे उन्होंने कहा कि आदमी पर कोई जानवर पेशाब नहीं करता पर भाजपा के नेता पेशाब करते हैं..मतलब आप समझ सकते हैं। जल, जंगल व जमीन के मालिक आदिवासी थे, उनका हक है। भाजपा आपका शोषण करती है और आप पर पेशाब करती है। जंगल कम हो रहा है और भाजपा वनवासी कहते हैं। जंगल कम हो रहा है तो वनवासी कहाँ जाएगा। इस पर एक नागरिक बोला मोदी के घर..इस पर जमकर ठहाके लगे। राहुल गांधी ने कहा कि हर आदिवासी का बच्चा अंग्रेजी बोलेगा। छत्तीसगढ़ में रहना है तो छत्तीसगढ़ी बोलिए यूपी, दिल्ली जाना है तो अंग्रेजी बोलिए वो चाहते हैं आप अंग्रेजी न बोलें। हर भाषण में (मोदी) ओबीसी की बातें करते हैं। मोदी जी जब हिंदुस्तान में एक जात है गरीब तो आप अपने आप को ओबीसी क्यों कहते हैं। मोदी जी को आपने देखा है एक कपड़ा दो दिन पहना हो। दिन भर में पांच पहनते हो। आप जीत गए ओबीसी तो ओबीसी बन गए। आप कहते हो एक जात है गरीबी..! अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान को 90 अफसर चलाते हैं और ये लोग तय करते हैं। ये अफसर बजट का हर पैसा बांटते हैं,इनमे तीन ओबीसी हैं। क्या हिंदुस्तान में ओबीसी की आबादी 5 परसेंट हैं। पूरा देश जानता है आदिवासी की आबादी कितनी होती है। 90 अफसरों में कितने आदिवासी हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी जाति जनगणना की आवाज उठाइए, एक बार सबके सामने आकंड़े आ जाएंगे। तीन अफसरों को बदलना पड़ेगा।मोदी जी के पास पूरे आकंड़े हैं।हम रिलीज करने कहते हैं।अब कह रहे कोई ओबीसी नहीं,सिर्फ एक जात है गरीब। आप जाति जनगणना करा दो,सच्चाई बता दो। लंबे लंबे भाषण देंगे पर नहीं बताएंगें। सरकार मोदी जी नहीं अदाणी चला रहे हैं। यहां सरकार आते ही जाति जनगणना शुरू कर देंगे। मोदी जी करे न करें ,दिल्ली में इंडिया एलाइंस की सरकार आएगी हम करेंगे। मोदी की पालिसी नोटबन्दी, जीएसटी ने रोजगार की नीव तोड़ दी है। हर सवाल का जवाब हम दिलवा देंगे। आपका पैसा अदाणी के पास चला जाता है।

# बन्दूक-संस्कृति से दागदार हो रही है अमेरिका की छवि

**ललित गर्ग**

दुनिया में स्वयं को सभ्य एवं स्वयंभू मानने वाले अमरीका में बढ़ रही 'बंदूक संस्कृति' के साथ-साथ लोगों में बढ़ रही असहिष्णुता, हिंसक मनोवृत्ति और आसानी से हथियारों की सहज उपलब्धता का दुष्परिणाम बार-बार होने वाली दुखद घटनाओं के रूप में सामने आना चिन्ताजनक है। अमेरिका में एक हत्यारे ने गोलियां बरसाकर करीब 21 लोगों को मौत की नींद सुला दिया और कई को जख्मी कर दिया है। तीन स्थानों पर गोलीबारी करने के बाद हत्यारा घटनास्थल से भागने में सफल हुआ है। आश्चर्यकारी है कि दुनिया की सबसे दुरस्त एवं सक्षम अमेरिकी पुलिस एक हत्यारे को पकड़ने में इतनी लाचार हो गई कि उसे सहयोग के लिए आम लोगों से अपील करनी पड़ी। हिंसा की बोली बोलने वाला, हिंसा की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में हथियारों की आंधी लाने वाला अमेरिका अब खुद हिंसा का शिकार हो रहा है। अमेरिका की आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही रही है कि यहां हिंसा इतनी सहज बन गयी है कि हर बात का जवाब सिर्फ हिंसा की भाषा में ही दिया जाने लगा। वहां हिंसा का परिवेश इतना मजबूत हो गया है कि वहां की बन्दूक-संस्कृति से वहां के लोग अपने ही घर में बहुत असुरक्षित हो गए थे। अमेरिका को अपनी बिगड़ती छवि के प्रति सजग होना चाहिए क्योंकि यह एक बदनुमा दाग है जो उसकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि को आघात लगा रहा है। दुनिया में बंदूक की संस्कृति को बल देने वाले अमेरिका के लिये अब यह खुद के लिये एक बड़ी समस्या बन चुकी हैं। अमेरिका घृणा, अपराध, हिंसा और बंदूक संस्कृति के गढ़ के रूप में पहचान बना रहा है। किसी सिख या किसी मुस्लिम बच्चे की हत्या हो या किसी अश्वेत पर बर्बरता, अमेरिका की स्थिति लगातार निंदनीय, डरावनी एवं असंतुलित होती जा रही है। कोई भी सामान्य-सा दिखने वाला आदमी हथियार लेकर आता है और अनेक लोगों की जान ले लेता है। नवीनतम घटना 25 अक्तूबर को देर रात 'एंड्रोस्कोगिन काऊंटी' के अंतर्गत पडने वाले लेविस्टन में हुई, इस हादसे का सबसे खराब पहलू यह है कि अनेक लोग भगदड़ की वजह से घायल हुए तो अनेक हत्यारे की गोलियों से गहरी नींद सो गये हैं। नरसंहार के कथित आरोपी 40 वर्षीय रॉबर्ट कार्ड को पुलिस ने हथियारबंद और खतरनाक व्यक्ति माना है, पर सवाल है कि क्या वह रातों-रात हत्यारा एवं हिंसक हुआ है? हत्यारा रॉबर्ट कार्ड अमेरिकी सेना से जुड़ा रहा है और आग्नेयास्त्र प्रशिक्षक है। मानसिक अस्वस्थता एवं मनो विकारों से ग्रस्त हत्यारे के खिलाफ अनेक शिकायतें पहले भी मिल चुकी थी, प्रश्न है कि उन्हें क्यों नहीं गंभीरता से लिया गया। अमेरिका में आए दिन ऐसी खबरें आती रही कि किसी सिरफिरे ने अपनी बंदूक से कहीं स्कूल में तो कभी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसमें नाहक ही लोग मारे गए। अब तो अमेरिकी बच्चों के हाथों में भी बन्दूकें हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण वहां आम लोगों के लिए हर तरह के बंदूकों की सहज उपलब्धता है और इन बन्दूकों का उपयोग मामूली बातों और उन्मादग्रस्त होने पर अंधाधुंध गोलीबारी में होता रहा है, जो गहरी चिन्ता का कारण बनता रहा। आम जन-जीवन में किसी सिरफिरे व्यक्ति की सनक से किसी बड़ी अनहोनी का अन्देशा हमेशा वहां बना रहता है, वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा-कवच मनुष्य-मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ-साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। दरअसल, अमेरिका अपने यहां नफरत, मानसिक असंतुलन, विद्रोह एवं असंतोष रोकने के अभियान में नाकाम हो रहा है। एफबीआई की वार्षिक अपराध रिपोर्ट रेखांकित करती है कि बंदूक संस्कृति एवं इससे जुड़ी हिंसा बहुत

# राहुल गांधी की केदारनाथ यात्रा

**मृत्युंजय दीक्षित**

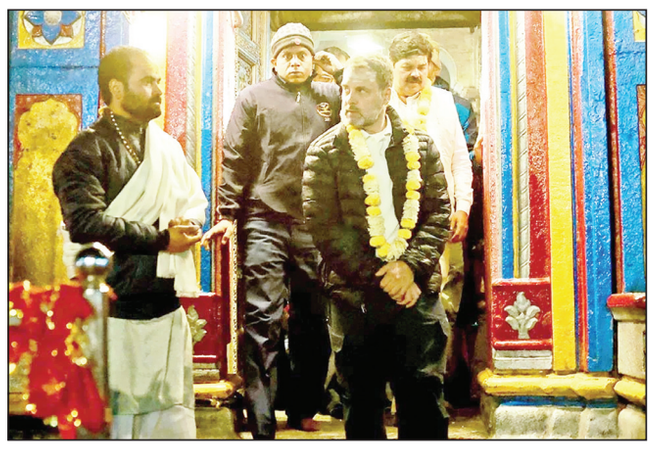

भारतीय राजनीति में मुस्लिम तुष्टिकरण को चुनाव जीतने का मन्त्र माना जाता रहा है किन्तु 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने और फिर माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा अयोध्या पर मंदिर के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय दिए जाने के बाद स्थितियों में बड़ा बदलाव आया है। कुछ वर्ष पूर्व तक भारतीय जनता पार्टी की ओर से नारा लगाया जाता था, रामलला हम आयेंगे मंदिर वहीं बनायेंगे और विरोधी दल पलटवार करते हुए कहते थे, रामलला हम आयेंगें मंदिर वहीं बनायेंगें किंतु तारीख नहीं बतायेंगे। इस चुनाव में सब कुछ परिवर्तित हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आ जाने के बाद अयोध्या नगरी में दिव्य-भव्य गगनचुम्बी राम मंदिर का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर अग्रसर है, रामलला के विराजमान होने की तिथि भी आ गयी है। आगामी 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्रीराम अपने अस्थायी मंदिर से नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं जिसकी तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं अब वहां पर भाजपा के सभी स्टार प्रचारक अयोध्या की बात कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में श्री राम मंदिर का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है जिसके कारण वहां कांग्रेस पार्टी असहज महसूस कर रही है क्योकि भापजा की ओर से अब केवल यह कहा जा रहा है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में सबसे बड़ी बाधा कांग्रेस ही रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित बड़े नेता तूफानी चुनाव प्रचार कर रहे हैं और जनता जनार्दन को अयोध्या दर्शन के लिए आमंत्रित कर रहे हैं ।

छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में राम मंदिर का उदघाटन कर रहे हैं। अत: छत्तीसगढ़ में रामलला दर्शन योजना लाई जायेगी ताकि छत्तीसगढ़ के लोग राम मंदिर का दर्शन कर सकें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण देश में रामराज्य का आरम्भ होगा, जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में अपने साढ़े नौ साल के दौरान योजनाओं के माध्यम से राम राज्य की नींव रखी है। यहां पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के तमाम दिग्गज नेता धुधांधार प्रचार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में हिंदू धर्म को समाप्त करने के लिए ईसाई मिशनरीज जहां हिंदू समाज का सरकारी सहयोग के बल पर धर्मांतरण करा रही हैं तो वहीं हिंदू मुस्लिम जिहाद से भी आतंकित हो रहे हैं। राज्य में धर्मांतरण की रोकथाम के लिए भाजपा उत्तराखंड व यूपी की तरह धर्मांतरण की रोकथाम के लिए एक व्यापक कानून लाने की बात भी कह रही है।

राजस्थान में भी भाजपा की ओर से समग्र हिन्दुत्व की विचारधारा व उसके विकास को समाहित करते हुए चुनाव प्रचार किया जा रहा है। राजस्थान में नाथ संप्रदाय का बहुत महत्व है और जनसंख्या के आधार पर कुछ सीटों पर वह असरकारी भी है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी वहां भी स्टार प्रचारक हैं और काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन पूजन करने के बाद अपना अभियान प्रारम्भ किया है। योगी जी ने अपना चुनाव अभियान अजमेर में उसी जगह से प्रारम्भ किया जहां पर प्रशासन ने 300 साल पुराने एक शिव मंदिर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था।

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख भी बता दी गई है। मंदिर उद्घाटन की तिथि बता दिये जाने के बाद भी सेक्युलर दलों में काफी तनाव है और यही कारण है कि उनकी ओर से भी लगातार अजब-गजब प्रकार के बयान आ रहे हैं। जहाँ एक ओर अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के कारण मुस्लिम समाज को भड़काने का अथक प्रयास किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, सपा, बसपा सहित आप पार्टी के लोग अब कहने लगे हैं कि राम तो सभी के हैं।

राहुल गांधी चले केदारनाथ- विधानसभा चुनावों में भाजपा की आक्रामक रणनीति और चुनावों मे कांटे की टक्कर को देखते हुए कांग्रेस गहरे दबाव मे आ गई है और यही कारण है कि जो राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हिंदू बनाम हिंदुत्व और तपस्वी बनाम पुजारी में घृणित और विकृत मानसिकता के साथ भेद पैदा कर रहे थे वही अब अपने आप को उदार हिंदू दिखाते हुए केदारनाथ धाम जाकर राजनैतिक विश्लेष्कों को व हिंदू जनमानस को प्रभावित करने का असफल प्रयास कर रहे हैं। सच तो ये है कि राहुल गांधी ने केदारनाथ दौरे से स्वयं को ही कई प्रश्नों के चक्रव्यूह में फंसा लिया है क्योंकि यह वही राहुल गांधी हैं जो विदेशों में जाकर भी हिंदू धर्म का अपमान करते रहे हैं और मंदिरों के विषय में विकृत बयानबाजी करते रहे हैं। राहुल गांधी का अभी तक मानना रहा है कि हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां शक्तिहीन हैं। वह यह बयान भी दे चुके हैं कि हिंदू लोग मंदिरों में लड़कियां छेड़ने जाते हैं। राहुल गांधी हिंदू समाज को विभाजित करने के लिए जातिगत जनगणना का अभियान भी चला रहे हैं। जब ज्ञानवापी प्रकरण में हिंदू पक्षकारों ने शिवलिंग मिलने का दावा किया था तब कांग्रेस उसे फव्वारा बता रही थी। कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए लगातार बाधा डाली और उन्हें भगवान राम व रामचरित मानस को काल्पनिक बताकर हिंदू समाज का हर क्षण अपमान किया।

तमिलनाडु के द्रमुक नेताओं द्वारा सनातन हिंदू समाज के उन्मूलन की बात पर गांधी परिवार पूरी तरह से मौन साध गया। अभी अचानक ऐसा क्या हो गया कि राहुल गांधी अपना सारा काम छोड़कर केदारनाथ धाम पहुंच गये। सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह की बात कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की राजनीति में महादेव एप का विवाद चल रहा है जिस पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि घोटालेबाजों ने महादेव को भी नहीं छोड़ा संभवत: उनकी इसी बात का असर हुआ और राहुल गांधी केदारनाथ धाम पहुंच गये। यह भी कहा जा रहा है कि विधान सभा चुनावों में अभी तक कांग्रेस की गारंटियों का कोई ऐसा असर नहीं दिख रहा है यही कारण है कि राहुल गांधी हिंदू समाज की आंखों में धूल झोंकने के लिए केदारनाथ धाम पहुंच गये हैं। सोशल मीडिया पर काफी हंगामा हो जाने के बाद कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर आ गयी और उसे बयान देना पड़ा कि यह राहुल की निजी आध्यात्मिक यात्रा है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी हिंदू व सनातन धर्म को लेकर पूरी तरह से भ्रमित रहती है।

ज्ब भी चुनाव आते है कांग्रेसी नेताओं को मंदिर याद आ जाते है। कर्नाटक चुनावों में भी प्रियंका और राहुल गांधी मंदिर दर्शन करने गये थे। कर्नाटक कांग्रेस ने जय बजरंगबली नारे के जवाब में एक हजार हनुमान मंदिर बनवाने का वादा किया था किंतु अभी तक वहाँ केवल मुस्लिम तुष्टिकरण चल रहा है। कांगेस हिंदू समाज के प्रति दोहरा रवैया अपनाती है और सत्ता हथियाते ही मुस्लिम तुष्टिकरण पर उतारू हो जाती है। राहुल गांधी ऐन चुनाव से पूर्व केदारनाथ गये हैं वह अभी तक केवल दो बार ही यहां आये हैं जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केदारनाथ के प्रति अटूट श्रद्धा व भक्ति है और वह प्रधानमंत्री बनने के बाद छह बार केदारनाथ आ चुके हैं और उनके नेतृत्व में यहां पर काफी विकास कार्य प्रगति चल रहे है। हिंदू जनमानस यह बात अब अच्छी तरह से जान गया है कि राहुल गांधी और उनके नेतृत्व में संपूर्ण कांग्रेस महज ढोंग व नाटक कर रही है। कांग्रेस ने अभी तक मन से अयोध्या में बन रहे राम मंदिर का स्वागत नहीं किया है। राहुल गांधी की विदेश यात्राओं की तरह उनके मंदिर दर्शन भी संदिग्ध ही हैं।

**भारतीय ज्ञान परंपरा....**

# महोपनिषद् (भाग-36)

**गतांक से आगे...**

खड़े रहते, चलते, जागते, सोते, निवास करते, बैठते, उठते तथा गिरते समय भी ये सभी कुछ असत् ही है; इस प्रकार का दृढ़ निश्चय रखो। दृश्य पदार्थों से आस्था का परित्याग कर दो क्योंकि यदि दृश्य पदार्थ का आश्रय प्राप्त करते हो, तो चित्तमय होकर बन्धन में पड़ते हो तथा यदि दृश्य पदार्थ का पूरी तरह से त्याग करते हो, तो चित्त शून्यता के कारण मोक्ष प्राप्ति के अधिकारी बनते हो।

न मैं स्वयं हूँ और न ही यह संसार है, ऐसा चिन्तन करते हुए तुम पर्वत की भाँति अडिग होकर निवास करो। आत्मा एवं जगत् के मध्य द्रष्टा एवं दृश्य आदि इन दोनों स्थितियों के मध्य अपने आपको सदैव दर्शन स्वरूप आत्मा को ही मानते रहो। स्वादयुक्त पदार्थ एवं उस स्वाद युक्त पदार्थ के चखने वाले %कर्ता% से भिन्न और इन दोनों के बीच में केवल स्वाद का चिन्तन करते हुए परमात्मस्वरूप होकर प्रतिष्ठित हो जाओ। बीच- बीच में अवलम्बन रहित स्थिति का आश्रय प्राप्त करके एक स्थान पर स्थित हो जाओ।

रज्जु (रस्सी) से बँधे हुए लोग तो मुक्त हो जाते हैं, लेकिन तृष्णा से आबद्ध प्राणि-समूह किसी के द्वारा भी मोक्ष को प्राप्त नहीं कराये जा सकते। इसलिए हे पुत्र निदाघ! तुम संकल्प का त्याग करते हुए तृष्णा को छोड़ने का प्रयास करो। अहंभाव से रहित इस बछ के द्वारा अहंभाव से युक्त, स्वभावत: प्रादुर्भूत हुई पापमयी इस तृष्णा को काटकर समस्त प्राणिवर्ग को उत्पन्न होने वाले भय से निर्भय होकर सौन्दर्ययुक्त परमार्थ लोक में भ्रमण करो। मैं इन समस्त पदार्थों का हूँ और ये सभी मेरे जीवन हैं, इनके अभाव में मैं कुछ भी नहीं हूँ और न ही ये मेरे बिना कुछ हैं; अपने अन्तर्मन के द्वारा इस संकल्प को छोड़ दो। मन से विचार करो कि मैं इन पदार्थों का नहीं हूँ और ये पदार्थ मेरे नहीं हैं, इस प्रकार की दृढ़ भावना करो स्थिर शान्त चित्त से चिन्तन करते हुए विचारपूर्वक अपने कार्यों को सामान्य ढंग से सम्पन्न करते हुए जो वासना का त्याग किया जाता है, है ब्रह्मन् ! वही वास्तविक ध्येय कहा गया है। जो पुरुष समत्व बुद्धि के द्वारा सदैव के लिए वासना का परित्याग करके ममतारहित हो जाता है, उसी से शरीर के बन्धनों का भी त्याग किया जा सकता है। इस कारण वासना का त्याग ही परम कर्त्तव्य है। जो मनुष्य अहंकार से युक्त वासना को सहजतापूर्वक त्याग करके, ध्येय वस्तु का सम्यक् रूपेण परित्याग करके प्रतिष्ठित होता है, वही पुरुष जीवन्मुक्त कहलाता है।

**क्रमश: ..**

# 'राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस'

**अख्तर खान अकेला**

प्रति वर्ष भारत में 9 नवंबर को देश के सभी नागरिकों को उचित, निष्पक्ष और सर्व सुलभ न्याय प्रक्रिया तक पहुच को सुनिश्चित करने के लिए 'राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य समाज के सुभेद्य और वंचित वर्ग के लोगों को नि:शुल्क न्याय प्राप्ति हेतु सहायता एवं समर्थन जुटाना होता है।

उल्लेखनीय है कि जस्टिस पीएन भगवती ने भारतीय परिप्रेक्ष्य में विधिक सहायता के महत्व को समझते हुए न्याय की मिशनरी अवधारणा (न्याय को आसान एवं सर्व सुलभ बनाना जिससे समाज के सभी लोगों तक इसकी पहुच) को प्रोत्साहित किया। इसके उपरांत भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 1995 से प्रति वर्ष इस दिवस के मनाने की शुरुआत की गई।

1979 में सुप्रीमकोर्ट ने वकीलों सहित समाजसेवी संस्थाओं को निर्धन गरीबों की मदद और विधिक साक्षरता से जोड़ने के लिए जागरूकता कार्यक्रम के तहत इस दिवस की शुरुआत की, हालात बदले, क़ानून बदले, नियम बदले फिर 1987 के बाद संशोधित 9 नवम्बर 1995 को लीगल ऑथोरिटी क़ानून की शुरुआत हुई ,बस फिर इसी दिन को राष्ट्रिय विधिक सप्ताह के रूप में, न्यायिक अधिकारियों, वकीलों, प्रशासनिक अधिकारीयों द्वारा समाजसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर, विधिक, जागरूकता, साक्षरता के लिए इस दिवस को मनाया जाने लगा ।

विधिक सहायता के इतने सालों बाद भी, अरबों, अरब रूपये खर्च होने के बावजूद भी यह विधिक सहायता आज भी धरातल पर आम लोगों तक नहीं पहुंच पायी है, गले नहीं उतर पायी है, विधिक सेवा समिति का अब हर ज़िले में अपना अलग कार्यालय है, स्टाफ है , अधिकारी है, सभी सुख सुविधाएं है, अब तो वैकल्पिक विवाद निस्तारण के तहत और भी व्यवस्थाएं बढ़ी है, फिर भी आज अगर हम विधिक दिवस पर अगर इसका आत्मचिंतन करें, देश के वकील, सेवानिवृत जज, इस कार्य में लगे कर्मचारी, अधिकारी, समाजसेवी संस्थाए अगर आत्मा से पूंछे तो, क्या खोया, क्या पाया के नाम पर जवाब वो क्या दे पाएंगे मैं नहीं जानता, लेकिन मैं देखता हूँ ।

देश को दिखाना होगा के विधिक, साक्षरता विधिक सहायता के नाम पर अरबों अरब रूपये खर्च कर, हज़ारों लाखों के प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष स्टाफ के बाद हमने क्या हांसिल क्या, यह तो बात हुई आत्मचिंतन की, अब कर्तव्यों का सवाल है। ऐडवोकेट एक्ट में मुफ्त विधिक सहायता की प्रतिशतता का हवाला दिया गया है ,बार एसोसिएशन, बार कॉंसिल्स को भी ऐसे कार्यक्रम अपने स्तर पर स्वतंत्र रूप से पृथक पृथक चलाना होंगे, परामर्शदात्री समितियों, विधिक सेवा सर्विस प्रोवाइडर्स, वकीलों की पेनल नियुक्ति, वकीलों का चयन, मीडिएटर्स चयन, कार्यक्रमों, लोकअदालतो में निस्तारित मामलों पर भी निगरानी रखना होगी। बात कड़वी ज़रूर है लेकिन सच्चाई यही है के अभी लगातार इस दिवस को मनाने के नाम पर देश इस मामले की क्रियानावित के लिए गंभीर होने के बाद भी गंभीर नहीं है। अभी नियमित समीक्षा, भूल चूक के साथ आपसी विचारविमर्श से इन कार्यक्रमों में जनसहयोग और सुधार की बहुत ज़रूरते है, अकेले, न्यायिक अधिकारीगण, वकील समूह, समाजसेवी संस्थाए, या प्रशासनिक अधिकारी इस अभियान को आगे नहीं बढ़ा सकते। एक सौ चालीस करोड़ लोग जागें, उठे, इस विधिक दिवस में भागीदार बने, हिस्सेदार बने, घटनाओं पर नज़र रखे, क़ानून के मददगार बने, दुर्घटनाओं के वक़्त बचाव कार्य करें, अपराधों के वक़्त चश्मदीद होने पर गवाह बने, पुलिस की मदद करे, अपराध घटित होने पर हो हल्ला, चक्का जाम, हिंसा करके दबाव न बनाये, बस जो घटना देखी है, जो घटना हुई है, उसे पुलिस को बताये, अदालत में हुबहु आकर बयान करे, गरीब को, आरोपी को, विधिक सहायता मिलना ज़रूरी है।

# गलत है अफगान शरणार्थियों का निष्कासन

**डॉ धनंजय त्रिपाठी**

अफगानिस्तान में दशकों की अस्थिरता, हिंसा एवं युद्धों के कारण वहां से बड़ी संख्या में लोग पाकिस्तान में शरण लिये हुए हैं। पाकिस्तान सरकार के अनुसार, अफगान प्रवासियों और शरणार्थियों की कुल संख्या 40 लाख से अधिक है, जिनमें से 17 लाख के आसपास ऐसे हैं, जो पंजीकृत नहीं हैं। सितंबर में पाकिस्तान की अंतरिम सरकार ने ऐसे शरणार्थियों को अफगानिस्तान वापस जाने का आदेश दिया था। इसके लिए एक नवंबर की समय सीमा दी गयी थी। रिपोर्टों के अनुसार, अब तक लगभग पौने दो लाख लोग अफगानिस्तान वापस जा चुके हैं। बहुत से ऐसे लोगों को भी वापस भेजा जा रहा है, जिनके पास दस्तावेज हैं।

साथ ही, विभिन्न आरोपों में जेलों में बंद अफगान कैदियों को भी सीमा पर छोड़ा जा रहा है। पाकिस्तान सरकार ने शरणार्थियों के घरों को तोड़ डाला है और उन पर जाने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। दशकों से पाकिस्तान में रह रहे और जीवन-यापन कर रहे ये शरणार्थी दोहरे विस्थापन के शिकार हो रहे हैं। पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठनों ने सरकार, संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि अफगान शरणार्थियों के निष्कासन को रोका जाए, लेकिन इस गुहार की कोई सुनवाई अभी तक नहीं हुई है।

हाल के दिनों में पाकिस्तान में आतंकी वारदातों की संख्या बढ़ी है। वहां चुनाव भी होने हैं, जिसकी वजह से अंतरिम सरकार बनायी गयी है। चुनाव के दिन करीब आने के साथ-साथ आतंकी हमलों और हिंसक घटनाओं की आशंका भी बढ़ती जा रही है। पाकिस्तान इन हमलों के पीछे अफगानियों का हाथ

होने का संदेह जता रही है। बहुत समय से तहरीके-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सक्रिय है, जिसके बारे में पाकिस्तान का मानना है कि यह आतंकी संगठन अफगानिस्तान से संचालित होता है। कुछ समय पहले पाकिस्तान ने यह भी कहा था कि टीटीपी के आतंकी अफगानिस्तान में छुपे हुए हैं।

तालिबान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए बार-बार कहा है कि टीटीपी पाकिस्तान में सक्रिय है और पाकिस्तान का मसला है। ऐसे में पाकिस्तान में अफगानों को लेकर एक नया नैरेटिव बनाने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, यह रवैया पाकिस्तान की दोहरी नीति को इंगित करता है। इन्हीं अफगान शरणार्थियों को मोहरा बना कर पाकिस्तान ने शीत युद्ध के दौर में अमेरिका से खूब पैसा बटोरा, जब सोवियत संघ ने सत्तर के दशक के अंतिम वर्षों में अफगानिस्तान पर हमला किया था। बहुत से शरणार्थियों को सोवियत संघ के विरुद्ध लड़ाई में मुजाहिदीन का दर्जा दिया गया और उन्हें हर तरह से पाकिस्तान के भीतर प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें हथियार और धन देकर अफगानिस्तान लड़ने के लिए भेजा गया।

उस दौर में पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों के लिए अपनी सीमाएं खोल दी थीं और उनका स्वागत किया था। यह सब उनके रणनीतिक उद्देश्य से प्रेरित था। सोवियत संघ के चले जाने के बाद अफगानिस्तान में जो गृहयुद्ध चला, उसमें भी पाकिस्तान की भूमिका थी। गृहयुद्ध के बाद सत्ता में आने वाला तालिबान समूह का समूचा नेतृत्व पाकिस्तान में ही रहता था। तालिबान लड़ाकों को भी पाकिस्तान ने हर तरह की सहायता की थी। न्यूयॉर्क में हुए आतंकी हमले के बाद जब अमेरिका ने अफगानिस्तान पर हमला किया, तो पाकिस्तान अमेरिका के साथ भी रहा और तालिबान एवं ओसामा बिन लादेन की भी मदद करता रहा। आखिरकार, लादेन को पाकिस्तान में ही अमरीकियों ने मारा। जो भारत के विरुद्ध सक्रिय आतंकी नेटवर्क हैं, उन्हें भी पाकिस्तान में ही शरण और संरक्षण मिलता है। अब पाकिस्तानी सरकार अपने यहां के आतंकवाद का ठीकरा अफगानियों के सिर पर फोड़ रही है।

यह जनता को बरगलाने का प्रयास है। इससे आतंकवाद का कोई ठोस समाधान नहीं निकलेगा क्योंकि टीटीपी के मसले की एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है, जिसमें पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा का मामला भी है। डूरंड लाइन को अफगानिस्तान ने कभी भी नहीं माना है। आज पाकिस्तान असहज है क्योंकि तालिबान अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से ले रहा है और डूरंड लाइन को लेकर उसकी आपत्तियां भी हैं। पाकिस्तान जब तक आतंक को लेकर दोहरे मानदंड अपनायेगा, तब तक वह आतंक से पीछा नहीं छुड़ा सकता है। बड़ी संख्या में शरणार्थियों का वापस जाना अफगानिस्तान में बड़े मानवीय संकट का एक कारण बन सकता है क्योंकि वहां पहले से ही स्थिति बेहद खराब है। हाल में आये भूकंप से वहां बहुत से लोग इसलिए मारे गये क्योंकि समुचित अंतरराष्ट्रीय मदद नहीं मिली। तालिबान के शासन को किसी भी देश और अंतरराष्ट्रीय संस्था से मान्यता नहीं मिली है। वहां विभिन्न संस्थाएं और देशों के द्वारा मानवीय सहायता भेजी जाती है, लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का आकलन है कि वहां 90 फीसदी लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर कर रहे हैं। जो विस्थापित पाकिस्तान से जा रहे हैं, उन्हें न तो तालिबान शासन से कोई खास मदद मिलनेवाली है और न ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय से। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और वैश्विक संस्थाओं को पाकिस्तान से कहना चाहिए कि वह अफगान शरणार्थियों के साथ ऐसा व्यवहार बंद करे। साथ ही, शरणार्थियों को सहायता पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। हालांकि पाकिस्तान के भीतर ऐसी आवाजें मुखर हैं, जो सरकार के कदम का विरोध कर रही हैं, पर ऐसा नहीं लगता है कि पाकिस्तान सरकार उनकी बात पर ध्यान देगी।

कोई अदालती हस्तक्षेप हो, तो शायद उसका कुछ असर पड़े। हाल के दिनों में पश्चिमी देशों से पाकिस्तान की निकटता बढ़ी है। यदि वे देश कुछ दबाव डालें, तो पाकिस्तानी सरकार को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है। लेकिन किसी भी स्थिति में यह आशा नहीं की जा सकती है कि पाकिस्तानी सरकार शरणार्थियों के निष्कासन की नीति को वापस लेगी क्योंकि पाकिस्तान को यह समझ में आ गया है कि तालिबान के साथ उनकी वैसी पटरी नहीं बैठेगी, जैसी उन्हें उम्मीद थी। पश्चिमी देशों का ध्यान यूक्रेन और इस्त्राइल जैसे बड़े मसलों पर है। इनसे उनके आर्थिक, रणनीतिक और सामरिक हित जुड़े हुए हैं। ऐसा पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ नहीं है। संभव है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव या न्यायालय के कहने पर निष्कासन की प्रक्रिया कुछ समय के लिए शिथिल हो जाए या रोक दी जाए, पर अफगान लोगों को अंतत: पाकिस्तान से जाना होगा।

## आज का इतिहास

1953 कंबोडिया, फ्रांस से स्वतंत्र हो गया।
1963 जापान की मीके कोयला खदानों में हुए विस्फोट से 458 लोग मारे गए।
1964 यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ कॉमन्स ने ब्रिटेन में हत्या के लिए मौत की सजा को समाप्त करने के लिए वोट किया।
1965 परिष्कृत बिजली व्यवस्था में एक गड़बड़ के कारण कनाडा और कनेक्टिकट, मैसाचुसेट्स, न्यू हैम्पशायर, रोड आइलैंड, वर्मोंट, न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी सहित पूर्वोत्तर राज्यों में 30 मिलियन लोग प्रभावित हुए।
1967 अमेरिका ने केप कैनेडी, फ्लोरिडा से सैटर्न 5 रॉकेट के साथ मानवरहित अंतरिक्षयान अपोलो 4 का प्रक्षेपण किया।
1985 22 साल की उम्र में गैरी कास्परोव तत्कालीन चैंपियन अनातोली कारपोव को हराकर सबसे कम उम्र के निर्विवाद रूप से शतरंज चैंपियन बने।
1987 उत्तरी आयरलैंड के एनीस्किलन में रविवार को एक समारोह के दौरान एक अनंतिम आयरिश रिपब्लिकन आर्मी बम विस्फोट हुआ, जिसमें ग्यारह लोग मारे गए और साठ लोग घायल हो गए।
1989 ब्रिटेन में मृत्यु-दण्ड की सज़ा पर पूरी तरह से रोक लगाई गई।
1994 रासायनिक तत्व डार्मस्टेडटियम का खोज की गई।
1998 मानवाधिकार अधिनियम के पारित होने के साथ, यूनाइटेड किंगडम के सभी अपराधों के लिए मृत्युदंड की सजा।
2003 सऊदी अरब के रियाद में एक आत्मघाती आतंकवादी हमले में 17 लोगों की मौत हुई।
2005 यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने वीनस एक्सप्रेस मिशन (कलाकार की छाप चित्रित की गई), वेनवियन वातावरण का पहला दीर्घकालिक अवलोकन शुरू किया।
2006 एमआई 5 (सुरक्षा सेवा) के प्रमुख के अनुसार, डेम एलिजा बड़ी संख्या में युवा ब्रिटिश मुसलमानों को सामूहिक हत्या का रास्ता चुनने के लिए सुधार और प्रशिक्षित किया जा रहा है।
2008 देश के इतिहास में होने वाले सबसे बड़े जब्त में से एक में आयरलैंड के तट से 750 मिलियन क का कोकीन जब्त किया गया है।

# मप्र में मुस्लिम उम्मीदवारों से हर दल की दूरी



**सिद्धार्थ शंकर गौतम**

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों ने कमोबेश सभी वर्गों एवं जातियों के प्रतिनिधियों को प्रत्याशी बनाकर मतदाता के सामने सोशल इंजीनियरिंग का उदाहरण प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। किंतु प्रदेश में लगभग 9 प्रतिशत की जनसंख्या वाला मुस्लिम समुदाय इस बार स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

मुस्लिम वर्ग की सबसे अधिक नाराजगी कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी जैसे राजनीतिक दलों से है जो स्वयं को मुसलमानों का रहनुमा साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। ये सभी दल मुसलमानों में भाजपा का डर दिखाकर समुदाय का एकमुश्त वोट तो लेते रहे हैं किंतु जब मुस्लिम समुदाय को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बारी आती है तो ये सभी दल बगलें झाँकने लगते हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार, प्रदेश में 7 प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या थी जो अब बढ़कर कमोबेश 9 प्रतिशत हो गई है अर्थात प्रदेश की साढ़े सात करोड़ जनसंख्या में मुस्लिम समुदाय की संख्या 60-80 लाख है। प्रदेश में मुस्लिम समुदाय का लगभग 21 विधानसभा सीटों पर सीधा प्रभाव है और इनका वोट किसी भी प्रत्याशी की हार-जीत में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खासकर मालवा और मध्य भारत में मुस्लिम समुदाय अच्छी संख्या में है और इनका वोट किसी भी प्रत्याशी की किस्मत का फैसला करता है। इतने पर भी राजनीतिक दल मुस्लिम समुदाय के नेताओं को टिकट देने से बचते हैं क्योंकि प्रदेश में मुस्लिम समुदाय का नेतृत्व करने वालों का अभाव है और जो नेतृत्व कर सकते हैं वे अब आयु के उस पड़ाव पर हैं जहां उनके लिए राजनीति के दरवाजे बंद हो जाते हैं।

भाजपा ने तो इस बार प्रदेश में गुजरात और उत्तर प्रदेश के मॉडल पर टिकट वितरण किया है और हिंदुत्व की लहर पर सवार पार्टी किसी मुस्लिम को टिकट देगी, इससे तो स्वयं मुस्लिम समुदाय भी इंकार करता है। किंतु कांग्रेस की ओर टकटकी लगाए बैठा मुस्लिम समुदाय यहां से भी निराश हुआ है। कमलनाथ स्वयं सॉफ्ट हिंदुत्व के भरोसे भाजपा के हार्डकोर हिंदुत्व का मुकाबला करने की मंशा पाले हुए हैं।

230 विधानसभा सीटों में कांग्रेस ने मात्र 2 मुस्लिम चेहरों को ही चुनाव में उतारा है और दोनों ही चेहरे भोपाल में कांग्रेस के कद्दावर नेता हैं। भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिमों की जनसंख्या लगभग 50 प्रतिशत है वहां से विधायक आरिफ मसूद चुनाव लड़ रहे हैं जबकि भोपाल उत्तर विधानसभा से 1990 से आरिफ अकील कांग्रेस का मुस्लिम चेहरा बने हुए हैं।

हालांकि 1993 में उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा था और इस बार बढ़ती उम्र के चलते उनके स्थान पर उनके पुत्र को टिकट दिया है जो अपने ही परिवार की अदावत से भीतरघात का सामना कर रहे हैं। यह भी कम दिलचस्प नहीं कि 1993 में जब दिग्विजय सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए तो उनकी सरकार में एक भी मुस्लिम चेहरा नहीं था क्योंकि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के छह और भाजपा के एक मुसलमान उम्मीदवार अब्दुल गनी अंसारी की करारी हार हुई थी। तब मुस्लिम समुदाय को प्रतिनिधित्व देने के चलते दिग्विजय सिंह ने इब्राहिम कुरैशी को मंत्री बनाया किंतु छह माह बाद वे विधायक बनने से भी चूक गए।

1962 के विधानसभा चुनाव में 7 मुस्लिम प्रत्याशी विधानसभा पहुंचे थे जो अब तक उनके प्रतिनिधित्व में रिकॉर्ड है जबकि 1980 के विधानसभा चुनाव में 35 मुस्लिम प्रत्याशी चुनाव में उतरे जिनमें से मात्र 6 ही विधानसभा पहुंच सके। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 1 तो कांग्रेस ने 3 मुस्लिम प्रत्याशी उतारे जिनमें से 2 जीते और दोनों ही भोपाल से कांग्रेस का चेहरा थे। मालवा क्षेत्र की इंदौर लोकसभा की बात करें तो इसके अंतर्गत आने वाली इंदौर 1, इंदौर 3, इंदौर 5 और सांवेर विधानसभा में क्रमशः 20 प्रतिशत, 32 प्रतिशत, 23 प्रतिशत और 18 प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या है किंतु यहां मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई चेहरा किसी राजनीतिक दल के पास नहीं है।

इन चारों विधानसभाओं में कांग्रेस ही लंबे समय से मुस्लिम समुदाय की रहनुमा बनी रही है जिसका असर पिछले एक दशक से कम हुआ है। इसी प्रकार उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र में 20 प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या है जबकि महाकाल मंदिर क्षेत्र होने के चलते यह भाजपा का गढ़ बना हुआ है। रतलाम शहर, खंडवा, जावरा, शाजापुर, देपालपुर, मंदसौर, देवास, धार जैसी विधानसभाओं में मुस्लिम जनसंख्या 18 प्रतिशत से अधिक है किंतु इनमें से अधिकांश में मुस्लिम नेतृत्व न होने के चलते यहां से मुस्लिम प्रत्याशी न के बराबर रहे हैं और जो रहे हैं उनके नसीब में जीत नहीं लिखी थी। यानि मुस्लिम प्रतिनिधित्व के नजरिए से मप्र विधानसभा वंचित ही रही है।

1992 में राम मंदिर आंदोलन के बाद मध्य प्रदेश भी हिंदुत्व की लहर पर सवार हुआ जिसका परिणाम यह रहा कि कांग्रेस भी मुस्लिम समुदाय के नेताओं को टिकट देने से बचने लगी। हाँ, दिखावे के तौर पर 2-5 सीटें उन्हें दी जाती रही हैं किंतु इस बार तो उनके खाते में मात्र 2 सीटें ही आई हैं जहां वे कड़े मुकाबले में फंसे हैं। मुस्लिम वोटों पर एकाधिकार जमाती रही कांग्रेस सॉफ्ट हिंदुत्व के चलते अपने सुर बदल चुकी है ताकि भाजपा के हार्ड हिंदुत्व का मुकाबला कर सके।

यहां तक कि कांग्रेस ने संगठन से लेकर सार्वजनिक मंचों तक से मुस्लिम नेताओं को बेदखल कर दिया है। जिन मुस्लिम नेताओं को टिकट मिला भी है, वह उनकी मेहनत की राजनीतिक जमीन के चलते दिया गया है अन्यथा तो उन क्षेत्रों में भी अन्य दावेदार थे।

यही सब देखते-समझते इस बार मुस्लिम समुदाय के मुद्दे भी चुनाव प्रचार से गायब हैं और पूरा चुनाव जाति आधारित और एंटी-इन्कंबेंसी केन्द्रित हो गया है। मुस्लिम समुदाय भी सब देख रहा है और उसका वोट किसे मिलेगा यह देखना दिलचस्प होगा।

# राहुल गए शिव की शरण में हिंदुत्व के एजेंडे में सेंध तो नहीं

**राहुल संपाल**

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के प्रचार के बीच भगवान शिव चर्चा के केंद्र में आ गए हैं। छत्तीसगढ़ में महादेव एप घोटाले को लेकर भाजपा भूपेश बघेल सरकार पर निशाना साध रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस एमपी के महाकाल लोक में हुए घोटाले को लेकर शिवराज सरकार को आड़े हाथों ले रही है। चुनाव प्रचार के दौरान ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केदारनाथ धाम पहुंच गए हैं। वोटिंग के पहले राहुल की इस यात्रा को लेकर सियासी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। सियासी जानकारों का कहना है कि राहुल गांधी अपनी इस धार्मिक यात्रा के जरिए कांग्रेस को हिंदुत्व से कनेक्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। वे भाजपा के तय एजेंडे में सेंध लगा रहे है। दरअसल, बीते दिनों पीएम नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में चुनावी रैली में कहा था कि इन्होंने भगवान महादेव को भी नहीं छोड़ा। भले ही पीएम का महादेव नाम लेने का मकसद छत्तीसगढ़ का कथित महादेव एप घोटला रहा हो, लेकिन कांग्रेस ने उसे हिंदुत्व का एजेंडा माना। इसके बाद तुरंत बाद ही राहुल गांधी केदारनाथ धाम भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंच गए। राहुल गांधी ने यात्रा के जरिए संदेश दिया कि हिंदुत्व केवल भाजपा का नहीं है। राजस्थान, मध्यप्रदेश से लेकर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की भाजपा के साथ सीधी लड़ाई है। तीनों राज्यों में भाजपा बेहद आक्रामक रूप से चुनाव प्रचार कर रही है। भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे पर कांग्रेस पर लगातार हमलावर रहती है। ऐसे में कांग्रेस भी हिंदुत्व की राह पर आगे बढ़ रही है। राहुल गांधी पहले ही लगातार मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचते रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जिस तरह से पीएम मोदी ने पिथौरागढ़ से चुनावी शंखनाद किया और आदि कैलाश और जागेश्वर धाम आदि स्थलों की धार्मिक यात्रा की। कांग्रेस उसका तोड़ तलाशने के लिए भी राहुल गांधी की केदारनाथ यात्रा का चुनाव में लाभ ले सकती है। चुनाव के दौरान राहुल गांधी की धार्मिक यात्राएं कही न कहीं हिंदू वोटरों को अपनी तरफ आकर्षित करने की कोशिश है। इसकी वजह है कि राहुल कुछ साल पहले से हिंदू बनाम हिंदुत्ववादी की बहस छेड़ चुके हैं। 2021 में जयपुर में महंगाई हटाओ रैली में भाजपा को हिंदू बनाम हिंदुत्व के मुद्दे पर घेरा था। इसके बाद अमेठी और तमिलनाडु में इस मुद्दे को उठाया था। यह पहली बार नहीं है जब राहुल इस तरह मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे हों। राहुल गांधी पिछले साल उज्जैन के महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। उस समय भाजपा ने इसे हिंदू वोट हासिल करने की कोशिश बताया था। भाजपा का कहना था कि गुजरात चुनाव से पहले राहुल गांधी हिंदू वोट हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने राहुल गांधी की इस यात्रा की सीधे-सीधे आलोचना की थी। उस यात्रा के दौरान राहुल गांधी बढ़ी हुई दाढ़ी, सफेद धोती और माथे पर भभूत लगाए पहुंचे थे। भाजपा ने उस यात्रा को %फोटो सेशन% करार दिया था। भाजपा इससे पहले भी राहुल को %चुनावी हिंदू% कह चुकी है। राहुल गांधी कर्नाटक चुनाव के दौरान भी राज्य के बागलकोट में कुडाला संगमा पहुंचे। यहां उन्होंने संगमनाथ मंदिर और एक्य लिंग के दर्शन किए। राहुल अप्रैल 2015 में केदारनाथ और नवंबर 2017 में सोमनाथ मंदिर गए थे। इससे पहले कैलाश मानसरोवर की यात्रा भी कर चुके हैं। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस ने इस साल जून में चुनाव प्रचार के अपने अभियान की शुरुआत थी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने जबलपुर के गौरी घाट में नर्मदा तट पर विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना की थी। उस समय भी इसे हिंदू वोटों को आकर्षित करने का प्रयास माना गया था। मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने स्पेशल सेल का गठन किया था। उसमें पुजारी प्रकोष्ठ, मठ मंदिर प्रकोष्ठ और धार्मिक उत्सव प्रकोष्ठ भी शामिल था। कांग्रेस नेता कमलनाथ भी खुद को हनुमान भक्त बता चुके हैं। ऐसे में चुनाव में कांग्रेस का ध्यान निश्चित रूप से हिंदू वोटरों पर हैं। मध्यप्रदेश में हिंदुओं की संख्या लगभग 90 फीसदी है। इससे पहले राहुल गांधी पंजाब के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के तीन दिन के प्रवास पर रहे थे। तीन दिनों तक राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में सेवा दी थी। उन्हें झाड़ू लगाते और बर्तन साफ करते हुए देखा गया था। अब केदारनाथ धाम में भी राहुल गांधी लोगों की सेवा करते नजर आ रहे हैं। केदारनाथ धाम में राहुल गांधी ने श्रद्धालुओं को चाय पिलाई और उनसे बात भी की।

# महाकौशल क्षेत्र को साधना भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती

**अंकित सिंह**

अक्टूबर में चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में एक रैली में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने एक विशेष मिशन का वादा किया, जिसके माध्यम से सत्ता में आने पर राज्य में बैगा, भारिया और सहरिया जनजातियों के कल्याण पर 15,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा तीन जनजातियों की पहचान विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह या पीटीजी के रूप में की गई है-उन्हें पहले उनके कम सामाजिक-आर्थिक और जनसांख्यिकीय संकेतकों के कारण विशेष आदिम जनजातीय समूह (एसपीटीजी) के रूप में जाना जाता था। ये तीन जनजातियाँ राज्य की कुल एसटी आबादी का 8% हिस्सा हैं, जो कि 21% है। 2018 के चुनावों में, भाजपा 47 एसटी सीटों में से केवल 16 जीत सकी; कांग्रेस को 30 सीटें मिलीं। यही कारण है कि आदिवासी वोट को सुरक्षित करने के लिए आउटरीच पहल की योजना बनाने में भाजपा की रुचि को समझा सकता है। इस योजना के अलावा, पार्टी रानी दुर्गावती, शंकर शाह और उनके बेटे रघुनाथ शाह जैसे आदिवासी प्रतीकों का भी जश्न मना रही है। **बैगा जनजाति-** पूर्वी मध्य प्रदेश के महाकोशल क्षेत्र में निवास करती है, जिसमें मंडला, बैहर (बालाघाट), डिंडोरी और शहडोल जिले शामिल हैं। माना जाता है कि इस समूह की उत्पत्ति छोटा नागपुर पठार की भूमिया जनजाति से हुई है। जनजाति की आजीविका का स्रोत वन उपज है। उन्हें औषधीय जड़ी-बूटियों का व्यापक ज्ञान रखने के लिए जाना जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार, जनजाति की संख्या 4 लाख से अधिक है। **भैरा जनजाति** - यह समुदाय पातालकोट जिले में रहता है, जो कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष कमल नाथ के निर्वाचन क्षेत्र छिंदवाड़ा से 78 किमी दूर स्थित है। इस क्षेत्र की अन्य जनजातियों से काफी हद तक कटे हुए भारिया लोग पहाड़ियों से घिरी घोड़े की नाल के आकार की घाटी में रहते हैं। इनकी संख्या 1.9 लाख होने का अनुमान है। **सहरिया जनजाति**-यह समूह उत्तरी मध्य प्रदेश में रहता है, ज्यादातर ग्वालियर, दतिया, श्योपुर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, गुना और अशोक नगर जिलों में। 6.1 लाख की संख्या वाले इस समूह की आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि, दैनिक मजदूरी, शहद, तेंदू पत्ता, महुआ और औषधीय पौधों जैसे लघु वन उत्पादों का संग्रह और बिक्री है। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा जिले की सात सीटों सहित 38 विधानसभा सीटों के साथ, महाकोशल क्षेत्र भाजपा के लिए रुचि का क्षेत्र रहा है। 2018 में, कांग्रेस ने यहां भाजपा की 13 सीटों की तुलना में 24 सीटें जीतीं। 2013 में, स्क्रिप्ट उलट थी - भाजपा ने 24 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस 13 तक सीमित थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रिय लाडली बहना योजना भी संभावित रूप से इस क्षेत्र में लाभ दे सकती है, जिसमें 230 विधानसभा सीटों में से कम से कम 18 सीटों पर महिलाएं अपने पुरुष समकक्षों से आगे हैं, जिनमें बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जैसे महाकोशल के आदिवासी बहुल क्षेत्र भी शामिल हैं।

# विपक्षी गठबंधन में फूट के मायने

**अवधेश कुमार**

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 'इंडिया' गठबंधन की वर्तमान स्थिति पर व्यक्त की गई निराशा पर आश्चर्य का कोई कारण नहीं है। 'इंडिया' की मुंबई बैठक के बाद गतिविधियां पूरी तरह ठप्प हैं। यह प्रश्न चारों ओर से उठ रहा है कि आखिर इस गठबंधन का हुआ क्या? बिहार में विपक्ष से लेकर सोशल मीडिया पर नीतीश कुमार, 'इंडिया' को लेकर हास्य-व्यंग्य के भी शिकार हो रहे हैं। राजनीति में खासकर ऐसे मामलों में नेता जितना कुछ कहते हैं, उससे ज्यादा जो वह नहीं बोलते हैं, महत्वपूर्ण होता है। यह तो संभव नहीं कि नीतीश कुमार ने कांग्रेस के नेताओं से इस बीच बातचीत करने की कोशिश नहीं की होगी।

आखिर बिहार में भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद उनके लिए भविष्य की राजनीति का कोई एक सबसे बड़ा आधार हो सकता है, तो वह विपक्षी गठबंधन। पटना में पहली बैठक आयोजित कर उन्होंने विपक्षी मोर्चाबंदी की नींव डालने का श्रेय भी प्राप्त किया। ऐसा लगता है कि कांग्रेस से उनको सकारात्मक या उत्साहजनक जवाब नहीं मिला है। वहीं, मध्य प्रदेश में सपा व कांग्रेस के बीच तनाव और एक-दूसरे के विरुद्ध अशोभनीय वक्तव्यों के बाद 'इंडिया' के घटक दलों के आपसी संबंधों को लेकर अलग से कुछ कहने की आवश्यकता नहीं रह जाती।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मानें, तो कांग्रेस ने उन्हें छह सीट का वचन दिया था और वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह से उनकी बात भी हुई थी। कई बार गठबंधन के दल भी एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं, पर 2024 यदि 'इंडिया' के लिए 'करो या मरो' का प्रश्न है, तो विधानसभा चुनाव में कम से कम वचन और व्यवहार में उसकी झलक मिलनी चाहिए थी। कांग्रेस यदि सपा का कहा मान लेती, तो उससे चुनाव परिणाम पर बहुत ज्यादा फर्क नहीं आता,



बल्कि 'इंडिया' के ज्यादा सशक्त होने का संदेश जाता। आम आदमी पार्टी तो मैदान में उतरकर भाजपा के साथ कांग्रेस को भी निशाना बना रही है। नीतीश कुमार भले अखिलेश यादव की तरह कांग्रेस के विरुद्ध गुस्सा व्यक्त न करें, पर अंदर से उनकी स्थिति भी वैसी ही होगी। कांग्रेस का मानना है कि इन तीन राज्यों में यदि पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया, तो ही 'इंडिया' में उसकी हैसियत अपनी शर्तों पर गठबंधन करने की होगी।

वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व के रणनीतिकारों का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा तथा प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा एवं संघ के विरुद्ध सीधा आक्रामक रवैया अपनाने के कारण राहुल गांधी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में विजय के बाद सोनिया गांधी परिवार के तीनों सदस्य मान रहे हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार तथा भाजपा के विरुद्ध जनता में व्यापक असंतोष है और कांग्रेस को उनका समर्थन मिल सकता है। विपक्ष की पटना बैठक के साथ कांग्रेस के बड़े दल की भूमिका दिखने लगी थी। बंगलूरू में वह हावी होने के स्तर पर थी और मुंबई में ऐसा वातावरण बना, मानो कांग्रेस ही इसकी मुख्य कर्ताधर्ता और नेतृत्वकर्ता हो। ज्यादातर दलों को लगता था कि दो बार लोकसभा चुनाव में बुरी तरह हारने के बाद कांग्रेस के अंदर स्वयं को समायोजित करने का भाव ज्यादा गहरा होगा। पर, व्यवहार से ऐसा दिख नहीं रहा। अखिलेश यादव का गुस्सा या नीतीश कुमार की पीड़ा इसी की अभिव्यक्ति है।

यह तर्क दिया जा सकता है कि 'इंडिया' लोकसभा के लिए बना है, विधानसभा के लिए नहीं। यह बात गठबंधन की बैठक में तय हो जानी चाहिए थी। वाम मोर्चा ने साफ कर दिया है कि तृणमूल कांग्रेस के साथ उसका गठबंधन संभव नहीं है। यानी, यदि कांग्रेस और वाम मोर्चा का गठबंधन होगा, तो यह निश्चित रूप से तृणमूल के विरुद्ध होगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछताछ के लिए ईडी की ओर से दिए गए सम्मन पर 'इंडिया' की कोई सामूहिक प्रतिक्रिया नहीं थी। वर्तमान राजनीतिक माहौल से साफ है कि सारे भाजपा विरोधी दल उसे हराकर सत्ता में आना चाहते हैं, किंतु उनकी दृष्टि में व्यापकता और दूरगामी सोच का अभाव है। यदि विपक्ष की राजनीति में भाजपा के विरुद्ध समानांतर गहरी वैचारिकता और उसके प्रति प्रतिबद्धता होती, तो सभी दलों का व्यवहार अलग होता। विचारधारा की लड़ाई में छोटे राजनीतिक स्वार्थ कभी आड़े नहीं आ सकते। इसलिए 'इंडिया' की वर्तमान स्थिति से यह बात फिर प्रमाणित हुई है कि विचारधारा से ज्यादा निजी व दलीय हित ही 'इंडिया' के पीछे मुख्य कारक थे और आगे भी होंगे।

# तेलुगू देशम का पूरा जोर आंध्र प्रदेश पर

**आदिति फडणीस**

राष्ट्रीय राजमार्ग 16 पर राजमंड्री (राजामहेंद्रवरम) से गुंटूर तक की यात्रा में भारी यातायात के बावजूद साढ़े तीन घंटे से अधिक समय नहीं लगता है। लेकिन 31 अक्टूबर को इस यात्रा को तय करने में एन चंद्रबाबू नायडू को साढ़े ग्यारह घंटे लग गए। वह 'कौशल विकास घोटाले' से जुड़े मामले में जमानत मिलने के बाद अपने घर गुंटूर जिले के उंडावल्ली लौट रहे थे। जिस तेलुगू देशम पार्टी (ञ्रष्ठक्क) का उन्होंने चार दशकों तक नेतृत्व किया है, उस पार्टी ने उनकी 'रिहाई' के मौके पर उनके 'निर्दोष होने के साथ-साथ इसे सच्चाई की जीत' बताया है। हालांकि, तथ्य यह है कि नायडू को अभी जमानत इसलिए मिली है कि उनके वकीलों ने आग्रह किया था कि उन्हें तत्काल अपनी पसंद के अस्पताल में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराना जरूरी है। अदालत ने उन्हें 28 नवंबर को ऑपरेशन के बाद सरेंडर करने का निर्देश दिया है।

बुधवार की सुबह 4 बजे से ही लोग उनके स्वागत में सड़क के दोनों किनारों पर कतार में खड़े थे। राज्य के एक पूर्व मुख्य सचिव ने कहा, 'यह समर्थन का एक सहज प्रदर्शन था।' हालांकि आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ दल, युवजन श्रमिक रैयतु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) की प्रतिक्रिया में कोई घबराहट नहीं दिखती है। पार्टी की महासचिव सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने कहा, 'कौशल घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री की भूमिका बहुत स्पष्ट है। नायडू के एक प्रमुख सहयोगी पी श्रीनिवास राव से पूछताछ के बाद घोटाले के बारे में और जानकारी सामने आएगी। सच्चाई अब कैसे सामने आए जब पूर्व मुख्यमंत्री को अंतरिम जमानत दी गई है? अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत से ही नायडू ने अपने फायदे के लिए कई संस्थाओं से छेड़छाड़ की।' जेल में रहने के दौरान नायडू ने मिलने आने वाले पार्टी एक समूह को एक फैसले की जानकारी दी जिससे सभी हैरान हो गए। नायडू ने घोषणा की कि तेदेपा, तेलंगाना के आगामी विधानसभा चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। इस पर राज्य के पार्टी नेतृत्व ने गुस्से में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अविश्वास जताया। तेदेपा से इस्तीफे की घोषणा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कासानी ज्ञानेश्वर मुदिराज ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं पार्टी के फैसले से बहुत दुखी हूं। यह किसी भी राजनीतिक दल के लिए अच्छा संकेत नहीं है। तेलंगाना में तेदेपा कुछ सीटों पर बेहद मजबूत है और तेदेपा प्रमुख नायडू के जेल जाने के बाद काफी सहानुभूति की लहर भी है। मैंने चुनाव लड़ने पर सकारात्मक जवाब पाने के लिए पार्टी कार्यालय में इंतजार किया। हालांकि, मुझे इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि नायडू के फैसले के पीछे का सटीक कारण क्या है।'

हालांकि इन कारणों को बताना इतना भी कठिन नहीं है। वैसे जेल से लौटने पर उनका स्वागत करने के लिए आंध्र प्रदेश में उमड़ी भीड़ कहानी के एक हिस्से को बयां करती है जबकि आंकड़े बाकी हिस्से की जानकारी देते हैं। पिछले तेलंगाना विधानसभा चुनाव (2018) में तेदेपा ने कांग्रेस और वाम दलों के साथ महागठबंधन के तहत चुनाव लड़ा था। तेदेपा को अपने दम पर केवल 3.5 प्रतिशत वोट हिस्सेदारी मिली। उसने 13 सीटों पर चुनाव लड़ा लेकिन केवल दो सीटें जीतने में सफल रही। तेदेपा



के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'लाभ के संतुलन (तेलंगाना में चुनाव लड़ने में) को देखें तो यहां चुनाव लड़ना हमारे लिए अनुकूल नहीं है।' जिस राज्य के चुनावी मैदान में इसे अपेक्षाकृत जीत मिलने की संभावना बनती दिख रही है, तेदेपा ने उसी राज्य के विधानसभा चुनाव से बाहर रहने का फैसला कर लिया है जहां कभी उसका शासन हुआ करता था। पार्टी ने इसके बजाय अब उस राज्य में अपना ध्यान केंद्रित करने का फैसला कर लिया है जहां इसका जन्म हुआ था।

अफसरशाहों का कहना है कि आंध्र प्रदेश में जिस तरह से शासन चल रहा है उसमें काफी गड़बड़ियां हैं और यह येदुगुरी संदिंती जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार में बड़े पैमाने पर सत्ता विरोधी लहर का संकेत देते हैं। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जुलाई में लोकसभा को सूचित किया था कि 26 जुलाई, 2023 तक आंध्र प्रदेश का कुल विदेशी ऋण 11,817.17 करोड़ रुपये था। इस ऋण में एशियाई विकास बैंक, विश्व बैंक और न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों से उधार ली गई राशि शामिल है। कुछ ऋण से स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए फंडिंग की जानी है लेकिन यह वह राशि है जिसका भुगतान जरूर करना होगा। आंध्र प्रदेश के मंत्री बुग्गना राजेंद्रनाथ रेड्डी इस तरह की चिंताओं को तवज्जो नहीं देते हुए कहते हैं, 'महामारी से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद राज्य में कल्याणकारी योजनाओं को रोका नहीं गया है।'

हालांकि, राज्य के अफसरशाहों का तर्क है कि 12,000 करोड़ रुपये का राज्य ऋण चिंता का विषय होना चाहिए जैसा कि आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव एल वी सुब्रमण्यम ने भी इस बात पर जोर दिया है। जगन मोहन रेड्डी सरकार के लिए प्रमुख आकर्षण, कम आय वाले समूहों के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ा खर्च रहा है। फिर भी, हर कोई संतुष्ट नहीं है। एक थिंक टैंक का संचालन करने वाले कांग्रेस के एक समर्थक ने कहा, 'सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, डॉक्टरों और शहरी वेतनभोगी मध्यम वर्ग को सरकार से बहुत कम राहत मिली है। इसके अलावा बुनियादी ढांचे और संचार जैसे अन्य क्षेत्रों में सुधार नहीं हुआ है। ये समूह बेहद असंतुष्ट हैं। जब आप ब्राह्मणों और वैश्यों जैसे इन जाति समूहों को जोड़ते हैं, जो संख्या के लिहाज से छोटे लेकिन प्रभावशाली हैं तब आपको और अधिक असंतोष का पता चलेगा।'

दूसरी तरफ, तेदेपा को प्राथमिक समर्थन कम्मा समुदाय के बीच मिला है जो एक धनी जमींदार जाति है और जिसने चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में तब प्रौद्योगिकी क्रांति का लाभ उठाया जब प्रदेश का विभाजन नहीं हुआ था। यह समुदाय अब संभवतः विदेश में भारतीय प्रवासियों में सबसे बड़ा जाति समूह है। वर्ष 1980 के दशक में तेदेपा के उभार के साथ ही कम्मा जाति ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले रेड्डी-ब्राह्मण वर्चस्व को चुनौती देने और खुद को एक राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करने का अवसर देखा। हालांकि विश्लेषक नायडू का समर्थन करने में कम्मा समुदाय की एकता की सीमा को लेकर अनिश्चित हैं। लेकिन वे इस बात से सहमत जरूर हैं कि उनकी गिरफ्तारी ने उनके समर्थन आधार को मजबूत किया है।

आंध्र प्रदेश की 175 सदस्यीय विधानसभा के लिए छह महीने में चुनाव होने हैं। लोकनीति-सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज के एक सर्वेक्षण में 2019 के विधानसभा चुनाव का विश्लेषण किया जिसके मुताबिक वाईएसआरसीपी 151 सीटों और 49.9 प्रतिशत वोट के साथ निर्विवाद रूप से चुनावी लहर को पूरी तरह अपने नियंत्रण में करने में कामयाब रही। हालांकि तेदेपा भी सम्मानजनक तरीके से 39 प्रतिशत वोट हिस्सेदारी हासिल करने में सफल रही जबकि उसे केवल 23 सीटें ही मिलीं। भारतीय जनता पार्टी अब भी राज्य में एक छोटी भूमिका निभा रही है (2019 में, इसे महज 0.84 प्रतिशत वोट मिले और एक भी सीट पर जीत नहीं मिली) और कांग्रेस राज्य के वोटों के विभाजन में अपनी भूमिका के लिए बदनाम रही है। ऐसे में पूरी लड़ाई वाईएसआरसीपी बनाम तेदेपा है। इस बार तेदेपा ने राज्य की सत्ता में वापसी करने का निश्चय किया है।

# धनतेरस पर इन 5 चीजों का दिखना है बेहद शुभ, मां लक्ष्मी की बरसेगी कृपा

**धनतेरस 10 नवंबर 2023 को है। ये दिन धन-समृद्धि प्रदान करता है, ऐसे में धनतेरस के दिन कुछ खास चीजों का दिखना सोने पर सुहागा जैसा है। इससे धन की हर समस्या का समाधान हो जाता है।**

सिक्का :- धनतेरस पर राह चलते हुए सिक्का मिल जाए तो इसे धन लाभ का संकेत माना जाता है, इसे आप तिजोरी में संभालकर रखें। इससे कभी दरिद्रता नहीं आएगी।

कौड़ी :- कौड़ी मां लक्ष्मी का स्वरूप है। धनतेरस के दिन अचानक कौड़ी का मिलना मां लक्ष्मी की प्रसन्नता को दर्शाता है। मान्यता है इससे जल्द ही आपकी धन संबंधी समस्या खत्म हो जाएगी।

किन्नर :- किन्नरों का आशीर्वाद बहुत पुण्यफलदायी माना जाता है। अगर धनतेरस के दिन आपको किन्नर दिखें तो उन्हें बिना कुछ दान किए जानें न दें। संभव हो तो किन्नर से इस दिन सिक्का मांग लें। कहते हैं इससे धन लक्ष्मी घर में वास करती हैं।

बिल्ली :- सफेद बिल्ली शुभ मानी जाती है। धनतेरस पर सफेद बिल्ली दिख जाए तो सौभाग्य में वृद्धि होती है। कार्य बिना अड़चने के दूर होते हैं।

छिपकली :- छिपकली अगर धनतेरस पर दिखे तो इसे संपत्ति में बढ़ोत्तरी होने का संकेत माना जाता है। इससे कुबेर संग मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है।

## धनतेरस के दिन इन 3 स्थानों पर दीया जलाएं, साल भर नहीं होगी धन की कमी

**धनतेरस का त्योहार आपके धन में 13 गुना वृद्धि लेकर आता है। इस दिन कोई भी शुभ कार्य करने से आपको उसका 13 गुना फल मिलता है और मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न होकर आपके परिवार पूरे साल कृपा बनाए रखती हैं। धनतेरस के दिन दीपदान करने का विशेष महत्व होता है। घर से आर्थिक तंगी दूर करने के लिए धनतेरस पर दीपदान करने का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है।**

### पूजाघर में जलाएं अखंड दीपक

घर से निर्धनता दूर करने के लिए पूजाघर में धनतेरस की शाम को अखंड दीपक जलाएं जो कि जो दीपावली की रात तक जरूर जलता रहना चाहिए।

अगर भैयादूज तक अखंड दीपक जलाएं तो आपको और भी लाभ होगा और आपके घर से सभी वास्तुदोष दूर होंगे। घर में सुख समृद्धि बढ़ेगी और मां लक्ष्मी की कृपा आप सब पर बनी रहेगी।

### ईशान कोण में जलाएं दीपक

धनतेरस के दिन ईशान कोण में गाय के घी का दीपक जलाएं। बत्ती में रुई के स्थान पर लाल रंग के धागे का उपयोग करें साथ ही दिए में थोड़ी सी केसर भी डाल दें। इस दीपक को संभव हो तो दीपावली के दिन तक जलाकर रखें।

इससे आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी।

### काली गुंजा से करें यह उपाय

धनतेरस के दिन घर में तेल का दीपक प्रज्वलित करें तथा उसमें दो काली गुंजा डाल दें।

गन्धादि से पूजन करके अपने घर के मुख्य द्वार पर अन्न की ढेरी पर रख दें। साल भर आर्थिक अनुकूलता बनी रहेगी। स्मरण रहे वह दीप रातभर जलते रहना चाहिए, बुझना नहीं चाहिए। आपके घर में मां लक्ष्मी की कृपा से अन्न और धन में वृद्धि होगी।

# धनतेरस पर धन वृद्धि के लिए 13 बार करें ये उपाय

## जानें इस दिन 13 संख्या का महत्व

**समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसी दिन को धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन धनतेरस पर कुबेर देव, मां लक्ष्मी, आयुर्वेद के जनक भगवान धनवंतरि की पूजा कर धन-समृद्धि की कामना की जाती है। इस दिन से दिवाली का 5 दिन का त्योहार शुरू हो जाता है। इस साल धनतेरस 10 नवंबर 2023 को है। इस दिन 13 अंक का विशेष महत्व है, जानें धनतरेस पर कौन से काम 13 बार की संख्या में करने चाहिए, इससे क्या लाभ मिलता है।**

### धनतेरस पर 13 संख्या का महत्व

धन अर्थात समृद्धि और तेरस मतलब तेरह दिन। धनतेरस का पर्व धन और स्वास्थ से जुड़ा है। इस दिन मां लक्ष्मी और कुबेर देव की पूजा करने पर, खरीदारी करने से धन और उस वस्तु में 13 गुना वृद्धि होती है। वहीं भगवान धनवंतरी की उपासना से स्वास्थ में तेरह गुना लाभ मिलता है। इसलिए इस दिन 13 की संख्या शुभ मानी जाती है।

### धनतेरस पर 13 की संख्या में करें ये उपाय

13 कौड़ियां - धन लाभ के लिए धनतेरस पर प्रदोष काम में 13 कौड़ियां हल्दी में रंगकर मां लक्ष्मी और कुबेर देवता को पूजा में चढ़ाएं और फिर रात्रि में इन कौड़ियों को घर के अलग-अलग कोने में गाड़ दें।

मान्यता है इससे घर में बरकत का वास होता। लक्ष्मी आकर्षित होती है। धन की कमी नहीं होती।

**13 दीपक** - धनतेरस से दीपोत्सव शुरू हो जाता है। इस दिन शाम के समय 13 की संख्या में दीप जलाएं और इन्हें घर और बाहर आंगन में रख दें। ये उपाय मां लक्ष्मी को प्रसन्न करता है। इससे नौकरी और व्यापार में आ रही बाधाएं दूर होती है। घर में मौजूद नकारात्मकता ऊर्जा का नाश होता है।

**बर्तन में 13 धनिया**- कहते हैं भगवान धन्वंतरी उत्पन्न हुए थे उनके हाथों में एक पीतल का कलश था इसलिए धनतेरस के दिन पीतल का बर्तन खरीदना काफी शुभ माना गया है।

धनतेरस के दिन खरीदे गए बर्तनों में लोग अन्न, या धनिया आदि भरकर रखते हैं। मान्यता है कि इससे सदैव अन्न और धन के भंडारे भरे रहते हैं। इस दिन चांदी के बर्तन भी खरीदना शुभफलदायी होता है।

**13 सिक्के** - धनतेरस पर आमतौर पर लोग सोना-चांदी के आभूषण या सिक्के खरीदते हैं। ऐसे में इस दिन एक नया चांदी का सिक्का और जो पुराने कुछ सामान्य सिक्के हल्दी से रंगें और फिर उन्हें देवी लक्ष्मी के चरणों में अर्पित करें। कहते हैं इससे घर में लक्ष्मी जी ठहर जाती हैं। आर्थिक तंगी और कर्ज से शीघ्र छुटकारा मिल जाता है।

13 चीजों का दान - धनतेरस के दिन अन्न, वस्त्र, दीप, लोहा, नारियल, मिठाई आदि चीजों का दान करना अति शुभ होता है। इससे धन-संपदा में वृद्धि होती है। कहते हैं धनतेरस पर अगर इन चीजों को 13 की संख्या में दान किया जाए तो दुर्भाग्य कभी पास नहीं आता।

**13 बार मंत्र जाप** - ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन्य धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय दापय स्वाहा। ये कुबेर देव का मंत्र है। मान्यता है धनतेरस के दिन 13 बार कुबेर मंत्र का जाप करने से अपार धन प्राप्त होता है।

## पूजा घर में रखते हैं माचिस तो आज ही हटा दें, वरना झेलनी पड़ सकती है मुसीबत

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के लिए कई नियम बताए हैं। वहीं वास्तु शास्त्र में भी पूजा घर से लेकर पूजा-पाठ के नियम व दिशा बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करने से पूजा सफल होती है और घर पर सुख-समृद्धि आती है। हर घर पर देवी-देवताओं की पूजा के लिए एक विशेष स्थान, पूजाघर या मंदिर बना होता है। यह घर का सबसे पवित्र स्थान होता है। पूजाघर में देवी-देवताओं की नियमित पूजा भी की जाती है। इसलिए यह बेहद जरूरी हो जाता है कि इस पवित्र स्थान पर किसी तरह का कोई दोष न हो। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजाघर में दोष होने से कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है।

### पूजा में क्यों नहीं रखनी चाहिए माचिस की डिब्बी

पूजाघर में हम पूजा-पाठ से जुड़ी कई सामग्री रखते हैं। इन्हीं में एक है माचिस की डिब्बी, जिसका इस्तेमाल दीप, धूप या अगरबत्ती जलाने में किया जाता है। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजाघर में माचिस की डिब्बी रखने को बहुत अशुभ बताया गया है।

पूजाघर में माचिस की डिब्बी रखने से घर पर नकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह बढ़ता है। पूजाघर पवित्र स्थान होता है, ऐसे में इस पवित्र स्थान पर ज्वलनशील सामग्री रखना अशुभ माना जाता है।

माचिस के साथ ही पूजाघर में लाइटर आदि जैसी ज्वलनशील सामग्री भी नहीं रखनी चाहिए। यदि आप पूजा-पाठ का शुभ फल पाना चाहते हैं तो, मंदिर में इन चीजों को न रखें। आप धूप-दीप जलाने के बाद इसे किसी अन्य स्थान पर रख सकते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, माचिस को मंदिर में या भगवान की मूर्ति के पास नहीं रखना चाहिए। माचिस जलाने के बाद इसकी तिली को भी मंदिर में नहीं फेंकना चाहिए। क्योंकि माचिस की जली हुई तीलियां नकारात्मकता को बढ़ाती है, जोकि घर के लिए दुर्भाग्य का कारण भी बनती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिर या पूजाघर के साथ ही बेडरूम में भी माचिस या लाइटर जैसी ज्वलनशील चीजें नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से इसका नकारात्मक प्रभाव दांपत्य जीवन पर पड़ता है।

## रमा एकादशी व्रत से होती है सुख-सौभाग्य-समृद्धि में वृद्धि

**रमा एकादशी के व्रत से व्यक्ति पाप से मुक्त होकर विष्णु लोक को जाता है। दिवाली से पहले आने वाली रमा एकादशी सुख, सौभाग्य, सृमद्धि में वृद्धि का वरदान देती हैं। एकादशी के दिन श्रीहरि विष्णु की पूजा का विधान है लेकिन इस एकादशी के प्रताप से लक्ष्मी-नारायण की विशेष कृपा बरसती है, आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। रमा एकादशी का व्रत कथा के बगैर अधूरा माना जाता है। इस साल रमा एकादशी 9 नवंबर 2023 गुरुवार को है।**

### रमा एकादशी व्रत कथा

पौराणिक काल में मुचुकुंद नाम का राजा राज्य करता था। वह बड़ा सत्यवादी तथा विष्णुभक्त था। उसका राज्य बिल्कुल निष्कंटक था। उसकी चन्द्रभागा नाम की एक कन्या थी, जिसका विवाह उसने राजा का पुत्र सोभन से कर दिया। राजा मुचुकुंद एकादशी का व्रत बड़े ही नियम से करता था और उसके राज्य में सभी क्रठोरता से इस नियम का पालन करते थे।

### नगर में मनुष्य से लेकर पशु-पक्षी भी रखते थे एकादशी व्रत

एक बार कार्तिक माह में राजकुमार सोभन अपनी ससुराल आया हुआ था। उस दौरान रमा एकादशी का व्रत आने वाला था। सोभन की पत्नी चन्द्रभागा ने सोचा कि मेरे पति तो बड़े कमजोर हृदय के हैं, वे एकादशी का व्रत कैसे करेंगे, जबकि पिता के यहां तो सभी को व्रत करने की आज्ञा है। चंद्रभागा ने पति को बताया कि यहां जीव-जंतु भी एकादशी के दिन भोजन नहीं करते हैं, ऐसे में अगर राज्य का दामाद ही व्रत नहीं करेगा तो उसे राज्य के बाहर जाना पड़ेगा।

### पति को अगले जन्म में मिला मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

चंद्रभागा की इस बात को सुनने के बाद आखिरकार शोभन को रमा एकादशी व्रत रखना ही पड़ा। लेकिन, पारण करने से पहले ही उसकी मृत्यु हो गयी। इसके बाद चंद्रभागा अपने पिता के यहां ही रहने लगी। यहां रहकर ही पूजा-पाठ और व्रत करती थी।

वहीं एकादशी व्रत के प्रभाव से शोभन को अगले जन्म में देवपुर नगरी का राज्य प्राप्त हुआ जहां धन-धान्य और ऐश्वर्य की कोई कमी नहीं थी। एक दिन मुचुकुंद के नगर के ब्राह्मण ने शोभन को देखा तो उसे पहचान लिया।

### दोबारा साथ आए पति-पत्नी

ब्राह्मण नगर को लौट चंद्रभागा को पूरा वाक्या बताता है।

चंद्रभागा ने बताया कि वह पिछले 8 साल से एकादशी व्रत कर रही है इसके प्रभाव से पति शोभन को पुण्य फल की प्राप्ति होगी। चंद्रभागा शोभन के पास जाती है और उसे एकादशी व्रत का समस्त पुण्य सौंप देती हैं। इसके बाद मां लक्ष्मी की कृपा से देवपुर में सुख, सौभाग्य और समृद्धि में वृद्धि होती है और चंद्रभागा-सोभन साथ रहने लगते हैं।

## परेशानियों से घिर गया है जीवन तो कर लें ये उपाय, बप्पा लगाएंगे बेड़ा पार

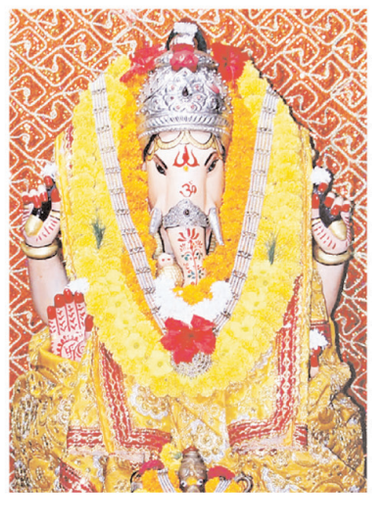

हिंदू धर्म में प्रत्येक दिन का कोई न कोई महत्व जरूर होता है। सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी या देवता को जरूर समर्पित होता है। बुधवार का दिन भगवान श्री गणेश को समर्पित है। कहा जाता है कि भगवान श्री गणेश प्रथम पूज्य देव हैं। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले मंगलकर्ता भगवान गणेश की पूजा जरूर की जाती है। धर्म शास्त्रों में मान्यता है कि जिस जगह विघ्नविनाशक का वास होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि, शुभ-लाभ और मां लक्ष्मी भी विराजती हैं। इनकी कृपा से सब मंगल ही मंगल होता है। बुधवार के दिन गणपति बप्पा की पूजा से जातकों की बुद्धि कुशाग्र होती है। इसके अलावा बुधवार के दिन कुछ उपाय करने से विघ्नहर्ता श्री गणेश की कृपा प्राप्त होती है। तो चलिए जानते हैं बुधवार के दिन भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए क्या उपाय करने चाहिए...

कहा जाता है कि गणपति बप्पा को हरा रंग बेहद प्रिय है। ऐसे में यदि आपका बुध कमजोर है, तो हमेशा अपने पास हरे रंग का रुमाल रखें। साथ ही बुधवार के दिन किसी जरूरतमंद को हरी मूंग की दाल या हरे वस्त्रों का दान करें। इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनना भी शुभ होता है।

विघ्नहर्ता श्री गणेश की कृपा पाने के लिए बुधवार के दिन पूजा करते समय भगवान गणेश के माथे पर सिंदूर लगाकर तिलक करें। इसके बाद अपने माथे पर भी लगाएं। ऐसा करने से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय हैं, इसलिए उनकी पूजा में मोदक का प्रसाद अवश्य रखा जाता है। यदि आप जीवन में परेशानियों का सामना कर रहे हैं तो बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा के दौरान उन्हें लड्डू का भोग जरूर लगाएं।

गणेश जी को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। ऐसे में प्रत्येक बुधवार को 21 दूर्वा गणेश जी को जरूर चढ़ाएं। इससे आपके जीवन में कभी परेशानियां नहीं आएंगी और गणेश जी का आशीर्वाद आप पर सदैव बना रहेगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

## भाजपा की ताकत ईडी है और मेरी गारंटी : सीएम गहलोत

**जयपुर।** राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पार्टी की सात गारंटी के कारण राजनीतिक स्थिति कांग्रेस के अनुकूल हो गई है और उन्होंने भाजपा पर राज्य में भ्रम पैदा करने का भी आरोप लगाया।

जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि आज राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नहीं, बल्कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस के पास चेहरे भी हैं और नेता भी। जनता कांग्रेस के साथ है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है जैसे ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग किया जा रहा है। वे बच्चों को भी परेशान कर रहे हैं। कोई केस नहीं, कोई एफआईआर नहीं। जनता सब समझ रही है और जल्द ही जवाब देगी। गहलोत ने साफ तौर पर कहा, भाजपा की शक्ति ईडी है, मेरी शक्ति गारंटी है। सीएम गहलोत ने आगामी चुनावों पर भरोसा जताते हुए कहा कि राज्य सरकार के काम के कारण मौजूदा स्थिति कांग्रेस के पक्ष में है।

## जनसंख्या नियंत्रण टिप्पणी पर नीतीश ने मांगी माफी

**पटना।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य विधानसभा में जनसंख्या नियंत्रण में महिलाओं की शिक्षा की भूमिका पर अपनी विचित्र टिप्पणी के बाद बुधवार को माफी मांगी। मंगलवार को राज्य विधानसभा में महिला शिक्षा के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया जिसे विपक्ष ने अश्लील और अपमानजनक बताया। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी यह बताते हुए की कि बिहार की प्रजनन दर 4.2 से घटकर 2.9 प्रतिशत क्यों हो गई है। नीतीश कुमार ने कहा, 'पति के कृत्यों के कारण अधिक बच्चे जन्म लेते हैं। हालांकि, एक शिक्षित महिला जानती है कि उसे कैसे रोकना है... यही कारण है कि जन्म लेने के मामलों में कमी आ रही है।' बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनसंख्या नियंत्रण के लिए महिलाओं की शिक्षा के महत्व पर टिप्पणी को लेकर मंगलवार को विवाद उत्पन्न हो गया और राज्य की विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन पर निशाना साधा।

## नीतीश मानसिक संतुलन खो चुके हैं : नित्यानंद राय

**पटना।** केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विधानसभा में जाति जनगणना पर बहस के दौरान महिलाओं पर की गई अभद्र टिप्पणी को शर्मनाक बताते हुए कहा कि नीतीश कुमार अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं और अब बो मुख्यमंत्री पद के भी लायक नहीं रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बयान को भारतीय राजनीति पर बदनुमा दाग बताते हुए केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि उनका बयान हमें केवल आज नहीं, आने वाले कल में भी शर्मसार करता रहेगा। मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री राय ने कहा, उनकी टिप्पणी की केवल तीव्र भर्त्सना की जा सकती है। वह न केवल बेहद आपत्तिजनक है बल्कि बतौर मुख्यमंत्री विधानसभा में दिया गया बेहद निंदनीय बयान है। उन्होंने आगे कहा, ऐसा बयान केवल वही व्यक्ति दो सकता है, जिसने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। मानसिक रूप से दीवालिया हो चुका आदमी ही महिलाओं के खिलाफ ऐसे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर सकता है। वह अब सीएम पद संभालने के लायक नहीं हैं।

## ईडी ने अभिषेक बनर्जी को आज पेश होने के लिए समन किया

**कोलकाता।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित स्कूल रोजगार घोटाले की जांच के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को नौ नवंबर को यहां पेश होने के लिए समन किया है। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने बुधवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता शशि पांजा ने कहा कि बनर्जी बृहस्पतिवार को ईडी के सामने पेश होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी 'बदले की राजनीति' का शिकार हुए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा अगले साल होने जा रहे महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव से पहले अपने विरोधी नेताओं को परेशान करने के लिए ऐसी प्रतिशोध की राजनीति कर रही है। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रवक्ता शमिक लाहिड़ी ने कहा कि पार्टी बदले की राजनीति में विश्वास नहीं करती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा समन अदालत की निगरानी में किया जा रहा है और अगर तृणमूल कांग्रेस को कोई दिक्कत है तो वह अदालत का रुख कर सकती है।

## तेलंगाना में हम पिछले रिकॉर्ड तोड़ने में सक्षम होंगे : केटीआर

**हैदराबाद।** भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उनकी यह टिप्पणी विपक्षी दलों पर कांग्रेस के बी-टीम आरोप पर आई है। केटीआर ने यह भी कहा कि वह और उनकी पार्टी तेलंगाना में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साहित होने के साथ-साथ घबराई हुई भी हैं। केटी रामाराव ने कहा कि मुझे लगता है कि हम अपने पिछले रिकॉर्ड तोड़ने में सक्षम होंगे, खासकर क्योंकि राज्य के लोगों ने हमें पहले ही दो कार्यकाल दिए हैं, और वही ट्रेंडलाइन जारी है। हम पिछली बार की तुलना में अधिक जीतेंगे। क्या भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और बीआरएस छाया-मुक्केबाज़ी कर रहे हैं, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी देश में किसी तीसरे व्यक्ति को उभरते देखना चाहेंगे।

### मध्यप्रदेश के दमोह में बोले नरेंद्र मोदी - रिमोट से चलते हैं कांग्रेस के अध्यक्ष

# हमारी गारंटी वोट बटोरने की नहीं, देशवासियों के सामर्थ्य बढ़ाने की होती है : प्रधानमंत्री

**भोपाल।** मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर प्रचार जोरों पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के दमोह में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज दमोह और पूरा मध्य प्रदेश कह रहा है - एक बार फिर मोदी सरकार। आप सभी के आशीर्वाद से पूरे विश्व में आज भारत का परचम लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि आज जमीन से लेकर अंतरिक्ष तक भारत का गौरवगान हो रहा है। भारत का चंद्रयान वहां पहुंचा है, जहां दुनिया का कोई देश नहीं पहुंचा। भारत में हुए जी20 सम्मेलन की प्रशंसा पूरे विश्व में हो रही है। भारत के युवा बेटे-बेटियां खेल के मैदान में आज नए-नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एक गाथा- बुंदेले हर बोलो, हम बचपन में सुनते थे और एक गाथा आज हम दुनिया को सुना रहे हैं। भारत का ये गौरवगान आज संभव न हो पाता, अगर मध्यप्रदेश का इतना आशीर्वाद मुझपर न होता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी सिर्फ और सिर्फ आपका सेवक है। आपका जीवन बेहतर हो, आपके जीवन से मुश्किलें कम हो, यही मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा देश को आजाद हुए इतने साल हो चुके हैं, लेकिन इतने वर्षों से कांग्रेस देश से एक ही झूठ बार-बार बोलती रही है, गरीबी खत्म करने का नारा देती रही। कांग्रेस कभी गरीबी खत्म नहीं कर पाई, क्योंकि कांग्रेस के नेताओं की नीयत ठीक नहीं थी। उन्होंने कहा कि आज केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है। भाजपा के सेवाकाल में देश गरीबी से बाहर निकल रहा है, अपनी गरीबी दूर कर रहा है। आज पूरी दुनिया भारत में हो रहे विकास की चर्चा कर रही है।

मोदी ने कहा कि 2014 में जब हम सरकार में आए, तब हमारा देश दुनिया की 10वें नंबर की आर्थिक ताकत था। आज भारत ने 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बनकर उस देश को पीछे छोड़ दिया है, जिसने 200 साल तक हम पर राज किया था। उन्होंने कहा कि ये मोदी की गारंटी है कि जब तीसरी बार मेरा सेवाकाल प्रारंभ होगा, मैं इस देश की अर्थव्यवस्था को दुनिया की टॉप 3 में लाकर रहूंगा। हमारे

गारंटी खजाने लुटाने की नहीं होती, बल्कि हमारी गारंटी देश को ऑन-बान-शान के साथ आगे ले जाने की होती है। हमारी गारंटी वोट बटोरने की नहीं, बल्कि देशवासियों के सामर्थ्य बढ़ाने की होती है। उन्होंने कहा कि आज का ये समय कांग्रेस से सबसे ज्यादा सावधान रहने का है। कांग्रेस वो पार्टी है, जो गरीबों के हक का पैसा छीन लेती है, हजारों करोड़ रुपये के घोटाले करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महादेव बैटिंग का खेल सामने आया है। इस क्रम में राजस्थान में रेड डायरी का प्रकरण बाहर आया है, इससे पता चलता है कि कांग्रेस का मतलब बर्बादी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने झूठे वादों की झड़ी लगा दी। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ये बात जानती है कि युवा उनपर विश्वास नहीं करते हैं, क्योंकि उनका भ्रष्टाचार के मामले में ट्रैक रिकॉर्ड खराब रहा है। साल 2018 में उन्होंने किसानों के कर्ज माफ करने की बात कही थी, लेकिन किसान 15 महीनों से इसी बात का इंतजार कर रहा है कि आखिर कब उसे राहत मिलेगी। लेकिन, अभी तक कुछ नहीं हुआ है। नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक समाज को दूसरे समाज से लड़ाकर कुर्सी पर कब्जा करने का खेल खेलती है। कांग्रेस के लिए देश और राज्य का विकास जरूरी नहीं है, बल्कि कांग्रेस के लिए सिर्फ अपना स्वार्थ ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले देश ने 10 वर्ष तक कांग्रेस को मौका दिया था। लेकिन किसी को पता ही नहीं था कि देश के प्रधानमंत्री क्या कर रहे हैं, क्योंकि सब रिमोट से चल रहा था। आज भी कांग्रेस की रिमोट की आदत नहीं जा रही है, उस समय प्रधानमंत्री रिमोट से चलते थे, इन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष रिमोट से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष वरिष्ठतम नेताओं में से एक हैं, लेकिन वो बस नाममात्र के रह गए हैं। कभी कभी वो खुद के मूड में आ जाते हैं। मैंने कहीं पढ़ा कि कल उन्होंने पांडवों को याद किया था। जब रिमोट चलता है, तब वो सनातन को गाली देते हैं, लेकिन रिमोट बंद होते ही उन्होंने सनातन को याद किया। कल उन्होंने कहा कि भाजपा में 5 पांडव हैं। हमे गर्व है कि हम पांच पांडवों की राह पर चल रहे हैं।

### गुना में गरजे प्रधानमंत्री मोदी

दमोह के बाद पीएम मोदी गुना जिले के दौरे पर पहुंचे। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। मोदी ने कहा कि हमने महिलाओं को घर का मालिक बनाया है। हमने चार करोड़ लोगों को पक्के घर दिए हैं। हम वो लोग हैं जितनी भक्ति से राम मंदिर बनाते हैं उतनी ही भक्ति से गरीबों के घर भी बनाते हैं। हमने गुना के 22 हजार लोगों को पक्के घर दिए हैं। लाडली बहना योजना और लाडली लक्ष्मी योजना से हम बहनों बेटियों को सशक्त कर रहे हैं। नोटबंदी को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग नोट के गद्दों पर सोते थे उनकी नींद उड़ गई थी। मुझे भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस मुझे सौ-सौ गालियां देते हैं। जो मुझे गालियां देते हैं, ये सारे लोग किसी न किसी घोटाले में फंसे हुए हैं। लेकिन ये लोग चाहे कितनी भी गालियां दे भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई नहीं रुकेगी। इसी साल मध्यप्रदेश के लोगों को केंद्र सरकार ने हजारों करोड़ रुपये लोगों को भेजे हैं, क्योंकि यहां कोई पंजा सरकार में नहीं है। अगर कांग्रेस यहां गलती से भी आ गई तो यहां 85 फीसदी कमीशन तय है। कांग्रेस फिर से एमपी को बीमारू राज्य बना देगी। युवाओं को कांग्रेस से सावधान रहना है।

### छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का प्रधानमंत्री पर वार

# कांग्रेस जो कहती है, वो कर दिखाती है: राहुल

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे हैं। अंबिकापुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि मैंने पिछले चुनाव में कहा था कि किसानों का कर्ज माफ होगा। लिख लीजिए, इस बार माफ होगा। पिछली बार हमने कहा था %बिजली बिल हाफ% इस बार 200 यूनिट तक बिजली की खपत पर बिजली बिल माफ कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि छत्तीसगढ़ के 40 लाख परिवारों को बिजली के लिए एक पैसा भी नहीं देना होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह भारत का पहला राज्य होगा जहां केजी से पीजी तक की पढ़ाई मुफ्त होगी

राहुल गांधी वहां मौदूद लोगों से कहा कि बीजेपी आपको %वनवासी% कहती है, हम आपको %आदिवासी% कहते हैं। बीजेपी आपका हक छीनती है, हम आपको आपका हक देते हैं। हम आपको गले लगाते हैं और बीजेपी आप पर पेशाब करती है। बीजेपी नेता आप पर पेशाब करते हैं और उसका वीडियो वायरल करते हैं ताकि पूरा देश देखे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के नेता कहते हैं आदिवासियों को हिंदी सीखनी चाहिए, अंग्रेज़ी मत सीखिए। लेकिन आप किसी भाजपा के नेता से पूछे कि आपका बच्चा कहां पढ़ता है? तो वे कहेंगे इंग्लिश मीडियम में पढ़ता है, आपका(भाजपा) बच्चा इंग्लिश मीडियम में पढ़ता है तो आदिवासी का बच्चा इंग्लिश मीडियम में क्यों नहीं पढ़ सकता है... हमने राज्य में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का जाल बिछा दिया है ताकि हर युवा अंग्रेज़ी पढ़ सके।

कांग्रेस नेता ने कहा कि आपको विदेश जाना हो, डॉक्टर, इंजीनियर बनना हो तो अंग्रेज़ी आनी चाहिए लेकिन वे कहते हैं हिंदी पढ़े, क्यों? क्योंकि वे चाहते हैं कि आपके बच्चे अंग्रेज़ी न सीखें, विदेश से कोई आए तो आप उनसे बात न कर पाए... वे आपको नौकरी न दें पाए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि छत्तीसगढ़ में फिर से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, जनता की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि क्रूमोदी ने आपसे वादा किया था कि सभी के खाते में 15 लाख रुपए आएंगे, नोटबंदी से काला धन वापस आएगा, कृषि कानून से किसानों को फायदा होगा। लेकिन किसी के खाते में पैसे नहीं आए, किसानों ने किसान बिल को रद्द कर दिया। वहीं कांग्रेस जो कहती है, वो कर दिखाती है। अब हमने घोषणा की है कि धान के लिए 3,200 रुपए मिलेंगे और यह किसानों की जरूरत के मुताबिक बढ़ते जाएंगे। हम किसानों के लिए जो भी कर सकेंगे, करके दिखा देंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

## ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच होगा सेमीफाइनल

**नईदिल्ली।** वनडे वर्ल्ड कप 2023 में होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले की तस्वीर अब धीरे-धीरे साफ हो रही है। प्वाइंट्स टेबल में नंबर दो पर विराजमान साउथ अफ्रीका की टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। वहीं पहले सेमीफाइनल में भारत का सामना प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम के साथ होगा।

चौथे स्थान के लिए अभी तीन टीमों के बीच मुकाबला देखा जा रहा है। पाकिस्तान-न्यूजीलैंड और अफ़गानिस्तान इन तीनों टीमों में से कोई एक टीम चौथे स्थान पर आ सकती है। जिससे भारतीय टीम का मुकाबला सेमीफाइनल में होगा। भारतीय टीम इस वर्ल्ड कप में ज़बरदस्त फ़ॉर्म से गुजर रही है। लगातार आठ मुकाबले जीतने के बाद भारत टॉप पर विराजमान है।

अपने सात मैच जीतने के बाद सबसे पहले भारतीय टीम ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। सेमीफाइनल का टिकट हासिल करने के बाद भी भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार तरीके से जारी है। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ एकतरफा अंदाज में जीत हासिल की थी। भारत ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में नीदरलैंड से रविवार को भिड़ने वाला है।

वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल के लिए तीन टीम क्वालीफाई कर चुकी है। लेकिन चौथी टीम का नाम सामने आना अभी बाकी है। भारत-साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं चौथे स्थान के लिए पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिल रही है। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को अपने आखिरी मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद होगी। अगर यह दोनों ही टीम अपना आखिरी मुकाबला हार जाती है तो ऐसी सूरत में अफगानिस्तान की टीम को फायदा पहुंच सकता है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 33 अंक चढ़ा निफ्टी 19,450 के नीचे

**नईदिल्ली।** हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में ट्रेडिंग के बाद हरे निशान पर बंद हुए। आज ग्लोबल मार्केट में नकारात्मक रुझान देखा गया। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स सिर्फ 33 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 36 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.8 प्रतिशत और 0.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 33.21 अंक यानी 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 64,975.61 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,124.00 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,851.068 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 36.80 अंक यानी 0.19 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,443.50 अंक पर बंद हुआ।

## 2024 तक 11 गीगावॉट परिचालन क्षमता बढ़ाने की तैयारी में अदाणी ग्रीन एनर्जी

**नईदिल्ली।** अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 14,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है और वित्त वर्ष 2024 में 11 गीगावॉट की परिचालन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। एजीईएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित सिंह ने निवेशक प्रस्तुति में कहा कि कंपनी के पास सौर, पवन तथा हाइब्रिड क्षमता में 8.4 गीगावॉट का परिचालन नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) खंड है। सिंह ने कहा, वित्त वर्ष 2023-24 में 2.8-3 गीगावॉट क्षमता देने की योजना के साथ कंपनी का परिचालन खंड बढ़कर 11 गीगावॉट हो जाएगा। क्षमता वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा गुजरात के खावड़ा से आएगा जहां कंपनी का कार्यबल 5,000 से अधिक है। उन्होंने कहा कि कंपनी की योजना वित्त वर्ष 2025 से हर साल पांच गीगावॉट आरई खंड जोड़ने की है।

## आईआरसीटीसी का दूसरी तिमाही में नेट प्रॉफिट 30.36% बढ़ा

**नईदिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईआरसीटीसी का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 30.36 प्रतिशत बढ़कर 294.67 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का पिछले साल दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 226.03 करोड़ रुपये रहा था। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कुल राजस्व 23.51 प्रतिशत बढ़कर 995.31 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल समान अवधि में 805.80 करोड़ रुपये था। कंपनी के अनुसार, उसके निदेशक मंडल ने प्रति इक्विटी शेयर 2.50 रुपये के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है। आईआरसीटीसी का लक्ष्य स्टेशन, ट्रेन और अन्य स्थानों पर खानपान तथा आतिथ्य सेवाओं को उन्नत करना, पेशेवर बनाना और प्रबंधित करना है। इसके अतिरिक्त यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन दोनों को बढ़ावा देने में सहायक भूमिका निभा रहा है।

## अदाणी ने किया श्रीलंका पोर्ट में 553 मिलियन डॉलर का निवेश

**नईदिल्ली।** श्रीलंका की राजधानी में भारतीय अरबपति गौतम अदाणी द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह टर्मिनल के लिए अमेरिका ने 553 मिलियन डॉलर के निवेश किया है। बता दें, नई दिल्ली और वाशिंगटन दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव को कम करना चाहते हैं। और यही वजह है कि अमेरिका ने इस क्रम में इतना बना निवेश करने का फैसला किया है। ब्लूमबर्ग की खबर के अनुसार, कोलंबो में गहरे पानी वाले वेस्ट कंटेनर टर्मिनल के लिए इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कार्पोरेशन से वित्तपोषण अमेरिकी सरकारी एजेंसी का एशिया में सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश है, और विश्व स्तर पर इसका सबसे बड़ा निवेश है। डीएफसी ने एक बयान में कहा, यह श्रीलंका की आर्थिक वृद्धि और दोनों देशों के प्रमुख भागीदार भारत सहित इसके क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देगा।

# चीन कैसे दुनिया का सबसे बड़ा ऋणदाता बन गया?

**अभिनय आकाश**

चीन दुनिया का सबसे बड़ा कर्ज़ वसूलने वाला देश बन गया है। रिपोर्टों में कहा गया है कि बीजिंग ने अंतरराष्ट्रीय ऋण में 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक उधार दिया है। ये ऋण मुख्य रूप से विकासशील देशों को दिए गए हैं जो ऋण चुकाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। चीन का कर्ज़ जाल कितना बड़ा है और एक बार आप इसमें फंस गए तो बचना मुश्किल है। ये किस तरह के लोन हैं? इसमें द्विपक्षीय लैंडिंग के साथ-साथ बेल्ट और रोड इनिशिएटिव जैसे बुनियादी ढांचा परियोजना के लिए ऋण भी शामिल है। चीन किसे कर्ज दे रहा है? बिजिंग के कर्ज ट्रैप का एक पैटर्न है। यह वित्तीय संकट वाले देशों को लक्षित करता है। इसमें स्पेशली ग्लोबल साउथ के देश शामिल हैं। चीन उनका बड़ा ऋणदाता है।

चीन दुनिया का सबसे बड़ा ऋण संग्रहकर्ता बन गया है। विकासशील देशों से उस पर बकाया राशि 1.1टीएन डॉलर और 1.5टीएन डॉलर के बीच बढ़ गई है। वैश्विक दक्षिण में चीन के विदेशी ऋण पोर्टफोलियो का अनुमानित 80% अब वित्तीय संकट में देशों का समर्थन कर रहा है। 2017 से चीन दुनिया का सबसे बड़ा द्विपक्षीय ऋणदाता रहा है। इसके मुख्य डेवलपमेंट बैंकों ने 2008 और 2021 के बीच लगभग 500 बिलियन डॉलर जारी किए। हालांकि इसमें से कुछ बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) से पहले का है। बीजिंग के प्रमुख विकास कार्यक्रम ने विकासशील देशों में अधिकांश निवेश जुटाया है। लेकिन वर्जीनिया के एक सार्वजनिक विश्वविद्यालय, विलियम एंड मैरी में एडडाटा अनुसंधान प्रयोगशाला के शोधकर्ताओं की एक नई रिपोर्ट में पाया गया कि चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अब

अंतरराष्ट्रीय ऋण संग्रहकर्ता की भूमिका के साथ-साथ प्रमुख द्विपक्षीय फंडर भी बन रही है।

चीनी राज्य समर्थित बैंकों से उधार लेने से केन्या में रेलवे और कंबोडिया में बिजली संयंत्रों के साथ-साथ हजारों अन्य परियोजनाओं के निर्माण में मदद मिली है। ऐडडेटा शोधकर्ताओं ने 165 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 20,985 परियोजनाओं का विश्लेषण किया, जिन्हें 2000 और 2021 के बीच 1.34टीएन डॉलर के अनुदान और ऋण से वित्तपोषित किया गया था। शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे-जैसे चीनी ऋणदाताओं का कर्ज बढ़ा है, निलंबित या रद्द की गई परियोजनाओं की संख्या भी बढ़ी है। वित्तीय संकट वाले या इसके जोखिम वाले देशों को दिए गए ऋण में बड़ी हिस्सेदारी के साथ, बीजिंग अब डिफ़ॉल्ट के जोखिम के बारे में चिंतित है। जून में ज़ाम्बिया 6.3 बिलियन डॉलर के ऋण के पुनर्गठन के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर पहुंचा, जिसका दो-तिहाई हिस्सा चीन के निर्यात-आयात बैंक, जो देश के दो मुख्य नीति बैंकों में से एक है।

भविष्य में चूक के जोखिम को कम करने के लिए चीनी नीति निर्माताओं ने कई उपाय पेश किए हैं, जिनमें बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए ऋण कम करना और आपातकालीन ऋण देना शामिल है। 2015 में बुनियादी ढांचा परियोजना ऋण चीन के ऋण पोर्टफोलियो का 60त्न से अधिक था। 2021 तक हिस्सेदारी 30% से कुछ अधिक थी, जिसमें आपातकालीन ऋण का योगदान लगभग 60% था। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि चीन तेजी से एक अंतरराष्ट्रीय संकट प्रबंधक की तरह व्यवहार कर रहा है। चीन ने वित्तीय संकट में फंसे देशों के लिए सुरक्षा जाल बनाया है।

एक और तरीका जिससे चीनी ऋणदाता अपने जोखिम को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। वह देर से भुगतान के लिए जुर्माना बढ़ाना है, एक ऐसा कदम जो उधारकर्ताओं को अलग कर सकता है। एडडेटा रिपोर्ट गैलप वर्ल्ड पोल के आंकड़ों का हवाला देती है, जिससे पता चलता है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में चीन के लिए सार्वजनिक अनुमोदन रेटिंग 2019 में 56% से गिरकर 2021 में 40% हो गई है। विशिष्ट चीनी ऋणों के नियम और शर्तें अक्सर पारदर्शी नहीं होती हैं।

# बृजमोहन समग्र ब्राम्हण समाज के सम्मेलन में शामिल हुए

**रायपुर।** बृजमोहन अग्रवाल आशिर्वाद भवन पहुंचे यहां साहित्यक सांस्कृतिक धार्मिक विषयों पर समग्र ब्राम्हण समाज का योगदान विषय पर आयोजित, सर्व ब्राम्हण सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम में विशेष अतिथि रायपुर उत्तर से भाजपा प्रत्याशी पुरेंद्र मिश्र, निलेश शुक्ला, विनय, मृत्युंजय दुबे, अमिताभ दुबे समेत सैकड़ों की संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद थे। साथ ही बृजमोहन अग्रवाल ने लाखे नगर में संत कवर राम सिंधी धर्मशाला में आयोजित पूज्य सिंधी पंचायत के कार्यक्रम में शिरकत की और समाज के वरिष्ठ लोगों से मुलाकात कर अनेक विषयों पर चर्चा की।

बृजमोहन अग्रवाल ने देश के निर्माण के लिए विप्र समाज के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि, बिना चाणक्य के चंद्रगुप्त मौर्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बृजमोहन अग्रवाल ने देश और सनातन धर्म की भलाई के लिए परशुराम से लेकर अटल बिहारी बाजपेई जी को याद किया। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद विप्र जनों से विकास या विनाश में से एक को चुनने को कहा। बृजमोहन ने लोगों को भाजपा शासन में कराए गए विकास कार्यों और पिछले 5 सालों में भूपेश बघेल के विनाश कार्यों की याद दिलाई।

सिंधी समाज ने बृजमोहन अग्रवाल का जोरदार स्वागत किया और समाज की तरफ से रायपुर दक्षिण समेत पूरे छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से कमल खिलाने का संकल्प लिए। बृजमोहन अग्रवाल सिंधी समाज में खासा लोकप्रिय है। उन्होंने अपनी विधान सभा क्षेत्र में सामुदिक भवनों का निर्माण, सड़क निर्माण, स्वस्थ केंद्र समेत समाज की भलाई के अनेकों काम कराए है। कार्यक्रम का आयोजन हेमंत मेघानी, दीपक डोडवानी, बलराम मंधनी, जय केशवानी, अजय बजाज ने किया था।

बृजमोहन अग्रवाल ने बजाज कॉलोनी में दिपावली मिलन समारोह में भी शामिल हुए, यहां नर्सिंग की छात्राओं ने एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। बृजमोहन अग्रवाल ने प्रियदर्शनी नगर में विजडम रेजीडेंसी भी पहुंचे और रहवासियों से मिलकर एक बार फिर से भाजपा के लिए वोट मांगे।

## अधिवक्ता साथियों से समर्थन मांगा

**रायपुर।** रायपुर दक्षिण के भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने अपने चुनावी जनसंपर्क अभियान के तहत आज रायपुर जिला न्यायालय में अधिवक्ता साथियों से मुलाकात की और उनका समर्थन मांगा। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ चाय पे चर्चा करते हुए भारतीय जनता पार्टी के विचारों और नीतियों के संबंध में अपनी बात रखी साथ ही छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों और उनकी कारगुजारियों पर भी प्रकाश डाला।



बृजमोहन ने कहा कि प्रदेश कि कांग्रेस सरकार में चारों तरफ अव्यवस्था का आलम है। भ्रष्टाचार चरम पर है। समाज का हर वर्ग इस कांग्रेस सरकार से हताश, परेशान और निराश है।बीते 5 सालों में इन्होंने बेखौफ होकर घोटाले पर घोटाले किए। इस सरकार के मन में कानून का भय बिल्कुल भी नहीं है। सारे नियम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए भूपेश बघेल की सरकार चल रही है। पीएससी घोटाला, कोयला घोटाला, चावल घोटाला, कैंपा घोटाला, डीएमएफ घोटाला सबके सामने है। इस सरकार के कई अफसर आज जेल में है। संविधान द्वारा प्रदत अधिकारों का दुरुपयोग करने वाले, कानून का माहौल उड़ने वाले ऐसी महाभ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने में सबका साथ खड़ा होना जरूरी है।

## बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान की घर पहुंच सुविधा

**रायपुर ।** भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर आज कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने स्वयं तात्यापारा निवासी 83 वर्ष की बुजुर्ग मतदाता श्रीमती सुमन कमाईसदार के घर पहुंचकर उनसे गुप्त मतदान कराया। विधानसभा निर्वाचन-2023 से भारत निर्वाचन आयोग ने 80 वर्ष से अधिक बुजुर्ग मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान की घर पहुंच सुविधा शुरू की है। रायपुर जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने इसकी कमान खुद संभाल रखी है।आज से रायपुर जिले में मतदान की घर पहुंच सुविधा शुरू हो गई है। डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने तात्यापारा निवासी सुमन कमाईसदार के घर पहुंचकर उनसे मतदान कराया। इस दौरान पूरा मतदान दल कलेक्टर के साथ मौजूद था।

## बाबू भैया की कलम से

# भरोसे का संकट बनाम भरोसा बरकरार

एक दिन की आड़ में दोनों प्रमुख दलों का चुनावी घोषणा पत्र सामने आ गया है। कांग्रेस ने भरोसे का घोषणापत्र दिया तो घोषणा पत्र की जगह भाजपा ने मोदी की गारंटी का पत्र जारी किया। एक में पार्टी ने अपनी घोषणा की दूसरी तरफ पार्टी की जगह प्रधान मंत्री पद पर विराजमान नरेंद्र मोदी ने गारंटी दी। एक पार्टी और एक व्यक्ति , जनता सोच रही है किसकी मानें किस पर विश्वास व्यक्त करें ? पार्टी की घोषणा पर या व्यक्ति की गारंटी पर किस पर करें ? भारतीय जनता पार्टी के एक कट्टर समर्थक से किसी ने यह प्रश्न पूछ लिया तो फट से जवाब आया क्या बकवास बात कर रहे हो। इंडिया इज इंदिरा-इंदिरा इज इंडिया की तर्ज पर झट से कह दिया कि मोदी ही भाजपा है ,भाजपा ही मोदी है , अच्छी तरह समझ लो आगे कभी यह वाहियात सवाल दोबारा नहीं करना। अन्यथा फिर सोच लेना। मोदी की गारंटी का मतलब ही भाजपा की गारंटी है। पूछने वाले ने भक्त से डरते-डरते फिर दूसरा सवाल पूछ लिया , यार आप ही लोग तो कहते थे, कांग्रेस में व्यक्तिवाद है परिवार वाद है। आप लोग भी व्यक्तिवाद पर उतर आए हो। मोदी कैसे भाजपा हो जाएंगे वे तो स्वयं ही अपने आप को एक कार्यकर्ता मानते हैं। ऐसा इतने दिनों में क्या हो गया कि वे ही पार्टी हो गए। गारंटी देने लगे। लगता है सभी राज्यों का काम अब वे स्वयं ही सम्हालेंगे। ये उसी की शुरुवात है उद्घाटन उन्होनें छतीसगढ़ से कर दिया है। कह दिया हम ही सवारेंगें,यहां हमने ही बनाया का संवाद नहीं किया जा सकता था क्योंकि सभी जानते हैं कि अटलबिहारी बाजपेई ने छतीसगढ़ बनाया था,अन्यथा ...? अगर मेहनत रंग लाई और भाजपा की सरकार बन गई और गारंटी पूरी नहीं हुई तो गुहार लगाने मोदी जी के पास जाना होगा। शायद ऐसा ना हो तो भी स्थानीय सरकार जवाबदेही से मुकर जाए तो क्या किया जा सकेगा। गारंटी देने वाले दिल्ली में और राज्य चलेगा छतीसगढ़ में कैसे होगा यह आम जनता सोच रही है। वैसे गारंटियों में दम तो है,पूरी हो जाये तो छतीसगढ़ तो स्वर्ग बन जायेगा लोग खुशहाल होंगें। पर विश्वाश का संकट पर बात हो रही है,कैसे विश्वास करें 15 लाख आज तक आये नहीं, दो करोड़ नौकरियों का पता नहीँ,महंगाई खत्म जुमला साबित हो गया है। अब राज्य में विश्वास कैसे करें। लोगों में इस बात की भी चर्चा है। उधर कांग्रेस स्वयं ही अपने आप के लिए घोषित कर रही है कि हम भरोसे की सरकार हैं। इसीलिए हम दे रहे हैं भरोसे का घोषणापत्र। जनता क्या कह रही है यह जाने बगैर कहा जा रहा है कि जनता हम पर भरोसा करती है। सरकार व पार्टी कह रही है , पर जनता ने कहीं कहा हो यह रिकॉर्ड में नहीं है। अप्रमाणित भ्रष्टाचार के भारी भरकम आरोपों के बाद भी जनता की भरोसे की सरकार ? प्रमाण देने के प्रयास में कहा कि हमने किसानों का कर्ज दो घंटें में माफ किया, बिजली बिल हाफ किया ,2500 में रास्ता निकाल कर धान खरीदा, तेंदूपत्ता में 4000 दिया ,बोनस भी दिया। बिना मांगें आत्मानंद स्कूल खोले,गांव गौठान की योजना दी , और तो और हमने लोहंडीगुड़ा में किसानों की जमीन भाजपा सरकार ने उद्योगपति को दे दी थी उसे मुक्त करवा कर किसानों को वापस की। यहां तक कि बेकार समझे जाने वाला गोबर को धन में परिवर्तित कर जेब में पैसा डाला। इन कारणों से हमारे घोषणा पर जनता भरोसा करेगी। तर्क में दम तो है। अब यह भी कह दिया कि कर्ज फिर माफ कर देंगे हमारी सरकार फिर बनवा दो। अपील में भी दम है,पहले भी दो घंटे में किया तो था,शायद फिर कर ही देंगें। 16 और भी वायदे इसी दम पर किये हैं कि हम पर जनता भरोसा करेंगी भाजपा पर नहीं करेगी। दोनों दलों के वायदे लोक लुभावन हैं इसमें किसी को कोई संदेह नहीं है। मामला सिर्फ विश्वास का है। राज्यों के चुनावों में जनता जनार्दन किस पर विश्वास जताती है यह महत्वपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र पर या मोदी की गारंटी पर यह भविष्य के गर्भ में है। फैसला मतदानों के रुझानों से समझ में आने लगेगा। अंतिम मोहर तीन दिसम्बर को लग ही जाएगी।

# पुरंदर ने मुहल्लों में जनसंपर्क किया

**रायपुर।** रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा ने भाजपा मंडल जवाहर नगर, शंकर नगर और फाफाडीह क्षेत्र के अंतर्गत लालबहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक -34, शहीद हेमू कालाणी वार्ड क्रमांक-28, मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड क्रमांक-36, जवाहर नगर वार्ड क्रमांक-27 और नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड क्रमांक-31 सहित अलग-अलग मुहल्लों में सुबह से शाम तक वार्ड भ्रमण कर जनसंपर्क किया। भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के श्री मिश्रा ने दौरा और जनसंपर्क अभियान की शुरुआत राजीव आवास लाल गंगा क्षेत्र से की। दौरा और जनसंपर्क के दौरान आमजनों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा ने कहा कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए किए गए 36 वादों में से एक भी वादा पूरा नहीं किया है।

चुनावी माहौल को भाजपा के पक्ष में और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा ने बुधवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के जवाहर नगर, शंकर नगर और फाफाडीह मंडल क्षेत्र का धुआंधार दौरा किया। इस दौरान समर्थकों ने जगह-जगह श्री मिश्रा का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान पुरंदर मिश्रा ने कहा कि, रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विकास के दृष्टिकोण से लक्ष्य काफी बड़ा है और इसे पूरा करने के लिए जनता का आशीर्वाद मिलना आवश्यक और महत्वपूर्ण है। रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की सड़कें खस्ताहाल हैं। कानून-व्यवस्था चौपट है। नशेड़ी तत्वों की असहज हरकतों के कारण लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इन अव्यवस्थाओं में सुधार लाने के साथ- साथ क्षेत्र के समुचित विकास के लिए परिवर्तन अब बेहद जरुरी है और यह परिवर्तन जनता के आशीर्वाद के बिना संभव नहीं है। इसलिए अबकी बार रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में कमल खिलाना जरूरी है।

# भूपेश ने खेल और युवाओं के साथ किया खेलः अरुण साव

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने प्रदेश की प्रतिभासम्पन्न युवा शक्ति के साथ कदम-कदम पर किए गए छलावे को लेकर कांग्रेस की भूपेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है। श्री साव ने कहा कि बेरोजगारी भत्ते से लेकर रोजगार तक, प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर खेल के मैदान तक हर जगह युवाओं के साथ छल-कपट की जो मिसाल कांग्रेस सरकार ने पेश की है, उससे युवाओं में गहन आक्रोश नजर आ रहा है और मतदान के प्रथम चरण में इसका साफ संकेत मिल रहा है। श्री साव ने कहा कि युवाओं की प्रतिभा का सम्मान कर उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का संकल्प भाजपा ने लिया है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के 15 वर्षों के कार्यकाल में युवाओं के सर्वतोमुखी विकास के लिए काफी कार्य हुए थे। भाजपा शासनकाल में अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए 27 जिलों में लाइवलीहुड कॉलेज शुरू किए। छत्तीसगढ़ कौशल के अधिकार% को मौलिक प्रावधान के साथ %छत्तीसगढ़ युवाओं के कौशल विकास का अधिकार अधिनियम पारित करने वाला 2013 में देश का पहला राज्य बना। भाजपा के कार्यकाल में कई खेल बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू और पूरी की गई। श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के प्रयासों से छत्तीसगढ़ में आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के अंतर्गत 2023 तक छत्तीसगढ़ में कुल 85,083 कर्मचारियों के साथ 2,949 प्रतिष्ठान लाभान्वित हुए हैं। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के तहत कुल 56,028 ग्रामीण युवा लाभान्वित हुए हैं। सन 2023 तक प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना के तहत कुल 82,560 युवाओं को रोजगार मिला था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साव ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने अपने पाँच साल के शासनकाल में युवाओं के साथ धोखाधड़ी करके उन्हें केवल ठगने का काम किया है। कांग्रेस ने पीएससी घोटाला कर छत्तीसगढ़ के योग्य उम्मीदवारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

## किसानों का कर्ज माफ होगा, धान 3200 में खरीदा जायेगा

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस जो कहती है वह करती है। कांग्रेस का घोषणा पत्र छत्तीसगढ़ को स्वस्थ, समृद्ध और शिक्षित बनाने का वायदा करता है। 2018 में कांग्रेस ने अपने जन घोषणा पत्र में किसान, आदिवासी, युवाओं, महिलाओं सभी से वायदा किया था और उसको पूरा किया। 2023 में हमारे घोषणा पत्र में हर वर्ग का पूरा ख्याल रखा गया है। जनता कांग्रेस के घोषणा पत्र और उनको किये गये वायदों को गंभीरता से लेती है तथा उस पर भरोसा भी करती है जनता जानती है कांग्रेस का घोषणा पत्र उसकी सरकार विजन डॉक्यूमेंट होता है। हम आम आदमी को सशक्त बनाने योजना लेकर आगे बढ़ रहे है। 2018 में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद पहले ही घंटे में कांग्रेस की सरकार ने घोषणा पत्र को पूरा करना शुरू कर दिया था। लगभग 20 लाख किसानों का लगभग 10 हजार करोड़ कर्ज माफ किया गया। उसके बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यसचिव को बुला कर कांग्रेस का जन घोषणा पत्र देकर यह सुनिश्चित करने को कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र के हर वायदे को पूरा करने हेतु कार्य योजना बनाया जाये इसी का परिणाम था कि पांच साल में भूपेश सरकार ने 36 में से 98 प्रतिशत वायदों को पूरा कर दिखाया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि पहले की तरह इस बार भी होगा।



## जाति का जनगणना रोकने भाजपा अफवाह फैला रहीः ठाकुर

**रायपुर।** भाजपा सांसद रवि किशन के बयान पर पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि गूगल में फेंकू और कमीशनखोर लिखने से भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के नाम सामने आते हैं। और किसानों को धान की कीमत 2500 रु प्रति क्विंटल देने और किसानों को कर्ज मुक्त करने वाला राज्य और मुख्यमंत्री कौन पूछने से जनता, छत्तीसगढ़ और भूपेश बघेल का नाम बताते है। 2023 में सरकार बनने पर फिर किसानों को कर्ज मुक्त करने, धान की कीमत 3200 रुपए प्रति क्विंटल देने, 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदने, 10 लाख तक स्वास्थ्य की निःशुल्क इलाज की सुविधा देने, जाति का जनगणना कराने, केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा देने और 17 लाख से अधिक लोगों को आवास देने, 500 रु रसोई गैस सिलेंडर में छूट देने का वादा करने वाले कौन लिखने पर कांग्रेस का नाम आता है। भाजपा सांसद रवि किशन के पहले भी भाजपा के कई नेता आए झूठ बोलकर, मनगढ़ंत आरोप लगाकर जनता को बहकाने का प्रयास किया। दुर्भाग्य की बात है रवि किशन जिस सरकार में सांसद है उस सरकार की एक उपलब्धि नहीं बता पाये, क्योंकि नरेंद्र मोदी की सरकार 9 साल से सिर्फ देश की जनता को धोखा दे रही है।प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि चुनावी सभाओं में अच्छे दिन आयेंगे, 15 लाख रुपए खाता में आएगा, किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी, 100 दिन में महंगाई कम होगा, पेट्रोल-डीजल 30 रु. - 35 रु. लीटर मिलेंगे, बुलेट ट्रेन चलेगा, हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करेंगे।



## ईडी और भाजपा मुख्यमंत्री की छवि खराब करने साजिश रची

**रायपुर।** एआईसीसी के प्रदेश कांग्रेस मीडिया पर्यवेक्षक वरिष्ठ नेता राज्यसभा में उपनेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि ईडी और भाजपा ने मिलकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की छवि खराब करने साजिश रची। ईडी ने जिस ड्राईवर के बयान पर मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया वह भाजपा का कार्यकर्ता है। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार के इशारों पर ईडी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की छवि खराब करने के उद्देश्य से एक दुर्भावनापूर्वक प्रेस नोट जारी किया। इसमें ईडी ने सिर्फ एक आरोपी के फौरी ब्यान के आधार पर मुख्यमंत्री के खिलाफ बिना किसी प्रमाण के, बिना किसी जांच के पैसे लेने का प्रेसनोट हड़बड़ी में जारी कर दिया। इसी के द्वारा जारी प्रेस नोट यह साबित करने के लिये पर्याप्त है कि यह भाजपा को एक चुनावी मुद्दा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री की छवि खराब करने के उद्देश्य से षड़यंत्रपूर्वक जारी किया है।महादेव एप्प के मालिकों में से एक रवि उप्पल का भाई भाजपा के दुर्ग के सांसद जो पाटन में मुख्यमंत्री के खिलाफ चुनाव लड़ रहे उनके साथ है। उसकी फोटो रमन सिंह के साथ भी है। यह रिश्ता क्या कहलाता है सारे कनेक्शन भाजपा के बड़े नेताओं के साथ है। आरोप कांग्रेस पर लगाते है।जिस ड्राइवर के बयानों के आधार पर मुख्यमंत्री पर अनर्गल आरोप लगाये गये है वह भाजपा का



## व्यक्ति चाहे कितनी भी ऊंचाई पर चला जाए अपनों को याद रखना ही चाहिए : रामसुन्दर

**रायपुर।** किसी भी व्यक्ति का सम्मान यदि अपने घर में नहीं होता तो उसका सम्मान संसार में हो ही नहीं सकता! यह बातें रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में सत प्रतिशत सही साबित हो रही है, अग्रवाल समाज के द्वारा पुरानी बस्ती में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी लोगों ने एक स्वर से कहा कि -हम लोगों ने जिस व्यक्ति को 35 वर्षों तक अपना मत प्रदान करके बिजयी बनाया वह हमारे इस सांस्कृतिक विरासत को झांकने तक नहीं आया। चाहते तो वे मंत्री के पद पर रहते हुए गोपीनाथ मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, जैतुसाव मठ जैसे प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार करा सकते थे किंतु उन्होंने यहां के लिए कुछ भी नहीं किया! दाऊ महेंद्र अग्रवाल जी सहित अग्रवाल परिवार के सभी वरिष्ठ सदस्यों ने एक स्वर से कहा कि अबकी बार हमें पार्टी से ऊपर उठकर हमारे महन्त जी को बिजयी बनाना है। वे बहुत ही सरल, सौम्य एवं उदार व्यक्तित्व के धनी हैं। उनके नेतृत्व में दूधाधारी मठ, शिवरीनारायण मठ, राजीव लोचन मंदिर जैसे सभी स्थानों का विकास हुआ है। अब हमें हमारा घर का व्यक्ति कैबिनेट मंत्री के रूप में प्राप्त होगा। इस अवसर पर महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि- आज मुझे आप सभी के बीच में आकर बहुत ही अच्छा महसूस हो रहा है। मैं अपने परिवार के बीच में उपस्थित हुआ हूं और अपने मन की बातें आप लोगों के साथ साझा कर सकता हूं।

## ईवीएम जमा कर घर लौट रहे 3 शिक्षकों की मौत

**कोंडागांव।** छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में विधानसभा चुनाव कराकर मतपेटियां जमा करने के बाद लौट रहे तीन कर्मचारियों की मौत हो गई है. तीनों मृतक शिक्षक थे, इस हादसे के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ ने शिक्षकों के आकस्मिक निधन पर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार से उनके परिवार को एक करोड़ रूपये मुआवजा राशि देने की मांग की है. छत्तीसगढ़ प्रदेश संयुक्त शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष केदार जैन ने हादसे के बाद कलेक्टर कोंडागांव, ष्टश्वह्र जिला पंचायत कोंडागांव और जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी से टेलीफोनिक चर्चा करते हुए उनके परिवार को मिलने वाली अनुग्रह राशि को आज ही प्रदान किए जाने की मांग की है, जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी ने खुद पीड़ित परिवारों को 50-50 हजार की अनुग्रह राशि प्रदान की.केदार जैन ने निर्वाचन आयोग से मांग करते हुए कहा है कि भविष्य में होने वाले निर्वाचन कार्य को और अधिक सरलीकरण किया जाए. जिससे शिक्षक और कर्मचारियों पर मानसिक दबाव न हो, उनके दिनचर्या में किसी भी प्रकार का प्रतिकुल प्रभाव न पड़े जिससे कि इस तरह की अप्रिय घटनाएं दोबारा घटित हो।

### प्रथम चरण के चुनाव के बाद पत्रकारवार्ता

# कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और 3 मंत्री चुनाव हार रहे है : रमन सिंह

**रायपुर।** भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारे छत्तीसगढ़ में पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ है जिसमें राजनांदगांव समेत 20 सीटों पर मतदान हुआ है और मैने स्वयं राजनांदगाँव के लखोली, कन्हारपुरी और मोहड बूथ पर जाकर देखा, जहां लोगों में चुनाव के प्रति भारी उत्साह दिखाई दिया इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी के हमारे कार्यकर्ता भी लगातार मतदान केंद्रों के पास मतदाताओं की सहायता और सुविधा के लिए उपस्थित रहे। लोगों में भाजपा के प्रति जितना विश्वास दिखाई दिया ठीक विपरीत कांग्रेस के प्रति उतना ही आक्रोश भी था जिससे यह स्पष्ट हो चुका है कि इस बार राजनांदगाँव में भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। नक्सलियों के पुरजोर विरोध के बाद भी बड़ी संख्या में हुआ यह मतदान लोकतंत्र की विजय का प्रतीक है आज शाम 5 बजे तक पहले चरण के मतदान के आँकड़े चुनाव आयोग द्वारा जारी कर दिये गये हैं जिसमें



भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भाजपा का इंटरनल फीडबैक सिस्टम का सर्वे बता रहा है पहले चरण के नतीजे भाजपा के लिए बेहद उत्साहजनक होने जा रहे हैं लोगों ने बढ़ चढ़कर भाजपा के पक्ष में ही वोट किया है। पहले चरण की 20 सीटों में भाजपा के पक्ष में 15 से 18 सीटे आ रही है यह बीजेपी का इंटरनल सर्वे और उसका फीडबैक बता रहा है।कांग्रेस ने नक्सलियों के साथ मिलकर भय का वातावरण बनाने का पूरा प्रयास किया लेकिन बस्तर सहित 20 सीटों में जनता ने परिवर्तन के लिए बाहर निकल कर बड़ी संख्या में वोट किया है। सिफालॉजी का थंब रूल होता है परिवर्तन के लिए वोट पहले से अधिक पड़ता है परंतु भय के माहौल की वजह से यहां पर कुछ लोग वंचित जरूर हुए लेकिन जो भी वोट करने निकला है परिवर्तन के लिए ही निकला है और यह भाजपा का फीडबैक सिस्टम भी बता रहा है भाजपा आवत है।

# शराब विरोधी मुहिम में जुटे खौली के युवाओं ने एसपी को सौंपा अपेक्षायुक्त धन्यवाद ज्ञापन

**रायपुर।** चरमराये ग्रामीण व्यवस्था के चलते हावी असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने जुटे ग्राम खौली के युवाओं ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल से मुलाकात कर ग्रामीणों के आशीर्वाद व पुलिस प्रशासन के सहयोग से ग्राम खौली में असामाजिक गतिविधियों पर 70 प्रतिशत अंकुश लग जाने की जानकारी देते हुये जहां पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया वहीं शेष बचे 30 प्रतिशत गतिविधियों पर रोक लगाने युवाओं को पुलिस प्रशासन की सहयोग की अपेक्षा की।

ज्ञातव्य हो कि खरोरा थाना क्षेत्र के? ग्राम खौली में ग्रामीण व्यवस्था लड़खड़ाने से हावी असामाजिक तत्वों द्वारा खुले आम अवैध शराब व गांजा बिक्री कर ग्राम का माहौल खराब कर रहे थे। इसके चलते फैल रहे अशांति व नौनिहालों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव से खिन्न युवाओं ने इसके खिलाफ मुहिम छेड़ने का निर्णय ले आहूत बैठक में ग्रामीणों का आशीर्वाद लें चौकसी अभियान चलाने के साथ - साथ लिप्त तत्वों को समझाईश देने का काम भी जारी रखा है । इसी दरम्यान थाना प्रभारी के के कुशवाहा के निर्देश पर ग्राम के एक पुलिसिया रिकार्डधारी को थाना अमला ने 5 लीटर से अधिक शराब के साथ धर दबोच जेल दाखिल भी करवाया था । जमानत पर रिहा हो ग्राम पहुंचे इस आरोपी द्वारा फिलहाल शराब नहीं बेचा जा रहा है पर ग्रामीण सूत्रों के अनुसार कतिपय असामाजिक तत्व युवकों के समझाईश के बाद भी शराब बेचने से बाज नहीं आ रहे । सिर्फ फर्क इतना पड़ा है कि वे अब खुलेआम के बदले गुपचुप शराब बेच रहे हैं और मोबाइल संपर्क के आधार पर शराब की पहुंच सेवा अभियान चला रहे हैं।



आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.